25 जनवरी 2025

शनिवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बोले... सामाजिक न्याय के मसीहा थे कर्पूरी ठाकुर

2

मौनी अमावस्या के दिन संगम नोज पर भीड़ नियंत्रित करने को उठाए जाएंगे विशेष कदम

महाकुंभ–2025

- 27-29 जनवरी को भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने कसी कमर
- जिस सेक्टर में श्रद्धालु आ रहे हैं उसी सेक्टर में स्नान के बाद उन्हें वापस भेजने की तैयारी

केटी न्यूज/प्रयागराज

महाकुम्भ में मौनी अमावस्या अमृत स्नान के अवसर पर श्रद्धालुओं के सुचारू यातायात और सुरक्षित मूवमेंट के लिए मेला प्रशासन की ओर से व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। 10 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना को देखते हुए मेला प्रशासन ने सेक्टर लेवल पर श्रद्धालुओं को नियंत्रित करने के निर्देश दिए हैं। इसमें स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि जिस सेक्टर या जोन में श्रद्धालु आ रहे हैं उसी सेक्टर या जोन से उन्हें वापस भेजा जाए। किसी भी सूरत में उन्हें संगम नोज या किसी अन्य जोन में न जाने दिया जाए। सभी अधिकारियों को उनके कार्यक्षेत्र में रहकर सभी व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

सभी को सुविधापूर्वक स्नान कराना प्रशासन की प्राथमिकता

योगी सरकार ने महाकुम्भ को भव्य और दिव्य बनाने का जो प्रयास किया है, उसको देखते हुए भारी संख्या में मौनी अमावस्या पर श्रद्धालुओं की प्रयागराज में मौजूदगी की संभावना है। सभी को सुविधा के साथ सुगम स्नान कराना मेला प्रशासन की प्राथमिकता है। इसी को देखते हुए निर्देश दिए गए हैं कि हर सेक्टर और जोन में आने वाले श्रद्धालु अपने गंतव्य स्थान पर उसी जोन से प्रस्थान करें। संगम नोज या अन्य जोन पर 27–29 जनवरी को मूवमेंट कम से कम रखा जाए। लोगों की सुविधा के लिए 12 किमी लंबे घाट का निर्माण किया गया है। उन्हें प्रोत्साहित किया जा रहा है कि जिस घाट पर वो पहुंच रहे हैं, वहीं स्नान करें और फिर वहीं से वापस लौट जाएं। घाटों पर भीड़ न जमा हो, इसके लिए इवैक्युएशन गैंग तैयार की जाएगी।

घाटों पर व्यवस्था को किया जा रहा और भी सुदृढ़

हार्ड बैरियर और बैरिकेट्स पर शत–प्रतिशत नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक संसाधन जैसे रस्से, लाउड हेलर, सीटी, उड़न दस्ते और वॉच टावर की टीमें तैनात की जाएंगी। इन स्थानों पर केन्द्रीय बलों की उपस्थिति और उचित समन्वय पर जोर दिया जाएगा। संस्थानों को होल्डिंग एरिया के रूप में उपयोग करने और जरूरत पड़ने पर अस्थाई पार्किंग क्षेत्रों के विकास के भी निर्देश दिए गए हैं और साथ ही भीड़ नियंत्रण के लिए संस्थानों में रात्रि ठहराव की व्यवस्था की जाएगी। घाटों की अवस्थापना व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जा रहा है। कासा, पुआल, बोरे, रिवर बैरिकेडिंग, जल पुलिस, वॉच टावर, लाइटिंग, साइनेज, शौचालय, चेंजिंग रूम और सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

महापुरुषों का विरोध, माफिया से प्यार करती है सपा: योगी

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि समाजवादी पार्टी बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर व अन्य महापुरुषों का विरोध करती है, लेकिन माफिया से प्यार करती है। यह लोग माफिया के मरने पर आंसू बहाते हैं और मर्शिया पढ़ने जाते हैं। उन्होंने कहा कि देख सपाई, बिटिया घबराई। दलित बेटी की इज्जत के साथ खिलवाड़ करने वाला मोईद खान सपा का हीरो होता है। बेटी की इज्जत के साथ खिलवाड़ करना ही सपा का वास्तविक चरित्र है। दुर्भाग्य से अयोध्या से बने सपा के सांसद मोईद खान को सिर पर लेकर ढोते हैं। उसकी पैरवी करते हैं, फोटो खिंचवाने में उन्हें गौरव होता है। सीएम ने अपील की कि मोईद खान के भक्तों को चुनाव नहीं जिताना है। इसे सिर आंखों पर बैठाने वाले लोग बेटियों की सुरक्षा में खतरा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मिल्कीपुर उपचुनाव में सपा को आड़े हाथ लेते हुए भाजपा प्रत्याशी चंद्रभानु पासवान के पक्ष में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हाल में हुए उपचुनाव में 9 में से 7 पर भाजपा ने जीत दर्ज की है। मिल्कीपुर को रिकॉर्ड तोड़ना है और राष्ट्रवादियों को चुनाव जिताना है।

भंडारा जिले में सुबह साढ़े दस बजे हुआ हादसा, धमाका के कारणों का पता नहीं

महाराष्ट्र की आयुध फैक्ट्री में जोरदार धमाका, 8 लोगों की मौत, 7 घायल

- फैक्ट्री के अंदर धमाके के कारण मच रही अफरा-तफरी
- धमाके के कारण बिल्डिंग की एक छत गिरी, जिसे हटाने के लिए लगाना पड़ा जेसीबी मशीन

एजेंसी/मुंबई

महाराष्ट्र के भंडारा जिले में शुक्रवार सुबह करीब साढ़े दस बजे बड़ा हादसा हुआ। ऑर्डिनेंस फैक्ट्री के आरके ब्रांच सेक्शन में अचानक विस्फोट हो गया। इस सेक्शन में आरडीएक्स बम बनाया जाता है। इस धमाके में 8 कर्मचारियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई दूसरे कर्मचारी घायल हो गए। फैक्ट्री के अंदर धमाके की वजह से अफरा-तफरी मच गई। भंडारा के कलेक्टर संजय कोलटे ने मीडिया को बताया कि ऑर्डिनेंस फैक्ट्री जवाहर नगर में हुए हादसे के बाद तुरंत दमकल और एंबुलेंस को घटनास्थल पर भेजा गया। धमाके के कारण एक छत गिर गई, जिसे हटाने के लिए जेसीबी मशीन का उपयोग किया गया। घटना के समय वहां 15 लोग मौजूद थे।

जिस सेक्शन में धमाका हुआ, वहां बनता है आरडीएक्स बम

फैक्ट्री के आरके ब्रांच सेक्शन में हुए धमाके की जांच शुरू कर दी गई है। इस सेक्शन में आरडीएक्स बम बनाया जाता है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, यह संभव है कि बम बनाने के दौरान ही विस्फोटक हुआ है । हालांकि, सही कारणों का खुलासा जांच पूरी होने के बाद ही हो पाएगा। फैक्ट्री प्रबंधन और सुरक्षा विभाग के अधिकारियों से पूछताछ की जा रही है। हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़ने की संभावना है। विस्फोट से ऑर्डिनेंस फैक्ट्री की इमारत ध्वस्त हो गई है।

यह घटना ऑर्डिनेंस फैक्ट्री में सुरक्षा मानकों को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती है। हादसे के वक्त फैक्ट्री में बड़ी संख्या में कर्मचारी काम कर रहे थे। विस्फोट इतना तेज था कि आसपास के इलाकों में भी इसकी आवाज सुनाई दी। हालांकि, धमाके के कारणों का अब तक पता नहीं चल सका है। फैक्ट्री से आई तस्वीरों में भारी हथियारों के टुकड़े बिखरे थे। एंबुलेंस से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। धमाके से पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

सीएम फडणवीस ने शोक जताया

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आयुध फैक्टरी में विस्फोट के कारण एक इकाई की छत गिरने से कई श्रमिक फंस गए। उन्होंने विस्फोट में जान गंवाने वालों के लिए शोक भी व्यक्त किया। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि भंडारा में आयुध फैक्ट्री में बड़ा विस्फोट हुआ है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार इस घटना में 8 लोगों की मौत हो गई है और 7 लोग घायल हैं। गडकरी ने जान गंवाने वालों को एक मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। आयुध फैक्टरी में विस्फोट पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दुख जताया। उन्होंने एक्स पर लिखा कि महाराष्ट्र के भंडारा में आयुध कारखाने में हुए विस्फोट के बारे में जानकर बहुत दुख हुआ। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। बचाव दल घटनास्थल पर तैनात हैं। प्रभावित लोगों को सहायता प्रदान करने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं।
कांग्रेस ने मोदी सरकार को घेरा: विस्फोट पर महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह मोदी सरकार की विफलता है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता आरके सिन्हा को ब्रेन स्ट्रोक, आईसीयू में भर्ती

नई दिल्ली। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व राज्यसभा सांसद आरके सिन्हा की तबीयत अचानक बिगड़ गई है। उन्हें ब्रेन स्ट्रोक आने के बाद दिल्ली के मैक्स हॉस्पिटल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। सूत्रों के मुताबिक, उनकी हालत गंभीर बनी हुई है और डॉक्टर लगातार उनकी निगरानी कर रही है। उनके परिवार के सदस्य और समर्थक उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं। भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं ने उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की है।

आरके सिन्हा हमेशा से राजनीति में सक्रिय रहे हैं। राज्यसभा में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपनी राय रखी और पार्टी के लिए अहम भूमिका निभाई। राजनीति के अलावा वे सामाजिक कार्यों में भी गहरी रुचि रखते हैं। बिहार में उनकी अच्छी पकड़ है और उन्हें लोगों का काफी सम्मान मिलता है।आरके सिन्हा, जो बिहार के बक्सर में जन्मे, ने अपने करियर की शुरूआत पत्रकारिता के क्षेत्र से की। उन्होंने 1971 में भारत-पाकिस्तान युद्ध को भी रिपोर्ट किया था। नौकरी से निकाले जाने के पश्चात, आरके सिन्हा ने एसआईएस सिक्यूरिटी कंपनी की स्थापना की।

मोकामा गैंगवार मामले में बाहुबली अनंत सिंह ने किया आत्मसमर्पण

14 दिन के न्यायिक हिरासत में भेजा गया बेऊर जेल

केटी न्यूज/पटना

मोकामा गैंगवार के चर्चित मामले में बाहुबली और पूर्व विधायक अनंत सिंह ने सरेंडर कर दिया है। अनंत सिंह ने पटना जिले के बाढ़ कोर्ट में आत्मसमर्पण किया। वे अपने समर्थकों के साथ सीधे अदालत पहुंचे थे। आत्मसमर्पण के बाद अनंत सिंह को 14 दिन के न्यायिक हिरासत में बेऊर जेल भेज दिया गया है। इससे पहले इसी मामले में गैंगस्टर सोनू ने भी सरेंडर किया था। कोर्ट परिसर में सरेंडर के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। यह मामला 22 जनवरी की उस घटना से जुड़ा है, जब मोकामा में अनंत सिंह और सोनू-मोनू गैंग के बीच जबरदस्त गैंगवार हुआ था। इस दौरान करीब 70 से 80 राउंड गोलियां चलीं। इस फायरिंग में अनंत सिंह बाल-बाल बच गए थे, लेकिन उनके एक समर्थक को गोली लग गई थी।

शुक्रवार की सुबह फिर से हुई फायरिंग: शुक्रवार की सुबह मोकामा के जलालपुर नौरंगा गांव एक बार फिर गोलियों की आवाज से दहल उठा। इस बार फायरिंग सोनू-मोनू गैंग के मुंशी रहे मुकेश के घर पर हुई। मुकेश ने इस गोलीबारी का

आरोप सोनू-मोनू गैंग पर लगाया है। घटना के बाद से पूरे इलाके में डर का माहौल है। पुलिस ने घटनास्थल से कारतूस के खाली खोखे बरामद किए हैं। यह वही इलाका है जहां एक दिन पहले अनंत सिंह और सोनू-मोनू गैंग के बीच भीषण फायरिंग हुई थी।

क्या थी घटना: पूर्व विधायक अनंत सिंह के अनुसार बुधवार को 10 से 15 लोग मेरे पास न्याय की गुहार लगाने आए थे। उन्होंने बताया कि उनके घर में सोनू-मोनू ने ताला लगा दिया है। घर से भगा दिया और 10 हजार रुपये मांग रहे हैं। इसके बाद मैं इनलोगों के साथ गया। इनके घरों का ताला खुलवा दिया। ग्रामीणों की अपील पर मैंने सोनू-मोनू के घर जाकर उन्हें समझाने की। लेकिन, दोनों मुझे देखते ही भागने लगे और फायरिंग करने लगे। इसी दौरान मेरे एक आदमी को गोली लग गई।

कभी-कभी अहिंसा के विचार की रक्षा के लिए अपनाना पड़ता है हिंसा का मार्ग: भैयाजी जोशी

एजेंसी/कोलकाता

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के वरिष्ठ नेता भैयाजी जोशी गुजरात यूनिवर्सिटी में आयोजित हिंदू आध्यात्मिक सेवा मेला के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए। इस समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया कि अहिंसा के विचार की रक्षा के लिए कभी-कभी हिंसा आवश्यक होती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत को शांति के रास्ते पर सभी को साथ लेकर चलना होगा। समारोह को संबोधित करते हुए भैयाजी जोशी ने कहा, हिंदू अपने धर्म की रक्षा के लिए हमेशा प्रतिबद्ध हैं। अपने धर्म की रक्षा के लिए हमें वे काम करने होंगे जिसे दूसरे लोग अधर्म करार देते हैं। ऐसे काम हमारे पूर्वजों ने किए थे। महाभारत के युद्ध का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि पांडवों ने अधर्म को खत्म करने के लिए युद्ध के नियमों को ताक पर रख दिया था।

भैयाजी जोशी ने कहा, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि हिंदू धर्म में अहिंसा के तत्व समाहित है। कभी-कभी हमें हमें अहिंसा के विचार की रक्षा के लिए हिंसा का मार्ग अपनाना पड़ता है। नहीं तो अहिंसा के विचारों की रक्षा नहीं हो सकती। हमारे महान पूर्वजों ने हमें यह संदेश दिया है। आरएसएस नेता के अनुसार, भारत के लोगों को शांति के रास्ते पर सभी को साथ लेकर चलना होगा क्योंकि जो सभी को साथ लेकर चलने में सक्षम है वही शांति स्थापित कर सकता है। उन्होंने कहा कि अगर कोई धर्म दूसरों को उनके संबंधित धर्मों का पालन करने की अनुमति नहीं देता तो कहीं भी शांति नहीं होगी। आरएसएस नेता ने कहा, भारत के अलावा कोई ऐसा देश नहीं है जो दूसरे देशों को साथ लेकर चलने में सक्षम हो। वसुधैव कुटुंबकम यह आध्यत्मिकता के बारे में हमारे विचार हैं। अगर हम पूरी दुनिया को एक परिवार मान लेते हैं तो कहीं भी संघर्ष नहीं होगा। कहा कि जब कोई व्यक्ति खुद को हिंदू कहता है तो इसमें कई पहलू शामिल हैं। यह एक धर्म, आध्यात्मिकता, विचारधारा, सेवा और जीवनशैली है।

फिल्म अभिनेत्री ममता कुलकर्णी बनीं साध्वी

प्रयागराज। करण अर्जुन', 'बाजी' 'चाइना गेट' जैसी तमाम फिल्मों में नजर आ चुकीं 90 के दशक की मशहूर फिल्म अभिनेत्री ममता कुलकर्णी आध्यात्मिक यात्रा पर निकल गई हैं। उन्होंने अपने ग्लैमरस दुनिया को त्याग कर 'संन्यास' ले लिया है। वह महाकुंभ में किन्नर अखाड़े में आचार्य महामंडलेश्वर डॉ. लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी से आशीर्वाद लेकर साध्वी बन गई हैं। ममता कुलकर्णी को 24 जनवरी को महाकुंभ में किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर बनाया गया है। अब उन्हें 'यामाई ममता नंद गिरि' के नाम से जाना जाएगा। उनकी कुछ तस्वीरें सामने आई हैं जिसमें वह साध्वी के रूप में नजर आ रही हैं।

उप्र स्थापना दिवस कार्यक्रम को उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने किया संबोधित

परिवार संग महाकुंभ में लगाउंगा डुबकी: उप राष्ट्रपति

केटी न्यूज/लखनऊ

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा है कि आठ साल में यूपी उत्तम प्रदेश बन चुका है और अब यह उद्यम प्रदेश बनने की ओर तेजी से अग्रसर है। उन्होंने इसके लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ करते हुए कहा कि वे दृढ़संकल्प के साथ उत्तर प्रदेश के विकास के लिए समर्पित हैं। उप राष्ट्रपति ने महाकुम्भ की चर्चा करते हुए कहा कि पूरी दुनिया आश्चर्यचकित है कि प्रयागराज में इतना बड़ा आयोजन आखिर कैसे इतने सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो रहा है। उन्होंने ने देश में अवैध शरणार्थियों की मौजूदगी पर भी चिंता व्यक्त की।

उप राष्ट्रपति शुक्रवार को राजधानी के अवध शिल्पग्राम में आयोजित उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मैंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का निमंत्रण स्वीकार कर लिया है और एक फरवरी को परिवार के साथ महाकुम्भ में डुबकी लगाउंगा। उन्होंने प्रदेश की जनता को राज्य के स्थापना दिवस की बधाई दी। कहा कि सीएम योगी ने इस बात को चरितार्थ किया है कि यूपी अनलिमिटेड पोटेंशियल वाला प्रदेश है। उन्होंने कहा कि 2018 से राज्य स्थापना दिवस मनाने की परंपरा सराहनीय कदम है। हर स्थापना दिवस पर एक योजना प्रारंभ की गई है। आज मुख्यमंत्री युवा उद्यमी अभियान का शुभारंभ किया गया है। इसके अंतर्गत 10 लाख उद्यमी ही नहीं बनेंगे, बल्कि ये उद्यमी औरों के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित करेंगे।

उप राष्ट्रपति ने कहा कि यूपी की पहचान इसकी तीव्र और ऐतिहासिक प्रगति के रूप में झलक रही है। ये आसान काम नहीं था। किसी ने सोचा नहीं था ऐसा होगा, इसके लिए योगी आदित्यनाथ साधुवाद के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि विश्वस्तरीय संस्थागत ढांचे के निर्माण में यूपी सबसे आगे है। पूरी दुनिया के लिए ये एक उदाहरण है। तकनीकी और व्यापार के विस्तार में भारत की लंबी छलांग में यूपी की भागीदारी महत्वपूर्ण है। एक जमाना था जब यूपी की पहचान कानून व्यवस्था की चिंता से होती थी। उससे निकलने का रास्ता नहीं दिखता था। प्रांत एक चक्रव्यूह में फंस गया था।

पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर की 101 वीं जयंती के अवसर पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ पहुंचे उनके पैतृक गांव

सामाजिक न्याय के मसीहा थे कर्पूरी ठाकुर : उपराष्ट्रपति

♦ कर्पूरी ठाकुर के पैतृक घर स्थित स्मृति भवन पर हुआ माल्यार्पण

केटी न्यूज/पटना

भारत रत्न व सूबे के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर की 101 वीं जयंती मनायी गई। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ पूर्व मुख्यमंत्री के गांव पहुंचे। वहां पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि स्व. कर्पूरी ठाकुर समाजिक न्याय के मसीहा थे। वहीं केंद्रीय राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर ने बताया कि जयंती समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के साथ ही सभी अतिथि परिचर्चा में शामिल हुए। उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत तेजी से विकास कर रहा है।

शुक्रवार को भारत रत्न व बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर की जयंती पर पटना और समस्तीपुर समेत कई जगहों पर जननायक कर्पूरी ठाकुर की 101 वीं जयंती पर समारोह का आयोजन किया गया।

समस्तीपुर में कर्पूरी चर्चा के आयोजन में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज चौहान, केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भगवत चौधरी, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश सिंह, राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, डिप्टी सीएम विजय सिन्हा और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी शामिल हुए। उपराष्ट्रपति और मुख्यमंत्री समेत सभी गणमान्य लोगों ने सबसे पहले कर्पूरी ठाकुर के पैतृक घर स्थित स्मृति भवन पर माल्यार्पण किया। इसके बाद धर्म प्रार्थना में शामिल हुए। उपराष्ट्रपति ने रुद्राक्ष और चंदन के पेड़ लगाए। इस मौके पर उन्होंने कर्पूरी ठाकुर की वैसी ही झोपड़ी का जायजा लिया जिस तरह की झोपड़ी में कर्पूरी ठाकुर का पूरा जीवन व्यतीत हुआ था। इस झोपड़ी को कर्पूरी ठाकुर की याद में उनकी पुत्री ने निर्माण कराया है। सभी लोग कर्पूरी परिचर्चा में शामिल हुए। उपराष्ट्रपति ने सभा पर संबोधित करते हुए कहा कि उतना विकास नहीं किया जितना विकास पिछले 10 सालों में हुआ है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के काम की बड़ाई की। उन्होंने कहा कि वर्ष 1947 में जब भारत आजादी का शताब्दी दिवस समारोह मना रहा होगा उसे समय भारत विकसित देश बनेगा और उसका नंबर एक होगा और गुरु के रूप में भी जाना जाएगा। भारत तेजी से विकास कर रहा है। झोपड़ी को पुनः वैसा ही लुक दिया गया। इधर, जननायक कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न मिलने के बाद यह पहला मौका है जब उनकी जयंती समारोह मनाया जा रहा है। इस जयंती समारोह को यादगार बनाने के लिए कर्पूरी ठाकुर की उस झोपड़ी को पुनः वैसा ही लुक दिया गया है जैसी झोपड़ी में कर्पूरी ठाकुर ने अपना जीवन गुजारा था। इस झोपड़ी में वैसे ही खाट रखी गई है, जैसी खाट कर्पूरी ठाकुर सोया करते थे। झोपड़ी में सिलवट, आंटा पीसने वाला जांता, मिट्टी के चूल्हे भी रखे गए हैं। इतना ही नहीं रोशनी के डिबिया भी रखी गई है।

सूबे के वरिष्ठ नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर की 101वीं जयंती के अवसर पर बिहार विधान मंडल परिसर और देशरत्न मार्ग स्थित जननायक कर्पूरी ठाकुर स्मृति संग्रहालय में आयोजित राजकीय समारोह में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उनकी आदमकद प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, जल संसाधन एवं संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, स्वास्थ्य सह कृषि मंत्री मंगल पांडेय, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री लेशी सिंह, परिवहन मंत्री शीला कुमारी, बिहार विधानसभा के उपाध्यक्ष नरेन्द्र नारायण यादव, विधायक अनिल कुमार, विधान पार्षद संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी, पूर्व मंत्री श्याम रजक, राज्य नागरिक परिषद् के पूर्व महासचिव अरविंद कुमार, बिहार बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य शिवशंकर निषाद सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने भी भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर की आदमकद प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

बिहार में अपराध चरम पर है और सरकार अपराधियों के साथ : तेजस्वी

केटी न्यूज/मधुबनी

तेजस्वी यादव ने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि भाजपा वाले कर्पूरी ठाकुर को गाली दिया करते थे। यह उस समय की बात है जब कर्पूरी ठाकुर ने पहली बार आरक्षण को लागू किया था। भाजपा वाले दिखावटी और मिलावटी वाले लोग हैं। भारत रत्न व बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जननायक कर्पूरी ठाकुर की जयंती है। पटना और समस्तीपुर समेत कई जगहों पर जननायक कर्पूरी ठाकुर की 101 वीं जयंती पर समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव मधुबनी जिला के झंझारपुर पहुंचे, जहां उन्होंने बिहार सरकार पर जमकर तंज कसा। उन्होंने कहा कि बिहार में अपराध चरम पर है और सरकार अपराधियों के साथ है। कानून-व्यवस्था की जगह आपराधिक अव्यवस्था पैदा कर दी गई है। तेजस्वी यादव ने दावा करते हुए कहा कि अगर हमारी सरकार बनी तो कानून का राज होगा और किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा, चाहे कोई भी हो।तेजस्वी यादव ने कहा कि फुलपरास कर्पूरी ठाकुर की कर्मभूमि है। इसलिए हमने यह तय किया कि फैसला किया कि यह कर्पूरी की कर्मभूमि रही है इसलिए हमलोग कर्पूरी ठाकुर की जयंती मनाएं। अज के दौर में कर्पूरी ठाकुर और भी अधिक प्रासंगिक हो चुके हैं। हमलोग उन्ही के बताये रास्ते पर चलकर आरक्षण बढ़ाया आज मौजूदा सरकार ने उसे निरस्त करा दिया। जिसकी लड़ाई हमलोग सुप्रीम कोर्ट में लद रहे हैं। तेजस्वी यादव ने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि भाजपा वाले कर्पूरी ठाकुर को न जाने क्या क्या गाली दिया करते थे, जब उन्होंने पहली बार आरक्षण को लागू किया था। ये लोग दिखावटी और मिलावटी वाले लोग हैं।

नीतीश सरकार ने की गन्ना के समर्थन मूल्य में बढ़ोत्तरी

मिला लाभ

केटी न्यूज/पटना

सूबे के गन्ना किसानों के लिए बड़ी खबर है। अब गन्ने के समर्थन मूल्य में 10 रुपए की अतिरिक्त बढ़ोतरी की गई है। उम्मीद है इस बढ़ोतरी से गन्ना किसानों की जहां आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। वही गन्ना की खेती को भी बढ़ावा मिलेगा। इस बढ़ोतरी का लाभ चीनी मिलों और गुड़ इकाइयों को मिलेगा। उन्हें पर्याप्त मात्रा में गन्ना प्राप्त होगा। जिससे किसानों की आमदनी में भी बढ़ोतरी होगी।

किसानों के लिए सूचना: द मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रगति यात्रा में गन्ने की कीमत में बढ़ोतरी का वादा किया गया था। इसी घोषणा के आलोक में राज्य में गन्ना कृषकों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने के लिए पेराई सत्र 2024-25 से पूर्व से निर्धारित ईख मूल्य के दर में 10.00 (दस) रुपए प्रति क्विंटल की दर से बढ़ोतरी किये जाने की घोषणा की गई है। पेराई वर्ष 2024-25 के लिए पूर्व में निर्धारित ईख मूल्य के दर में 10 (दस) प्रति क्विंटल की वृद्धि की जा चुकी है। इस वृद्धि से निर्धारित ईख मूल्य का दर निम्नवत होगा। इसमें उत्तम प्रभेद-365 रुपये प्रति क्विंटल है। वहीं सामान्य प्रभेद-345 रुपये प्रति क्विंटल है। निम्न प्रभेद-310 रुपये प्रति क्विंटल तय की गई है ।

नई दर से होगा भुगतान: बता दें कि इस निर्धारित दर का वहन चीनी मिलों के द्वारा किया जाता है। सीएम नीतीश कुमार के द्वारा गोपालगंज में प्रगति यात्रा के दौरान की गई घोषणा के आलोक में वित्तीय वर्ष 2024-25 से ईख मूल्य की दर में तीनों प्रभेदों में 10 (दस) रु० प्रति क्विंटल की वृद्धि की घोषणा की गई है। वर्द्धित राशि का वहन राज्य सरकार द्वारा किया जायेगा। 10 (दस) रु० प्रति क्विंटल की वृद्धि के पश्चात पेराई सत्र 2024-25 में ईख मूल्य का दर निम्नवत होगा। इसके तहत उत्तम प्रभेद -375 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है। वहीं सामान्य प्रभंद-355 रुपये प्रति क्विंटल व निम्न प्रभेद-320 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है। चीनी मिलों द्वारा गन्ना कृषकों को ईख की मात्रा पर भुगतान किए गए राशि के अनुरूप ही संबंधित ईख पदाधिकारी द्वारा जांचोपरान्त गन्ना कृषकों को वर्धित ईख मूल्य 10 (दस) रुपए प्रति क्विंटल की दर से अनुमन्य राशि अन्तरण किया जायेगा। उल्लेखनीय है कि सरकार के इस महत्वपूर्ण पहल के फलस्वरूप गन्ना कृषकों को पिछले वर्ष की तुलना में बीस रुपये प्रति क्विंटल की दर से अधिक गन्ना का मूल्य प्राप्त हो सकेगा। गन्ने के मूल्य में बढ़ोतरी से गन्ना कृषकों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी एवं गन्ना की खेती को बढ़ावा मिलेगा।

नालंदा में सड़क हादसे में एक युवक की मौत, दो घायल

नालंदा। नालंदा में शुक्रवार को बिहारशरीफ-राजगीर मुख्य मार्ग पर हुए सड़क हादसे में 21 वर्षीय पंकज कुमार की मौत हो गई, जबकि उसके दो दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जा रहा है कि मृतक पंकज राजगीर थाना क्षेत्र के बड़ाकर गांव निवासी धनु मिस्त्री का बेटे था। घायलों में शामिल ऋतिक कुमार और धर्मवीर कुमार ने बताया कि वे अपनी बाइक की मरम्मत करवाकर बिहारशरीफ से बड़ाकर गांव लौट रहे थे। नालंदा मोड़ के पास एक चार पहिया वाहन ने अचानक चकमा दे दिया। इससे बाइक असंतुलित होकर दूसरी गाड़ी में फंस गई और करीब 10 फीट तक घिसटती चली गई, जिससे तीनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने त्वरित कार्रवाई कर डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर तीनों को बिहारशरीफ सदर अस्पताल भेजा। अस्पताल में डॉक्टरों ने पंकज कुमार को मृत घोषित कर दिया। घायल ऋतिक और धर्मवीर का इलाज चल रहा है। हादसे की खबर सुनकर अस्पताल पहुंचे पंकज के परिजन रो-रो कर बेहाल हो गए। नालंदा थानाध्यक्ष निशि कुमार ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है।

बोले मंत्री शिवराज चौहान.... दिल्ली में केजरीवाल की विदाई तय

केटी न्यूज/पटना

बिहार में चुनाव अभी दूर लेकिन केजरीवाल की विदाई तय है। चुनाव विकास पर होते हैं सुशासन पर होते हैं बिहार में चुनाव अभी दूर है लेकिन दिल्ली में केजरीवाल की विदाई तय है। यह बात केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान शुक्रवार को पटना पहुंचने पर कही।केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान शुक्रवार को पटना पहुंचे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि कृषि और किसानों के लिए बिहार आया हूं। उन्होंने कहा कि मैं बिहार के कृषि मंत्री और मुख्यमंत्री को बहुत बधाई देता हूं। यहां कृषि और किसानों के कल्याण के लिए जो कुछ बिहार में हो रहा है, वह अद्भुत है। किसानों के लिए बहुत अच्छा काम हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 24 फरवरी को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के वितरण और किसानों का सम्मान करने के लिए बिहार आने वाले हैं। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए कई तरह की योजनाएं चलायी जा रही है। ताकि किसान आधुनिक तकनीकों का सहारा लेकर अधिक से अधिक उत्पादन करें। इस दौरान दिल्ली विधानसभा चुनाव के संबंध में पूछे जाने पर शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि बिहार में चुनाव अभी दूर है लेकिन दिल्ली में केजरीवाल की विदाई तय है।

रेलवे क्लेम घोटाले में तीन वकील गिरफ्तार, जल्द रिमांड पर लेगी ईडी

केटी न्यूज/पटना

रेलवे क्लेम घोटाले में बिहार के तीन वकीलों को ईडी ने गिरफ्तार किया है। उन्हें अदालत में पेश कर जेल भेज दिया गया। जल्द ही इन्हें इडी रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी। पटना रेलवे में हुए क्लेम घोटाले में बिहार के तीन वकीलों को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार वकीलों में विद्यानंद सिन्हा, परमानंद सिन्हा और विजय कुमार शामिल हैं। इन लोगों को पटना स्थित पीएमएलए स्पेशल कोर्ट में गुरुवार को पेश कर जेल भेज दिया गया। इसके बाद जल्द ही इन्हें ईडी की टीम रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी। इन वकीलों के खिलाफ धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) एक्ट 2022 के तहत मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया गया है। दरअसल, पटना स्थित रेलवे क्लेम ट्रिब्यूनल में मृत्यु के क्लेम में कथित फजीवाड़े का मामला सामने आया था। इसके बाद इस मामले की जांच सीबीआई ने शुरू किया। वहीं सीबीआई की एफआईआर के आधार पर ईडी ने आरोपियों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच शुरू की। इसके बाद इस मामले में वकील विद्यानंद सिंह, परमानंद सिंह, विजय कुमार और रेलवे के कई अज्ञात लोकसेवकों के खिलाफ ,स्रू और भ्रष्टाचार कानून के तहत केस दर्ज किया गया था। इसके बाद ईडी की जांच में यह सामने आया कि वकील विद्यानंद सिंह और उनकी टीम में शामिल परमानंद सिन्हा एवं विजय कुमार ने 900 से ज्यादा केस में गड़बड़ी की थी। इन मामलों में जज आरके मित्तल द्वारा आदेश जारी किए गए थे। इसमें दावेदारों को करीब 50 करोड़ रुपये का मुआवाजा दिया गया था। जांच में यह भी सामने आया कि वकील विद्यानंद और उसकी टीम ने दावेदारों के नाम पर फर्जी तरीके से बैंक अकाउंट खोल दिए थे।इधर इन खातों का वकील ही संचालन कर रहे थे। इस बारे में दावेदारों को कोई जानकारी नहीं थी। वे उन्हें झांसे में लेकर कागज पर उनके साइन या अंगूठे का निशान ले लेते थे।

सारण में बेखौफ अपराधियों ने की भीषण डकैती

सारण। सारण में बेखौफ अपराधियों ने भीषण डकैती की घटना को अंजाम दिया है। इस घटना में लगभग 7 से 8 की संख्या में हथियार से लैस अपराधी घर में घुसे और घर में मौजूद महिला और युवक को बंधक बनाकर लगभग 30-40 लाख लूट लिए। विरोध करने पर उन अपराधियों ने दोनों के साथ मारपीट भी की। इस घटना में सोनपुर के सबलपुर निवासी मोहन राय की मां और पत्नी के भाई घायल हैं। फिलहाल उनका इलाज सोनपुर अनुमंडल अस्पताल में किया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही सोनपुर डीएसपी और थानाध्यक्ष भी दल बल के साथ

विधान परिषद से बर्खास्त पूर्व एमएलसी सुनील सिंह का रहा दबदबा

हंगामे के बाद बिस्कोमान की नई अध्यक्ष चुनी गईं वंदना

केटी न्यूज/पटना

बिस्कोमान के चुनाव का परिणाम अब सबके सामने आ गया है। जीते गये सीटों के आधार पर अब लगभग यह तय हो गया कि बिस्कोमान की अध्यक्ष अब पूर्व एमएलसी सुनील सिंह की पत्नी वंदना सिंह बन गई हैं। बिस्कोमान के चुनाव में दो पक्षों में मारपीट हुई। हंगामा भी हुआ और अंततः चुनाव संपन्न हो गया और अब इसका परिणाम भी आ गया है। परिणाम चौंकाने वाला है, क्यों कि इस चुनाव में पूर्व एमएलसी सुनील सिंह की पत्नी वंदना सिंह को बिस्कोमान का नया अध्यक्ष चुन लिया गया है। यह परिणाम इसलिए भी हैरान करने वाला है कि क्योंकि सुनील सिंह गुट के जीतने की संभावना काफी कम लग रही थी। इस चुनाव में 17 सीटों के लिए चुनाव हुआ था, जिसमें 33 लोगों ने नामांकन दर्ज किया था। इस चुनाव में 12 सुनील सिंह के समर्थक लोगों की जीत हुई और 5 विशाल सिंह के समर्थकों की जीत हुई है। इस आधार पर यह कहा जा सकता है कि बिस्कोमान के अगले अध्यक्ष सुनील सिंह या उनकी पत्नी बन सकते हैं। बताया जा रहा है कि प्रत्याशी और विधायक के समर्थकों के बीच पहले तो अंदर जाने के लिए बहस होने लगा इतने में विधायक के बॉडी गार्ड ने एक व्यक्ति के ऊपर हाथ चला दिया इतने में मामला तूल पकड़ लिया और जमकर मारपीट शुरू हो गई। वही मौके पर पुलिस पहुँच मामले को शांत कराया। बता दें कि बिस्कोमान के निदेशक मंडल और अध्यक्ष पद के लिए श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में चुनाव होना है। मतदान सुबह शुक्रवार आठ बजे से शुरू हुआ। यह दो बजे तक चलेगा। तीन बजे तक रिजल्ट जारी कर दिया जाएगा। वोटों की गिनती भी एसके मेमोरियल में ही होगी। इस चुनाव में कुल 33 उम्मीदवार खड़े हैं। इसमें सामान्य श्रेणी ग्रुप ए में विशाल सिंह, विनय कुमार शाही, महेश राय, दिनेश सिंह, नवेंद्र झा, मनोज कुमार, जितेंद्र कुमार, धनंजय गुप्ता, अमानुल्लाह, अयोध्या प्रसाद चौधरी, सुरेश चंद्र सिंह व हरेंद्र नाथ सिंह चौधरी शामिल हैं। वहीं बिस्कोमान के पूर्व अध्यक्ष सुनील कुमार सिंह के गुट में खुद सुनील कुमार सिंह, वंदना सिंह, रमेश चंद्र चौबे, नेहा चौबे, विनय कुमार, रामकलेवर सिंह, रामविशुन सिंह, आदि शामिल हैं। इस चुनव में विशाल सिंह और राजद नेता व पूर्व अध्यक्ष सुनील कुमार सिंह के बीच कड़ी टक्कर है। सुनील सिंह राष्ट्रीय जनता दल के वरीय नेताओं में से एक और लालू परिवार के सबसे करीबी है। वह लंबे समय तक बिस्कोमान के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। कुछ माह पहले ही उन्हें विधान परिषद् से निष्कासित कर दिया गया है। इसके बाद उन्हें सदस्यता गंवानी पड़ी थी। इस बार वह फिर से बिस्कोमान के अध्यक्ष पद के लिए चुनावी मैदान में हैं। वहीं दूसरी ओर उनके प्रतिद्वंदी माने जाने वाले विशाल सिंह बिस्कोमान के संस्थापक तपेश्वर सिंह के पोते हैं।

गणतंत्र दिवस की तैयारी पूरी, डीएम व एसपी ने किया परेड का निरीक्षण

♦ डुमरांव के राज हाई स्कूल के मैदान में एसडीएम व डीएसपी ने देखा परेड का रिहर्सल

केटी न्यूज/बक्सर/डुमरांव

गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारी लगभग पूरी हो गई है। शुक्रवार को एक तरफ जिला मुख्यालय में डीएम अंशुल अग्रवाल व एसपी शुभम आर्य किला मैदान पहुंच परेड के रिहर्सल का निरीक्षण किए तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए तो दूसरी तरफ डुमरांव के राज हाई स्कूल के खेल मैदान में डुमरांव एसडीएम राकेश कुमार व डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी ने परेड का रिहर्सल देखा।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर भाग लेने वाले सभी प्लाटून का बारीकि से निरीक्षण किया। इस दौरान परेड में शामिल होने वाले पुलिस व एनसीसी के जवानों के साथ ही एनएसएस के वोलंटियर आदि ने मार्च पास्ट किया। एसपी मार्च पास्ट के दौरान पुलिस पदाधिकारियों को निर्देश देते नजर आए। वही, डीएम ने भी मातहतों को गणतंत्र दिवस के दौरान किसी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं करने की हिदायत दी। गणतंत्र दिवस समारोह के सफल आयोजन के लिए जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया।

विभिन्न स्कूल कॉलेज के छात्रों द्वारा झांकी निकाली जाएगी

वहीं, डुमरांव के राज हाई स्कूल के खेल मैदान में गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारी के लिए फाइनल परेड किया गया। जिसका निरीक्षण एसडीएम राकेश कुमार व डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी ने संयुक्त रूप से किया। मार्च पास्ट में स्थानीय राज हाई स्कूल के साथ ही शहर के विभिन्न स्कूल कॉलेजों के एनसीसी कैंडेट्स शामिल थे। एसडीएम ने कहा कि गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह राज हाई स्कूल के खेल मैदान में ही आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस मौके पर मार्च पास्ट के साथ ही विभिन्न स्कूल कॉलेज के छात्रों द्वारा झांकी निकाली जाएगी। वही, सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया है।

सबलपट्टी से हवाई फायरिंग का आरोपित गिरफ्तार, चोरी की दो बाइक भी बरामद

♦ फायरिंग का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने लिया संज्ञान

♦ बरामद बाइक की जांच में जुटी पुलिस

केटी न्यूज/सिमरी

हवाई फायरिंग के आरोपित को गिरफ्तार करने गई सिमरी पुलिस को दोहरी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार करने के साथ उसके घर से चोरी की दो बाइक भी बरामद की है, जिनमें एक बाइक का चेचिस नंबर भी मिटा दिया गया है।

मामले में थानाध्यक्ष कमल नयन पांडेय ने इस संबंध में बताया कि सबल पट्टी निवासी मनीष मिश्र उर्फ भोला जिद्दी पिता बच्चन मिश्र का हर्ष फायरिंग करते एक वीडियो वायरल हुआ था। वायरल वीडियो की जब जांच की गई तो वह सही निकाला। जिसके बाद पुलिस टीम उसे गिरफ्तार करने गई थी। इस दौरान उसके दरवाजे पर दो बाइक खड़ी थी, जिसके संबंध में पूछताछ करने और कागजात की मांग करने पर वह कोई कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका। इनमें एक बाइक का चेचिस नंबर भी मिटा दिया गया है। जिससे यह साफ हो रहा है कि दोनों बाइक चोरी की है। थाना अध्यक्ष ने बताया कि उससे पूछताछ जारी है इस बात का पता लगाया जा रहा है की चोरी की बाइक कहां से चुराई गई है तथा इस खेल में और कौन-कौन अपराधी शामिल हैं। वहीं, पुलिस इसे बड़ी सफलता मान रही है। जानकारों का कहना है कि भोला जिद्दी की गिरफ्तारी से बाइक चोरी के कई मामलों का भी उद्भेदन हो सकता है।

खबरें फटाफट

कूड़े के ढेर से नवजात का शव मिला, जांच में जुटी पुलिस

नावानगर। बासुदेवा थाना के भटौली गांव से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। शुक्रवार की शाम गांव के बाहर एक कूड़े के ढेर से एक नवजात शिशु का शव बरामद हुआ है। इसको लेकर क्षेत्र में सनसनी फैली हुई है। इधर स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए शव को अपने कब्जे में ले लिया। थानाध्यक्ष मधुबाला भारती के अनुसार, शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से शिशु की मृत्यु के कारणों का पता चल सकेगा। पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए आसपास के क्षेत्र में पूछताछ कर रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर जा रही है कि शिशु का शव किसने और कब फेंका। पुलिस का कहना है कि फिलहाल आसपास के सभी नर्सिंग होम्स और अस्पतालों में इसकी जांच कराई जा रही है। ताकि, हाल के दिनों में हुए प्रसव के मामलों में परिजनों से पूछताछ की जा सके। वहीं, नवजात के शव मिलने से आसपास के गांवों में चर्चाओं का बाजार गर्म है।

बालू के अवैध परिवहन के खिलाफ प्रशासन ने चलाया अभियान, वसूले 7.90 लाख रूपए

सुबह पांच बजे से ही सरेंजा व बसही के पास भारी वाहनों का प्रवेश रोकें: डीएम

♦ जिलाधिकारी व एसपी ने डुमरांव एसडीएम व एसडीपीओ को भी जाम से निजात दिलाने का दिया निर्देश

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में बालू के अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण व रोकथाम के लिए डीएम अंशुल अग्रवाल व एसपी शुभम आर्य के नेतृत्व में जिला प्रशासन द्वारा गुरूवार की रात 9 बजे से 11.30 बजे तक सघन छापेमारी अभियान चलाया गया। यह छापेमारी अभियान डुमरांव, नावानगर, गोलंबर, जासो-नदाव पथ, टोल प्लाजा, वीर कुंवर सिंह सेतु चेकपोस्ट एवं अन्य स्थानों पर संयुक्त रूप चलाया गया था।

इस दौरान डीएम ने कहा कि उन्हें यह जानकारी मिली है कि सुबह सात बजे के बाद भी राजपुर-चौसा-जेल पइन होते हुए भारी वाहनों का शहर में परिचालन हो रहा है, जिससे प्रायः जाम की समस्या उत्पन्न हो रही है। डीएम ने इस पर नाराजगी जताई तथा सदर एसडीएम व डीएसपी के साथ ही पुलिस उपाधीक्षक यातायात बक्सर को निर्देश दिया कि सुबह पांच बजे सक्रिय हो सरेंजा, बसही के पास भारी वाहनों को शहर में प्रवेश करना रोकना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने बताया कि अवैध खनन व परिवहन के विरुद्ध खनन एवं परिवहन विभाग की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। संयुक्त छापामारी के दौरान जिला परिवहन पदाधिकारी, खनिज विकास पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बक्सर व डुमरांव, पुलिस उपाधीक्षक यातायात बक्सर, मोटरयान निरीक्षक, सभी प्रवर्तन अवर निरीक्षक, खनन निरीक्षक, सभी संबंधित थानाध्यक्ष एवं अन्य उपस्थित थे।

परिवहन विभाग ने 106 गाड़ियों से 5.60 लाख रुपए : संयुक्त छापामारी के दौरान खनन विभाग द्वारा गीला बालू लदे दो ट्रक, बिना ढंके हुए सात ट्रक एवं एक ओवरलोडेड लघु खनिज का परिवहन करते हुए वाहन को जब्त किया गया है। इस दौरान अवैध खनन व परिचालन में संलिप्त इन वाहन मालिकों पर खनन विभाग द्वारा लगभग 2.30 लाख रुपए का आर्थिक दंड लगाया गया। वही परिवहन विभाग ने कुल 106 गाड़ियों से 5.60 लाख रुपए की राशि वसूली की गई। जिला प्रशासन की इस कार्रवाई से एनएच पर वाहन चालकों में हड़कंप मच गया था।

पूरे दिन लग रहा है जाम : बता दें कि एनएच 922 पर जाम की समस्या काफी गंभीर हो गई है। आलम यह है कि इस पथ पर सड़क के एक लेन में पूरे दिन जाम लग रहा है। जिस कारण वाहन चालकों को काफी फजीहत झेलनी पड़ रही है। वही, एनएच पर बेतरतीब ढंग से ट्रकों के खड़ा रहने से आए दिन दुर्घटनाएं भी हो रही है। जनवरी महीने में अबतक दर्जनों लोग सड़क दुर्घटना में अपनी जान गंवा चुके है। एनएच पर होने वाली अधिकांश दुर्घटनाएं एक लेन में ट्रकों के खड़ा रहने के कारण हो रही है। जिससे वाहन चालकों में भी आक्रोश है। हालांकि, डीएम के आश्वासन के बाद अब इस बात की उम्मीद जगी है कि जल्दी ही इस समस्या का स्थायी हल निकल जाएगा।

शीघ्र निकाला जाएगा जाम का स्थायी समाधान

डीएम ने कहा कि एनएच पर हर दिन लगने वाले जाम के स्थायी हल का प्रयास किया जा रहा है। बक्सर जिला की सीमा यूपी के बलिया जिला से लगी है। जिस कारण हर दिन बड़े पैमाने पर ट्रकों का परिचालन होता है। जाम की समस्या का स्थायी समाधान निकालने के लिए बलिया जिला प्रशासन से भी बातचीत की जा रही है। इसके लिए कई योजनाएं बनाई गई है। जल्दी ही जाम की समस्या का स्थायी समाधान खोज लिया जाएगा। वहीं, बालू के अवैध परिचालन, खनन व भंडारण के खिलाफ जिलेभर में सघन अभियान चलाया जा रहा है। मानक की अनदेखी कर राजस्व को क्षति पहुंचाने वाले ट्रक चालकों से जुर्माना वूसला जाएगा।

तालाब की नहीं हुई खुदाई, सर्वे व जॉब कार्ड बनाने के नाम पर मची हुई है लूट

केटी न्यूज/बक्सर

ग्रामीण क्षेत्र में एक कहावत कही जाती है कि तालाब खुदा नहीं, मगरमच्छ ने डेरा डाल दिया। ये कहावत इन दिनों पंचायत के गांव में गरीबों के सामने बीत रही है। कही-कही कुछ लोगों के विरोध करने पर मामला उजागर हो जा रहा है।

इस समय पीएम आवास योजना के अंतर्गत सर्वे का कार्य चल रहा है। जिसकी जिम्मेवारी आवास सहायक, मनरेगा रोजगार सेवक आदि की है। हालांकि, पंचायत के गांव में आवास सहायक ही सर्वे कर रहे है। लोगों में चर्चा है कि आवास बनाने के लिए कब उनकी बारी आएगी, ये तो बाद कि बात है। सूची में नामदजगी को लेकर लाभार्थियों से हजार रुपये की वसूली की जा रही है। जो नही दे रहा पहले तो उनको नाम नही जोड़े जाने को डराया जा रहा है। हालांकि, आवास सहायकों द्वारा इसका विरोध नही किया जा रहा। अंदर ही अंदर नाम नही जोड़े जाने का ठान लिया जाता है। यहा ताजा मामला रामपुर पंचायत के गांव से मिला जहा निकृष गांव गोपाल राजभर, अयोध्या राजभर तिवाय अम्बिका पासवान ने बताया कि जो एक हजार रुपये आवास सहायकों को देंगे उन्ही लोगों का सर्वे कर नाम जोड़ा जा रहा है। बाकी घरों में सर्वे नहीं किया जा रहा। इसके लिए बाकायदा पंचायतों में उनके दलाल मौजूद है। इस तरह के कार्य से आज भी वाजिब लाभार्थी इस योजना के लाभ से वंचित हो रहे है। ये एक पंचायत नही बल्कि लगभग सभी पंचायतों में ऐसा कार्य चल रहा है। इसके बाद उन्हें जॉब कार्ड बनवाने की सलाह दी जाती है। जहां जॉब कार्ड बनवाने में एक जॉब पर दो सौ रुपये की गरीबों से उगाही की जा रही है। गांव-गांव में दलाल किस्म के लोग पैसे की उगाही कर कार्य कराया जा रहा है।

इस सम्बंध में बीडीओ अशोक कुमार से बात करनी चाही लेकिन, वे जिले में आयोजित मीटिंग में व्यस्त होने से बात नही हो सकी।

गाजीपुर ने 3-0 से बलिया को हराया

नावानगर। स्थानीय प्लस टू हाई स्कूल खेल मैदान में गणतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में फुटबॉल मैच आयोजित किया गया। जिसमें गाजीपुर बनाम बलिया के बीच खेला गया। रोमांचक मैच का निर्णय पेनल्टी शूट से किया गया। जिसमें गाजीपुर के टीम ने बलियां को 3-0 से हराकर मैच जीत लिया। मैच के आरंभ से दोनों टीमों ने एक दूसरे में गोल डालने का काफी प्रयास किया, पर खेल समाप्त होने तक दोनो टीम बराबरी पर रही। जिसके बाद पेनल्टी शूटआउट में गाजीपुर टीम के खिलाडियों ने तीन गोल दागे। जबकि बलिया टीम के खिलाडियों द्वारा हर बार प्रयास असफल रहा। मैच का उद्घाटन मुन्ना सिंह, मुखिया प्रतिनिधि इजाजुल हक व अन्य समाजसेवियों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। निर्णायक का कार्य बिहार रेफरी बिट्टू कुमार व संतोष सिंह ने किया। मैच में धर्मेन्द्र यादव, मुन्ना यादव, सदाम हुसैन, नूर आलम, मोबिन अली, अमीर एकबाल व अन्य का सराहनीय योगदान रहा।

सरस्वती विद्या मंदिर के बालिका खंड की बहनों ने दिखाया शिक्षण व प्रबंधन कौशल

छात्राओं ने विद्यालय में विद्यार्थियों के विकास और शिक्षण को ले दिए सुझाव

♦ राष्ट्रीय बालिका दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

केटी न्यूज/बक्सर

नारी सशक्तिकरण के प्रति बालिकाओं के विकास को लेकर जिम्मेदारियों का दायित्व बोध शुक्रवार को सरस्वती विद्या मंदिर बालिका खंड में कराया गया। आयोजन बालिका दिवस के अवसर पर नगर की बालिका शिक्षा में अग्रणी सरस्वती विद्या मंदिर बालिका खंड सिविल लाइन्स में इस दिवस को यादगार बनाने के लिए विद्यालय के दशम की बालिकाओं ने विद्यालय प्रबंधन की जिम्मेदारी संभाली। वहीं इस तरह से विद्यालय की छात्राओं को सशक्त बनाने तथा प्रबंधन की कार्यशैली से अवगत कराने के लिए पहल किया गया। जिसमें दशम की छात्राओं ने प्रधानाचार्य, कार्यालय संचालन के साथ ही पूरे दिन कक्षाओं का संचालन शिक्षक बनकर की। इस दिवस पर विद्यालय के शिक्षण, प्रबंधन तथा कार्यालय से संबंधित सभी कार्यों को विद्यालय की दशम की बहनों ने संपादित किया।

प्रधानाचार्य का दायित्व आस्था पांडेय को दिया गया। उप प्रधानाचार्य रिद्धि को बनाया गया। शिक्षण प्रमुख अदिति सिंह व अपर्णा पांडेय को बनाया गया। आस्था पांडेय ने पूछे जाने पर बताया कि विद्यालय का यह प्रयास नारी सशक्तिकरण व हम बालिकाओं में प्रबंधन व शिक्षण के गुण डालने व आत्म निर्भर बनाने की एक बेमिसाल प्रेरणा है। विद्यालय के सचिव डॉ. हनुमान प्रसाद अग्रवाल ने दिल्ली से वीडियो कॉल पर कार्यक्रम का जायजा लिया तथा बहनों को बालिका दिवस पर अपनी शुभकामना दी। वहीं प्रधानाचार्य बनी छात्रा ने शिक्षण कार्य के सुधार को लेकर कुछ बिंदुओं पर प्रबंधन का ध्यान को छात्राओं के हित में आकृष्ट कराया।

प्रभारी प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार सिन्हा व बालिका शिक्षा प्रमुख आचार्या मंजू तिवारी ने विद्या भारती विद्यालयों में बालिका खंड को आधुनिक शिक्षा, नैतिक मूल्यों तथा छात्राओं में सर्वांगीण विश्वास व अनूठे प्रयोग के लिए मशहूर विद्यालय बताया। इसमें विद्यालय के सभी आचार्य दीदी जी तथा कक्षा अरुण (प्ले) से दशम तक के सभी भैया बहनों ने अति उत्साह व हर्ष के साथ भाग लिया तथा इस दिवस को यादगार बताया।

माले कार्यकर्ताओं ने युवा साथी की गिरफ्तारी के खिलाफ किया प्रदर्शन

- पुलिस पर दुराग्रह से प्रेरित हो गिरफ्तारी का लगा रहे थे आरोप
- सोनवर्षा बाजार में नारे लगाते हुए जताया विरोध

केटी न्यूज/नावानगर

सोनवर्षा बाजार में माले कार्यकर्ताओं ने अपने साथी की गिरफ्तारी के खिलाफ शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन अमरपुरी से चलकर थाना मार्ग होते हुए सोनवर्षा बाजार एवं गांव का भ्रमण किया। इस दौरान माले कार्यकर्ता सरकार विरोधी नारे लगा रहे थे।

कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि धर्मेन्द्र सिंह की गिरफ्तारी दुराग्रह के कारण की गई है। बाद में कार्यकर्ताओं ने सभा का आयोजन किया। बीते गुरुवार को माले के युवा नेता सह चौगाई प्रखंड के सचिव कामरेड धर्मेंद्र सिंह को बक्सर पुलिस ने भाजपा-जदयू नेताओं के इशारे पर गिरफ्तार कर लिया। उनको ऐसे पुराने केस में नामजद किया गया, जिस समय धर्मेंद्र सिंह यादव आरा में इंटर की पढ़ाई कर रहे थे। राजनीतिक दुराग्रह के कारण की गई इस गिरफ्तारी की जितनी निंदा की जाए वो कम है।

प्रदर्शन का नेतृत्व भाकपा-माले के जिला सचिव नवीन कुमार ने किया। मौके पर खेग्रामस जिला सचिव नारायण दास, नवानगर सचिव वीरेंद्र सिंह, सिमरी सचिव हरेंद्र राम, ब्रह्मपुर प्रखंड सचिव विसर्जन पासवान, केसठ सचिव ललन प्रसाद, कन्हैया पासवान, बीर बहादुर आदि शामिल थे। वही सभा का संचालन व अध्यक्षता रामदेव सिंह ने की।

नेताओं का आरोप.. साजिश के तहत फर्जी मुकदमा में फंसाया गया है

नेताओं ने कहा कि अक्सर ही भाजपा-जदयू ने भाकपा माले के संघर्षशील नेताओं-कार्यकताओं को पुलिस की मिलीभगत से फर्जी मुकदमों में फंसाती है। धर्मेंद्र सिंह को भी इसी साजिश के तहत फर्जी मुकदमा में फंसाया गया है। जिला सचिव नवीन कुमार ने कहा कि बिहार में बीजेपी के नेतृत्व में विकास-विरोधी गरीब-विरोधी सरकार चल रही है। जिसके मुखौटा बने हुए हैं सीएम नीतीश कुमार। क्राइम, करप्शन और कम्युनलिज्म से समझौता नहीं करने का सेहरा बांधकर घूमने वाले नीतीश कुमार के राज में कहीं दलितों को बांह काट दिया जाता है तो कहीं मजदूरी मांगने पर पीटपीट कर हत्या कर दी जाती है, लेकिन ऐसे अपराधियों की गिरफ्तारी नहीं होती है, उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती है। आए दिन पीएम मोदी से लेकर सीएम नीतीश तक चुनाव जीतने के लिए हिस्ट्रीशीटर को जेल से रिहा करवा रहे है और गरीबों के पक्ष में आवाज उठाने वाले, संघर्ष करने वाले माले के नेताओं को बंदी बनाया जा रहा है, गिरफ्तार किया जाता है।

एक नजर

केसठ नया बाजार में राजद कार्यकर्ताओं ने मनायी कर्पूरी ठाकुर की 101वी जंयती

केसठ। केसठ प्रखंड के नया बाजार में राजद कार्यकर्ताओं द्वारा शुक्रवार को जन नायक कर्पूरी ठाकुर की 101वी जयंती धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजेन्द्र प्रसाद व संचालन एकरार अहमद ने किया। इस दौरान उपस्थित कार्यकर्ताओं ने उनके तैल्य चित्र पर माल्यार्पण कर उनको श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर राजद के वरिष्ठ नेता सुनील कुमार यादव उर्फ पप्पू यादव ने कहा कि कर्पूरी ठाकुर की जीवनी लोगों के लिए आज भी प्रेरणास्त्रोत है। उच्च ओहदे के बावजूद सादगी जीवन जीने की कला उनसे बेहतर किसी के पास नहीं थी। उन्होंने कहा कि एक मुख्यमंत्री रहते भी वे सामान्य जीवन व्यतीत करते थे। कपूर्री ठाकुर राजनीति में हमेशा परिवारवाद के खिलाफ थे। किसान के पक्षधर भी थे। किसान और किसानी की बड़ी फिक्र करते थे। वही उन्होंने कहा की कर्पूरी ठाकुर ने ही मंडल कमीशन लागू होने से पहले उन्होंने आरक्षण बिहार में लागू किए थे। पप्पू यादव ने कहा की कर्पूरी ठाकुर बिहार के नहीं पूरे देश के जननायक थे और वे जननायक की उपाधि से विभूषित हुए थे। मौके मिठाई प्रसाद, मो. लैश, मोहम्मद आजाद, रियाज खा, विनोद यादव, मोनू, मंतोष प्रसाद, सुहेल खा सहित अन्य वरिष्ठ कार्यकर्ता मौजूद थे।

महीनों बाद डुमरांव के शहीद पार्क की सफाई हुई शुरू, नगरवासियों में खुशी

डुमरांव। नगर का इकलौता शहीद पार्क नगर सहित जिले के आसपास क्षेत्रों के लोग घुमने के के लिये पार्क में पहुंचते हैं। इस पार्क की स्थिति इतनी खराब थी कि पार्क जंगली घासों से पूरी तरह से ढक गया था। आपके अपने केटी न्यूज ने इस खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया था। खबर प्रकाशित होने के बाद नगर परिषद की निंद खुली और पार्क की सफाई शुरू की। आसपास के लोगों का कहना है कि 26 जनवरी गणतंत्र दिवस को लेकर इसकी सफाई शुरू की गई है। सफाई में लगे मजदूर पहले निकल आए लंबे घासों की सफाई कर रहे हैं, फिर पार्क में लगे शहीदों की मूर्ति व चबूतरे का करेंगे। इधर नगरवासियों का कहना है कि इसकी सफाई प्रतिदिन होनी चाहिए, लेकिन इसके खुलने का कोई समय निर्धारित ही नहीं है। घुमने आने वाले लोग ताला बंद देख निराश हो वापस लौट जाते हैं। नगर परिषद के अधीन पड़ने वाले इस पार्क की देखरेख के लिए नप द्वारा किसी की तैनाती ही नहीं की गई है। वैसे पार्कों का देखरेख वन विभाग को मिला हुआ, लेकिन उसे हैंड ओवर ही नहीं किया गया है। वन विभाग के अधिकारी बताते हैं कि नप इसे वन विभाग को हैंड ओवर कर देता तो सारी जिम्मेवारी उसकी हो जाती। वन विभाग के अधिकारी ने बताया की छठिया पोखरा के पास एक छोटा पार्क है, उसको हैंड ओवर किया गया है, लिहाजा वहां वन विभाग ने दो कर्मियों को नियुक्त किया है। अब सवाल यह उठता है कि नगर के चार सपूत देश को अजादी दिलाने के लिये थाना पर देश की शान तिरंगा फहराने के दौरान अंग्रेजों के गोली का शिकार हो शहीद हो गए थे। वहीं पर चारों की मूर्ति लगाकर शहीद पार्क बनाया गया था, इसका उद्घाटन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किया था, बावजूद इसपर कोई पहल नहीं किया जाता। प्रशासन को इसकी याद केवल 26 जनवरी व 15 अगस्त को ही आती है। शहीद स्मारक कमिटी के संजय चंद्रवंशी, गोपाल प्रसाद गुप्ता, महेंद्र राम सहित अन्य का कहना है कि नगर परिषद की नकामी है कि अभीतक पार्क को वन विभाग को हैंड ओवर नहीं किया गया है। सफाई के लिए कहे जाने के बाद भी नहीं होता।

खबरें फटाफट

खेल मैदान पर भवन निर्माण कार्य को रोक लगाने की मांग

केसठ। प्रखंड के रामपुर खेल मैदान पर पंचायत सरकार भवन एवं स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण कार्य किया जा रहा है। इसको लेकर ग्रामीणों समेत आसपास की युवाओं में आक्रोश व्याप्त है। इसको लेकर समाज सेवी रजनीकांत दूबे, उर्फ जुगनू दूबे ने जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों से सरकारी भवन निर्माण कार्य पर रोक लगाने को लेकर मांग किया है। वही युवाओं एवं ग्रामीणों ने अंचलाधिकारी को लिखित आवेदन भी दिया है। श्री दुबे ने कहा कि सरकार एक तरफ करोड़ों रुपए खर्च कर खेल मैदान को स्टेडियम का रूप देने को लेकर कार्य कर रही है। वहीं दूसरी तरफ खेल मैदान को संकीर्ण किया जा रहा है। सरकारी भवन निर्माण बनने से मैदान का स्वरूप बिगड़ जाएगा। वहीं युवाओं का भविष्य भी खराब हो जाएगा। खेल मैदान पर आसपास के सैकड़ों युवा विभिन्न बहालियों को लेकर दौड़ समेत अन्य शारीरिक अभ्यास करते हैं।

आरा-छपरा फोरलेन पर इंग्लिशपुर छलका के पास हुआ हादसा, धू धू कर जला ट्रक

जाम में खड़ी ट्रक में लगी भीषण आग चालक एवं खलासी की दर्दनाक मौत

- गुस्साए लोगों ने मुआवजे की मांग को लेकर किया सड़क जाम
- पुलिस ने दोनों के शव का सदर अस्पताल में कराया पोस्टमार्टम

शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने की आशंका

केटी न्यूज/आरा

आरा-छपरा फोरलेन पर जिले के कोईलवर थाना क्षेत्र के इंग्लिशपुर छलका के समीप गुरुवार की मध्य रात्रि जाम में खड़ी ट्रक में अचानक भीषण आग लग गई। आग लगने के कारण ट्रक पर सो रहे चालक व खलासी की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वही ट्रक भी बुरी तरह जलकर राख हो गई। घटना को लेकर आसपास के इलाके में तफरी का माहौल कायम हो गया। वहीं शॉर्ट सर्किट के कारण जाम में खड़ी ट्रक में आग लगने की आशंका जताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार मृतकों में पीरो थाना क्षेत्र के भूलकुआं गांव निवासी स्व.मुद्रिका सिंह के 56 वर्षीय पुत्र सह चालक भीम सिंह एवं कृष्णागढ़ थाना क्षेत्र के सरैया गांव निवासी शत्रुघन महतो उर्फ भगेलु का 20 वर्षीय पुत्र सह खलासी विकाश कुमार शामिल हैं। उधर घटना के बाद स्थानीय लोगों का गुस्सा भड़क उठा। जिसके बाद गुस्साएं लोगों ने आरा-छपरा फोरलेन पर इंग्लिशपुर छलका के समीप दोनों शव को सड़क के बीच रख सड़क जाम कर दिया। गुस्साए लोगों द्वारा करीब ढाई घंटे तक सड़क को जाम रखा गया। सड़क जाम होने के कारण सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारे लगी रही एवं आवागमन पूरी तरह ठप रहा।

उधर सड़क जाम की सूचना पाकर कोईलवर थानाध्यक्ष नरोत्तम चंद्र एवं सर्किल इंस्पेक्टर कमल जीत पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और लोगों को समझाने-बुझाने लगे। पुलिस के काफी मशक्कत करने के बाद लोगों को समझा-बूझाकर जाम को हटवाया गया। इसके पश्चात पुलिस ने शवो को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया।

बताया जाता है कि मृतक चालक भीम सिंह के परिवार में पत्नी राधिका देवी, दो पुत्री सोनी,रानी व दो पुत्र आजाद एवं मंटू हैं। जबकि मृतक खलासी विकाश कुमार अपने चार भाई व तीन बहन में दूसरे स्थान पर था। उसके परिवार में तीन भाई जीतन,अजीत,छोटे लाल एवं तीन बहन है। घटना के बाद मृतकों के घर में कोहराम मच गया है। इस घटना के बाद मृतकों के परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बेतिया से बालू अनलोड करके लौट रहे थे वापस जाम में फंसने के बाद दोनों ट्रक में ही सो गए

घटना के संबंध में बताया जाता है कि दो दिन पूर्व वह दोनों सहार थाना क्षेत्र के बरुही गांव स्थित बालू घाट से बालू लोड कर पश्चिमी चंपारण के बेतिया बालू अनलोड करने गए थे। गुरुवार को बेतिया से बालू अनलोड करने के बाद वह ट्रक लेकर वापस लौट रहे थे। लौट के क्रम में गुरुवार की मध्य रात्रि आरा-छपरा फोरलेन पर महाजाम लगने के कारण इंग्लिशपुर छलका के समीप जाम में ट्रक खड़ा कर दोनों ट्रक का दरवाजा बंद कर ट्रक में सो गए थे। उसी बीच गुरुवार की मध्यरात्रि ट्रक में अचानक भीषण आग लग गई। जिससे दोनों की दर्दनाक मौत हो गई।

सदर अस्पताल में आईसीयू सेवा बहाल कराने को लेकर चल रहा हड़ताल टूटा

केटी न्यूज/डुमरांव

सदर अस्पताल में आईसीयू सेवा बहाल करने के लिये समाजसेवियों ने नंदन गांव में अनिश्चितकालीन धरना दिया था। गांव में धरना देने की एक अलग ही कहानी है। धरना देने के लिये जब समाजसेवी हरेकृष्ण सिंह उर्फ कृष्णा यादव ने जिला मुख्यालय में एनओसी मांगी तो उसे नहीं दिया गया, फिर उसने अपने गांव नंदन में ग्रामीणों और समाजसेवियों के साथ धरना पर बैठ गए। हालांकि धरन स्थल पर किसी अधिकारी ने सूध लेने के लिये नहीं गया। फिर शुक्रवार को धरना पर बैठे लोगों ने उसे तोड़ते हुए मांग पत्र सौंपने के लिये एसडीओ राकेश कुमार को उनके कार्यालय कक्ष में जाकर दिया।

धरनार्थियों का कहना है कि बक्सर में आईसीयू यूनिट की सारी व्यवस्था होने के बाद भी इसे शुरू नहीं किया जा रहा है। अस्पताल प्रबंधन बताता है कि जो आईसीयू के विशेषज्ञ हैं, उनको विभिन्न पीएचसी और असप्ताल में पदस्थापित किया गया है। समाजसेवियों का कहना है कि विशेषज्ञ चिकित्सक को क्यों अन्य जगहों पर पदस्थापित किया गय है, वहां अन्य चिकित्सक को भेजा जा सकता है। वहीं, निजी क्लीनिकों में आईसीयू में भर्ती होने पर भारीभरकम फीस ली जाती है। गरीब परिवार उसे नहीं दे सकते, लिहाजा मरीज को पटना पीएमसीएच ले जाते हैं। वही अमीर लोग निजी क्लीनिकों में अपने मरीज का इलाज के लिये आईसीयू में भर्ती करा देते हैं। मांग पत्र सौंपने वालों में जिला परिषद सदस्य सिमरी के केदार सिंह, सुदामा चौधरी, रामयत्न यादव, रमेश कुमार यादव, रंगलाल यादव, धीरज कुमार मौजूद रहे।

पुराने लाभुकों को नहीं मिला आवास योजना का लाभ

चक्की। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत चक्की प्रखंड में अब तक 999 लाभार्थियों के नाम जोड़े गए थे। इनमें से 344 लाभार्थियों को योजना का लाभ दिया जा चुका है, जबकि 655 लाभार्थी अब भी अपने आवास का इंतजार कर रहे हैं। इन लाभार्थियों में जवही, चक्की, अरक और चंदा पंचायत के ग्रामीण शामिल हैं। चक्की बीडीओ आशुतोष पाण्डेय ने बताया कि 10 जनवरी से नए लाभार्थियों के नाम जोड़ने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और यह प्रक्रिया फरवरी महीने के अंत तक पूरी कर ली जाएगी। बीडीओ ने यह भी कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि अधिक से अधिक पात्र परिवारों को योजना का लाभ मिले। स्थानीय लोगों व जनप्रतिनिधियों ने आरोप लगाया है कि पहले चयनित लाभार्थियों को अभी तक आवास योजना का लाभ नहीं मिला है। इसके बावजूद नए लाभार्थियों के नाम जोड़े जा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि इस प्रक्रिया से उन लोगों में असंतोष बढ़ रहा है, जिनके नाम पहले ही सूची में शामिल थे। इस मामले में बीडीओ आशुतोष पांडेय ने बताया कि आवास योजना में लाभार्थियों को लाभ दिलाने के लिए बजट की उपलब्धता और प्रक्रियात्मक कारणों से देरी हो रही है।

महान नेता व सामाजिक न्याय के प्रतीक थे जन नायक कर्पूरी ठाकुरः विनोद राय

केटी न्यूज/डुमरांव

जननायक कर्पूरी ठाकुर की जयंती के मौके पर जदयू के प्रदेश महासचिव विनोद राय ने अपने पैतृक गांव सिमरी प्रखंड के गायघाट में उनका जयंति समारोह आयोजित किया। इस मौके पर उनके तैल्य चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया तथा उनके पदचिन्हों पर चलने का संकल्प लिया गया।

प्रदेश महासचिव ने उन्हें बिहार का एक महान नेता और सामाजिक न्याय का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि उनका जन्म आज के दिन ही वर्ष 1924 में समस्तीपुर जिले के पितौंझिया गाँव में हुआ था। वे एक अति साधारण परिवार से ताल्लुक रखते थे, लेकिन उनके आदर्श और सिद्धांतों ने उन्हें बिहार के एक प्रमुख नेता के रूप में स्थापित किया। विनोद ने कहा कि कर्पूरी ठाकुर ने अपना जीवन सामाजिक न्याय और गरीबों के अधिकारों के लिए समर्पित किया। वह दो बार बिहार के मुख्यमंत्री रहे और अपने कार्यकाल में उन्होंने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए। उन्होंने पिछड़े वर्ग के लोगों को सरकारी नौकरी में आरक्षण देने की व्यवस्था की और शिक्षा को आम लोगों तक पहुँचाने का काम किए थे। वहीं, पूर्व मुखिया योगेन्द्र राय ने कहा कि कर्पूरी ठाकुर की ईमानदारी और सादगी की कहानियां आज भी प्रसिद्ध हैं। वह एक ऐसे नेता थे, जिन्होंने अपने जीवन में कभी भी भ्रष्टाचार और अन्याय को सहन नहीं किया। उनकी विरासत आज भी बिहार के लोगों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। मौके पर गुप्तेश्वर पांडेय, शत्रुघ्न अंबेडकर, हरेराम चौधरी, भृगुनाथ पांडेय, दुधु कोईरी, करिया पासवान, नेतलाल राम, राजधन राम, गुना राम समेत जदयू के दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

बड़ी संगत मठिया में आयोजित कथा में भगवान और भाव पर सुनाया गया प्रसंग

भगवान धन के नहीं भाव के भूखे हैंः सुदीक्षा कृष्णा

केटी न्यूज/डुमरांव

प्रभु की शरण में धन लेकर जाएं या न जाएं, फूल माला लेकर जाएं या न जाएं, कोई फर्क नहीं पड़ता। लेकिन उसकी शरण में भाव लेकर जाने से भगवान रीझ जाते हैं। भगवान धन के नहीं भाव के भूखे हैं। उक्त बातें शहर के शक्ति द्वार के समीप बड़ी संगत उदासीन मठिया में शुक्रवार को कथावाचिका दीदी सुदीक्षा कृष्णा जी ने कही।

उन्होंने कहा कि प्रभु को भाव से जो भजता है उसका बेड़ा पार हो जाता है। भावना में भाव नहीं है तो कुछ नहीं है। भगवान को आपके शब्दों की आवश्यकता है फूल की नहीं। आपके अंतकरण में कैसा भाव है वो परमात्मा देखता है। भक्त के भाव देखकर भगवान आनंदित होते हैं। भाव से प्रदान की गई चीज मीठी लगती है। हमारे जीवन में भाव की प्रधानता है। हम किसी रिश्तेदार के यहां जाएं, अगर उसका व्यवहार रूखा है तो हम एक बार जाएंगे दूसरी बार नहीं। अगर आपका स्नेह नहीं है तो बाहें फैलाने का कोई औचित्य नहीं है। हम स्वागत, सत्कार में मिठाइयां परोसकर रख दें, लेकिन व्यवहार ठीक नहीं है। लेकिन जो व्यक्ति द्वार पर आए मेहमान का हृदय से स्वागत करें तो उसकी तुलना किसी भी मिठाई से नहीं की जा सकती। जीवन में भाव का बड़ा महत्व है।व्यक्ति के निकट नहीं हृदय में जगह बनाना चाहिए अक्सर लोग कहते हैं कि फलां आदमी उसका बहुत खास है उसके निकट रहता है। यह कोई बड़ी बात नहीं है कि कौन किसके निकट रहता है। बड़ी बात वो है जो हृदय में रहता है। किसी के निकट रहो या न रहो, कोई फर्क नहीं पड़ता। लेकिन जो हृदय में रहता है वह बहुत करीब होता है। हमेशा सामने वाले से ऐसा संबंध बनाओ जो हृदय में बसता हो।

कथा के दौरान आयोजन समिति के अध्यक्ष विकास ठाकुर, बब्लू जायसवाल, अरविंद श्रीवास्तव, विनोद केशरी, कन्हैया तिवारी, सचिन कुमार, मुन्ना जी, बिहारी यादव, मनीष मिश्रा, राजेश यादव, मनीष यादव, अमित मिश्रा, देवेंद्र सिंह, राजेंद्र केशरी, डब्लू मिश्रा, सोनू ठाकुर, सुड्डु प्रसाद, मो. एकराम, रामजी प्रसाद, सुनील मिश्रा सहित अन्य उपस्थित थे।

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

बक्सर, 25 जनवरी 2025
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

ब्लैक डायमंड एक्सप्रेस पुराने रैक के साथ ही चलेगी

धनबाद, एजेंसी। धनबाद से हावड़ा के बीच चलने वाली ब्लैक डायमंड एक्सप्रेस के कोच में बदलाव नहीं हुआ है। रेलवे की ओर से कोच बदलने की तैयारी की गयी थी, लेकिन तकनीकी कारणों का हवाला देकर पुराने कोच को एलएचबी से बदलने का आदेश निरस्त कर दिया गया। ऐसे में यह ट्रेन पुराने कोच के साथ ही चलायी जा रही है। अब 25 मार्च से एलएचबी कोच लगाने का प्रस्ताव है। इस ट्रेन में नये कोच के अनुसार ही टिकटों की बुकिंग शुरू की गयी है। अब तक यह ट्रेन पुराने 22 आइसीएफ कोच के साथ चल रही है। एलएचबी कोच के साथ चलने पर कोच की संख्या कम होनी है। पहले इस 10 जनवरी को धनबाद से प्रस्थान करने वाली ब्लैक डायमंड एक्सप्रेस और 11 जनवरी से हावड़ा से प्रस्थान करने वाली ट्रेन को एलएचबी कोच के साथ चलाया जाना था ट्रेन संख्या 22387 व 22388 धनबाद–हावड़ा–धनबाद ब्लैक डायमंड एक्सप्रेस में दो स्लीपर, 18 जनरल व दो एसी कोच हैं। एलएचबी कोच लगने के बाद इसकी संख्या कम हो जायेगी। छह जनरल कोच, छह नन एसी चेयरकार, दो एसी चेयरकार इसके अलावा आरआरएम व आरडी कोच लगाया जाना था। अब कोच में बदलाव किया गया है। एसी चेयरकार में दो और कोच जोड़े जाने हैं। मुख्यालय के निर्देश व अन्य प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही कोच को बदला जायेगा।

रांची में मॉर्निंग वॉक पर निकले मुखिया को गोली मारी

नामकुम (रांची), एजेंसी। झारखंड की राजधानी रांची में मॉर्निंग वॉक पर निकले मुखिया को अपराधियों ने गोली मार दी है। घटना नामकुम प्रखंड के हाहाप पंचायत में हुई है। मुखिया नन्हे कच्छप गुरुवार सुबह अपने घर से टहलने के लिए निकले थे। घर से करीब एक किलोमीटर दूर घात लगाकर बैठे अपराधियों ने उन पर फायरिंग कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी वहां से फरार हो गए। नन्हे कच्छप को गंभीर हालत में स्थानीय लोगों ने रिम्स में भर्ती करवाया। अज्ञात अपराधियों ने नामकुम थाना क्षेत्र में गुरुवार (23 जनवरी 2025) को सुबह करीब साढ़े छह बजे चरनाबेड़ा गांव के पास इस घटना को अंजाम दिया। गोलीबारी के बाद वहां मौजूद स्थानीय लोगों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। गंभीर रूप से घायल मुखिया को रिम्स अस्पताल भिजवाया। घटना की सूचना मिलने पर ग्रामीण एसपी, डीएसपी मुख्यालय–1 और नामकुम के थाना प्रभारी दल–बल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जांच में जुट गए। मुखिया को किस वजह से गोली मारी गई है, इसका पता नहीं चला है, लेकिन आशंका जताई जा रही है कि जमीन विवाद में मुखिया को गोली मारी गई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मुखिया नन्हे कच्छप के परिजन और स्थानीय लोगों से पुलिस जानकारी ले रही है।

पांडू में प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेले में 200 लोगों की हुई जांच

पलामू, एजेंसी। पलामू जिले के पांडू सीएचसी में बुधवार को प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। प्रखंड प्रमुख नीतू सिंह, बीडीओ रणवीर कुमार, जिला परिषद सदस्य मीना देवी, उप प्रमुख सोनी देवी, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी राजेंद्र कुमार, बीस सूत्री अध्यक्ष सुनील कुमार पांडेय, मुखिया संघ अध्यक्ष प्रियंका सिंह व बीपीएम पंकज पांडेय ने संयुक्त रूप से किया। स्वास्थ्य में मेले में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और अपने स्वास्थ्य की जांच कराई। इसके लिए विभिन्न बीमारियों के अलग–अलग स्टॉल लगाए गए थे। 200 से अधिक मरीजों की जांच कर जरूरी दवाएं भी दी गईं। बीडीओ रणवीर प्रसाद ने मेले के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने भविष्य में सीएचसी में आई कैंप व प्रत्येक शनिवार को बंध्याकरण ऑपरेशन शिविर के आयोजन की जानकारी दी। सीएचसी के चिकित्सा प्रभारी डॉ राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि असाध्य और गंभीर मरीजों को बड़े सरकारी अस्पतालों में रेफर करने की सुविधा की जानकारी दी। बीडीओ ने सभी पंचायत प्रतिनिधियों के साथ स्वास्थ्य मेला में लगे स्टॉल का निरीक्षण किया। इससे पूर्व पांडू सीएचसी के प्रभारी सह मेडिकल ऑफिसर व स्वास्थ्य मेला आयोजन समिति के इंचार्ज डॉ विरोचित आनंद ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन प्रमुख प्रतिनिधि सिंटू सिंह ने किया। मौके पर कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की वार्डन संगीता कुमारी, समाजसेवी अविनाश सिंह उर्फ पिंटू सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

पूर्व उप मुख्यमंत्री दिवंगत सुधीर महतो की पुण्यतिथि मनाई गई

चांडिल, एजेंसी। चांडिल गोलचक्कर में बुधवार को ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक सह झारखंड के पूर्व उप मुख्यमंत्री दिवंगत सुधीर महतो की पुण्यतिथि मनाई गई। मौके पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के पदधारी व कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उनकी याद में एक मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि ईचागढ़ के विकास पुरुष के रूप में दिवंगत सुधीर महतो को हमेशा याद किया जाएगा। उनके कार्यकाल में हुए अमूलचूल कार्य ईचागढ़ के विकास में मिल के पत्थर साबित हो रहे हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के मामा गुरुचरण किस्कू, चारूचांद किस्कू, झामुमो के केंद्रीय सदस्य सुधीर किस्कू, झामुमो नेता ओम प्रकाश लायेक, दिलीप किस्कू, भुगलू सोरेन, धर्मु गोप, सुदामा हेम्ब्रम, बैधनाथ टुडू, लखीद्र किस्कू, आशीष मंडल, दीनबंधु महतो, जगदीश सरदार, गुलाब मार्डी, रामनाथ मांझी, अरूप सिंह, मोती सोरेन, शिमल बेसरा, मिलन तंतुबाई, सुमित टुडू, अजय टुडू, बुद्धेश्वर हेम्ब्रम आदि उपस्थित थे।

लोकल से ग्लोबल बनी हजारीबाग की सोहराय और कोहबर कला, रूस के राष्ट्रपति तक पहुंची पेंटिंग

हजारीबाग, एजेंसी। हजारीबाग के गांव की गलियों से निकलकर सोहराय और कोहबर कला ने न सिर्फ स्थानीय सांस्कृतिक धरोहर को समृद्ध किया, बल्कि इसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी पहचान दिलाई। इस कारण यह क्षेत्रीय कला लोकल से ग्लोबल बन गई। शुरुआत में सोहराय और कोहबर की पेंटिंग्स ने हजारीबाग को अपने खास रंगों और डिजाइनों के लिए पहचान दिलाई। अब तो यह हजारीबाग के सरकारी भवनों से लेकर नए संसद भवन तक अपनी छाप छोड़ चुकी है।

अक्टूबर 2024 में हुए ब्रिक्स सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को सोहराय कला की पेंटिंग भेंट की। यह पेंटिंग न केवल भारत की सांस्कृतिक धरोहर को दुनिया के सामने लाई, बल्कि सोहराय कला को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई।

हालांकि, प्रधानमंत्री के मन की बात तक यह कला 2015 में ही पहुंच गई थी, तब हजारीबाग स्टेशन पर उकेरी गई कला का जिक्र उन्होंने अपने मन की बात

कार्यक्रम में किया था। उस समय हजारीबाग में सोहराय व कोहबर को लेकर 'पेंट माई सिटी' अभियान की शुरुआत तत्कालीन उपायुक्त मुकेश कुमार के द्वारा की गई थी। यह कला अब न केवल हजारीबाग, बल्कि देश और विदेशों में भी चर्चित हो चुकी है और इसके पीछे कला को प्रोत्साहित करने में सबसे बड़ा योगदान बुलू इमाम और उनके परिवार का रहा है। बुलू इमाम को उनके इस काम के लिए पद्मश्री से नवाजा गया।

बुलू इमाम के साथ ही उनके बेटे जस्टिन इमाम व बहू अलका इमाम ने कला को आगे बढ़ाने में अहम योगदान दिया है। 2018-19 में सोहराय और कोहबर कला को जियोग्राफिकल इंडिकेशंस (जीआइ) दिलाने में अलका ने अहम भूमिका निभाई।

अलका की कोशिशों से सोहराय और कोहबर कला अब केवल कला प्रेमियों तक ही सीमित नहीं रह गई, बल्कि यह मुख्यधारा के फैशन और डिजाइन में भी अपनी जगह बना चुकी है। साड़ी, दुपट्टा, स्ट्राल, बेडशीट सभी जगह इसकी छाप दिखती है। उन्होंने इसके लिए 2018 में सोहराय महिला कला विकास समिति का गठन किया। यहां अब भी कक्षाएं लग रही हैं।

बच्चे प्राकृतिक रंगों को उकेरना सीख रहे हैं। हजारीबाग की 100 से अधिक महिलाओं के जीवन का यह हिस्सा बन चुकी है। इन महिलाओं ने इस कला के माध्यम से अपनी आर्थिक स्थिति को सुधारने में सफलता पाई है। प्राकृतिक रंगों से बनाई जाने वाली इन पेंटिंग्स ने न केवल महिलाओं को एक नया रोजगार दिया, बल्कि उनके आत्मविश्वास को भी बढ़ाया है।हजारीबाग के चार गांव जोराकाट, विष्णुगढ़ का भेलवारा, चुरचू का केंदुआ और टाटीझरिया का लुकुइया की पहचान ही इस कला से है। मिट्टी के घरों में उकेरी गई यह कला देखते ही बनती है।कोहबर और सोहराय झारखंड की दो प्रमुख लोक कला है। यह लोक कला मानव सभ्यता के विकास को दर्शाता है। मूल रूप में दोनों चित्रकला में नैसर्गिक रंगों का प्रयोग होता है।

जीएम ने विस्थापितों संग की बैठक, समस्याओं के समाधान का आश्वासन

देवघर, एजेंसी।

देवघर जिले की चितरा कोलियरी के महाप्रबंधक ओपी चौबे ने विस्थापित गांव तुलसीडाबर के रैयतों व यूनियन प्रतिनिधियों के साथ क्षेत्रीय कार्यालय में बैठक की। उन्होंने विस्थापितों को उनकी समस्याओं के जल्द समाधान का आश्वासन दिया। कोलियरी के संबंधित अधिकारियों को विस्थापित रैयतों की नौकरी की प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया। साथ ही कोलियरी विस्तारीकरण के लिए भूमि अधिग्रहण के लिए ली जा रही जमीन का मुआवजा, नौकरी आदि के मुद्दे पर भी बात की। जमीन का मुआवजा व नौकरी के लिए रैयतों से जरूरी कागजात कोलियरी कार्यालय में जमा करने की बात कही।

ज्ञात हो कि विस्थापितों ने नौकरी की मांग को लेकर कोलियरी का ओबी फेंकने का विरोध किया था। रैयत दिनेश हेंब्रम, आलोक मरांडी, जिशु टुडू, कादोली मंझियान व अविनाश हेम्ब्रम की नौकरी को नौकरी देने की प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश जीएम ने दिया। बैठक में कोलियरी के पर्यावरण अधिकारी इंद्रनील मुखर्जी, आनंद सुब्रतो राणा, सर्वेयर ज्ञानेंद्र कुमार, सिक्योरिटी इंस्पेक्टर रूपेश मिश्रा, विपिन कुमार, वीरेन कुमार महतो, यूनियन नेता महेंद्र प्रसाद राणा उपस्थित थे।

यूट्यूबर की कार ने टेंपो को मारी टक्कर, चालक की हालत नाजुक; लोग बोले- शराब के नशे में था मनोज

तिसरा (धनबाद), एजेंसी। तिसरा थाना क्षेत्र के चांद कुइयां मोड़ के समीप झरिया-बलियापुर मुख्य मार्ग में बुधवार की देर रात यूट्यूबर मनोज डे की फॉर्च्यूनर कार व माल वाहक टेंपो में जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर से टेंपो चालक बेलगड़िया निवासी सिद्धेश्वर मंडल घायल हो गया।

घटना के बाद लोगों को आता देख कार चालक मौके में कार छोड़ फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही तिसरा थाना पुलिस मौके पर पहुंच दोनों वाहन को जब्त कर थाना ले गई। वहीं, पुलिस ने कार के पीछे बैठे एक युवक को भी हिरासत में ले लिया। जिसे पूछताछ के बाद पुलिस ने छोड़ दिया।

पुलिस द्वारा एक शख्स को हिरासत में लिए जाने के बाद छोड़ने को लेकर क्षेत्र में चर्चा का बाजार गर्म है। लोगों ने बताया कि फॉर्च्यूनर कार यूट्यूबर मनोज डे की है। फॉर्च्यूनर कार तेज रफ्तार से कुसमाटांड की तरफ से झरिया की ओर जा रही थी। इसी दौरान कार ने टेंपो को पीछे से टक्कर मार दी। जिससे चालक घायल हो गया।

स्थानीय लोगों ने यह भी बताया कि कार चालक शराब के नशे में धुत होकर तेज रफ्तार से वाहन चला रहा था। घायल टेंपो चालक को तिसरा पुलिस बलियापुर स्वास्थ्य केंद्र में ले गई, जहां चिकित्सकों ने उसे बेहतर इलाज के लिए धनबाद रेफर कर दिया। जहां उसकी स्थिति नाजुक बनी हुई है।

तिसरा थाना प्रभारी सुमन कुमार ने बताया कि दोनों वाहन को जब्त कर थाना ले आया गया है। मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पूजा सिंघल का सस्पेंशन हटने से बीजेपी गुस्से में, सीधा राहुल गांधी से मांगा जवाब

रांची/दिल्ली, एजेंसी। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने गुरुवार दिल्ली में आयोजित पार्टी की प्रेस कॉन्फ्रेंस में आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल की बहाली को लेकर आपत्ति जताई। उन्होंने झारखंड सरकार में प्रमुख सहयोगी कांग्रेस पर भी हमला बोला। रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस से पूजा सिंघल का सस्पेंशन हटाए जाने को लेकर जवाब मांगा। सांसद ने कहा कि जिस अधिकारी के खिलाफ इतने संगीन आरोप हैं, उसको जेल से तुरंत आने के बाद बहाल क्यों किया गया

भाजपा सांसद ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर भी निशाना साधा और हाथ में संविधान लेकर घूमने के लिए उन पर निशाना साधा। उन्होंने कांग्रेस से स्पष्टीकरण की भी मांग की।

बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि झारखंड की आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल को भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। उनके सीए के पास से 16 करोड़ रुपये बरामद हुए थे। पीएमएलए अधिकारियों ने उनके पास से 36 करोड़ रुपये नकद भी बरामद किए थे। वह पिछले 28 महीनों से जेल में थीं, दिसंबर में उन्हें जमानत मिल गई और 21 जनवरी को उनका निलंबन वापस ले लिया गया और उन्हें बहाल कर दिया गया।भाजपा सांसद ने कहा कि एक आईएएस अधिकारी जिसके खिलाफ मुकदमा चल रहा है और पीएमएलए कोर्ट ने मामला दर्ज किया है, करोड़ों रुपये बरामद हुए थे, जैसे ही वह जेल से बाहर आईं उनका सस्पेंशन हटा दिया गया।उन्होंने कहा कि कांग्रेस भी झारखंड सरकार का हिस्सा है और उन्हें जवाब देना होगा कि क्या हो रहा है। मेरा सवाल राहुल गांधी से है जो संविधान को हाथ में लेकर घूमते हैं।

पीएम स्वनिधि योजना लागू करने में झारखंड देश में अव्वल, लोन देने में देवघर पहले स्थान पर

देवघर, एजेंसी। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में चालू वित्तीय वर्ष में झारखंड देश में पहले नंबर पर है, जबकि देवघर के बैंक पीएम स्वनिधि योजना के तहत लोन देने में देश में पहले स्थान पर हैं। स्टेट लेबल बैंकर्स कमेटी की रिपोर्ट के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2024-25 में 30 नवंबर तक देवघर में पीएम स्वनिधि योजना में कुल 6,730 स्ट्रीट वेंडरों से आवेदन प्राप्त हुए। इनमें 5,229 स्ट्रीट वेंडरों को ऋण मुहैया करा दिया गया। 95 फीसदी स्ट्रीट वेंडरों को रोजगार के लिए ऋण दिया गया। पीएम स्वनिधि योजना में स्ट्रीट वेंडर्स को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्यशील पूंजी मुहैया करायी गयी है। इस योजना के तहत स्ट्रीट वेंडरों को बगैर कोई सिक्योरिटी के ऋण दिया गया है। इस योजना में 10 हजार रुपये से लेकर 50 हजार रुपये तक ऋण बैंकों ने दिया है। इसमें स्ट्रीट वेंडर्स को सात फीसदी की दर से ब्याज सब्सिडी है।

पीएम स्वनिधि योजना के तहत देवघर में हॉकर, ठेलेवाला, रेहड़ीवाला, फल वाला, सब्जी विक्रेता, स्ट्रीट फूड, चाय, पकौड़े, ब्रेड, अंडे, कपड़ा, परिधान, जूते, स्टेशनरी, सैलून, मोची, पान दुकानदारों को ऋण दिया गया है। पीएम स्वनिधि योजना में सबसे अधिक ऋण भारतीय स्टेट बैंक ने देवघर नगर निगम के माध्यम से स्ट्रीट वेंडरों को मुहैया कराया है। देवघर की उपलब्धि को वित्त मंत्रालय द्वारा केंद्रीय स्तर पर सराहना की गयी है।

देवघर के एलडीएम सांडु समद ने बताया कि स्ट्रीट वेंडरों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए शुरू की गयी पीएम स्वनिधि योजना में झारखंड और देवघर देश में पहले स्थान पर हैं। केंद्रीय स्तर पर देवघर की उपलब्धियों की सराहना भी हो चुकी है।

आजसू को लग सकता है एक और झटका, कद्दावर सांसद के बीजेपी में शामिल होने की संभावना

रांची, एजेंसी। विधानसभा चुनाव में करारी पराजय के बाद झारखंड में भाजपा की सहयोगी आजसू पार्टी के भितरखाने सबकुछ ठीकठाक नहीं चल रहा है। ऐसे में आजसू पार्टी प्रमुख सुदेश महतो के लिए आने वाले दिन में राजनीतिक चुनौतियां बढ़ने वाली है।

राजनीतिक गलियारे में यह संभावना जताई जा रही है कि उनके सबसे करीबी राजनीतिक सहयोगी चंद्रप्रकाश चौधरी भाजपा में शामिल हो सकते हैं। चंद्रप्रकाश चौधरी गिरिडीह से आजसू पार्टी के सांसद हैं। वे सुदेश महतो के करीबी रिश्तेदार भी हैं।यह भी कहा जा रहा है कि उनके साथ-साथ आजसू पार्टी के मांडू से विधायक निर्मल महतो उर्फ तिवारी महतो भी भाजपा में जा सकते हैं। चंद्रप्रकाश चौधरी का आजसू पार्टी से हटना बड़ा झटका होगा।

बताया जाता है कि वे हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनाव में आजसू पार्टी के खराब परिणाम से खासे खिन्न हैं और अपनी अलग राजनीतिक राह बनाना चाहते हैं।उल्लेखनीय है कि अंतिम समय में वे केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल होने से वंचित रह गए थे। इसपर उन्होंने आपत्ति भी जताई थी। भाजपा में शामिल होने के बाद उन्हें केंद्र में मंत्री बनाया जा सकता है।

चंद्रप्रकाश चौधरी के भाजपा में आने से पार्टी को कई लाभ दिख रहे हैं। विधानसभा चुनाव के परिणाम से यह स्पष्ट हो गया है कि प्रभावी कुड़मी समुदाय के मतदाताओं पर आजसू पार्टी की पकड़ पहले जैसी नहीं रही। इस बड़े वोट बैंक में जयराम महतो की पार्टी झारखंड क्रांतिकारी लोकतांत्रिक मोर्चा (जेकेएलएम) ने गहरी सेंध लगाई है।

भाजपा की चिंता का सबब भी यही है। यही कारण है कि चंद्रप्रकाश चौधरी को पार्टी में लाने को लेकर मंथन चल रहा है। उनके आने से भाजपा को कुड़मी समुदाय का एक मजबूत नेता मिलेगा। इससे कुड़मी वोटों को आगामी चुनावों में रिझाने में मदद मिल सकती है।हालांकि इसके जोखिम भी हैं। चंद्रप्रकाश चौधरी के भाजपा में जाने से आजसू पार्टी की राजनीतिक राह एनडीए से अलग हो सकती है।

सरना पूजा स्थल को लेकर बढ़े विवाद में मंत्री चमरा लिंडा की एंट्री, कहा- छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची में मेकान-सिरम टोली फ्लाईओवर की राह में सरना स्थल का विवाद तूल पकड़ रहा रहा है। स्थानीय लोगों के विरोध के बीच राज्य सरकार के मंत्री चमरा लिंडा ने गुरुवार को इसमें हस्तक्षेप कया।

मंत्री चमरा लिंडा ने चेतावनी देते हुए कहा है कि जब अन्य धर्मों के पूजा स्थल के साथ छेड़छाड़ नहीं होती तो आदिवासियों के धार्मिक स्थल के साथ छेड़छाड़ नहीं करने देंगे।

मंत्री ने कहा कि सड़क, फ्लाईओवर जैसे आधारभूत ढांचों के निर्माण में जिस प्रकार अन्य धार्मिक स्थलों का सम्मान किया जाता है, उसी प्रकार सरना पूजा स्थलों का सम्मान और सुरक्षा सुनिश्चित होना चाहिए।

उन्होंने इसी संदर्भ में गुरुवार को मेकान-सिरमटोली फ्लाईओवर में सिरमटोली चौक स्थित सरना पूजा स्थल के जमीन विवाद की जानकारी प्राप्त की।

मंत्री के मुताबिक अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश दिया गया है कि यहां आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं हो। अन्यथा जिम्मेदार अधिकारियों पर कड़ी करवाई की जाएगी।

सरना स्थल की जमीन पर मेकान-सिरमटोली फ्लाईओवर के निर्माण का लोगों द्वारा विरोध किया जा रहा है। मामले को बढ़ता देखकर मंत्री चमरा लिंडा लोगों को समझाने के लिए पहुंचे। इस दौरान उन्होंने लोगों को आश्वासन दिया की आदिवासियों के धार्मिक स्थल के साथ छेड़छाड़ नहीं होने देंगे।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से गुरुवार को केंद्रीय सरना समिति, भारत के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को सरना आदिवासी समाज की समस्याओं एवं मांगो से संबंधित एक ज्ञापन सौंपा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य हित में सरकार सभी वर्ग तथा समुदाय के विकास एवं कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। इस दिशा में समाज के हर वर्ग और तबके के लोगों को सशक्त और आगे बढ़ाने का कार्य हो रहा है।

बिना समाज को मजबूत किए राज्य को मजबूत नहीं कर सकते। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरना आदिवासी समाज की आस्था, परंपरा एवं संस्कृति को संरक्षित करने के साथ उनके हक-अधिकार को देने के लिए हमारी सरकार ठोस कदम उठा रही है।

मुख्यमंत्री से भेंट करने वालों में केंद्रीय सरना समिति, भारत के अध्यक्ष नारायण उरांव,अमर उरांव, राजू मंडल, शिवा कच्छप, प्रदीप तिर्की, सोनू मुंडा, झरी मुंडा, राजेश तिर्की, हेमन्त गाड़ी, चिंतामणि सांगा, सुलोचना खालखो, सावित्री कच्छप, लाली कच्छप, संजना उरांव, मधु तिर्की, प्रीति कच्छप और सायरा कच्छप प्रमुख रूप से शामिल थे।

विश्वस्तरीय बनने जा रहा टाटानगर रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट जैसी होंगी सुविधाएं

टाटानगर, एजेंसी। झारखंड का टाटानगर स्टेशन को एयरपोर्ट की तरह सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने में रेलवे बोर्ड 326 करोड़ से ज्यादा रकम खर्च करेगा। दक्षिण पूर्व जोन ने बुधवार को टाटानगर स्टेशन पुनर्विकास का टेंडर निकाला है।

रेलवे के अनुसार, टाटानगर स्टेशन का पुनर्विकास कार्य ईपीसी मोड पर (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट व कंस्ट्रक्शन) होगा। स्टेशन पुनर्विकास करने वाली कंपनी की घोषणा 4 अप्रैल को होगी। मिली जानकारी के अनुसार, टाटानगर स्टेशन को एयरपोर्ट की सुविधा जैसा बनाया जाएगा।

बताया जाता है कि 326 करोड़ 87 लाख 59 हजार 977 रुपये से दक्षिण पूर्व रेलवे जोन के मॉडल स्टेशन टाटानगर को जमशेदपुर का सिटी सेंटर बनाया जाएगा, ताकि जरूरत का हर सामान स्टेशन पर उपलब्ध हो सके। पुनर्विकास योजना को लेकर रेलमंत्री एवं रेलवे बोर्ड के चेयरमैन भी टाटानगर आ चुके हैं। हावड़ा-मुंबई मार्ग पर 1891 से शुरू कालीमाटी स्टेशन का नाम 1919 में टाटा समूह के संस्थापक जेएन टाटा के नाम पर टाटानगर हुआ।

प्रधानमंत्री ने किया था ऑनलाइन शिलान्यास

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फरवरी

2024 में टाटानगर को विश्वस्तरीय रेलवे स्टेशन बनाने की योजना का ऑनलाइन शिलान्यास किया गया था। रेलवे बोर्ड ने दिल्ली के आर्किटेक्ट से स्टेशन को एयरपोर्ट व व्यावसायिक दृष्टिकोण से विकसित करने का नक्शा बनवाया है।

एयरपोर्ट की तरह मिलेंगी सुविधाएं

टाटानगर स्टेशन को एयरपोर्ट की तरह सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने की दिशा में दक्षिण पूर्व रेल जोन ने कार्रवाई शुरू कर दी है। इसके लिए टेंडर जारी किया गयाहै। योजना के अनुसार, टाटानगर स्टेशन के दोनों गेट पर तीन मंजिला मॉडल बिल्डिंग बनेगी। बिल्डिंग की पहली मंजिल पर रिटायरिंग रूम, रेस्टोरेंट, डोरमेट्री व अन्य यात्री सुविधाएं होंगी, जबकि दूसरी व तीसरी मंजिल पर व्यावसायिक प्रतिष्ठान बनेंगे, जिससे यात्रियों को किसी जरूरत के लिए स्टेशन से बाहर न जाना पड़े। स्टेशन पर बर्मामाइंस की ओर दो नए प्लेटफॉर्म बनेंगे। लाइन के नीचे सबवे और ऊपर पाथवे से दोनों गेट को जोड़ा जाएगा, ताकि यात्रियों को एक से दूसरे गेट व किसी प्लेटफॉर्म से आवागमन में दिक्कत न हो। यात्रियों को स्टेशन पर सिनेमा हॉल, थ्री स्टॉर होटल, स्कॉई लाउंज, हर प्लेटफॉर्म पर एस्केलेटर व लिफ्ट, पार्क, फाउंटेन और मनोरंजन के अन्य संसाधन मुहैया कराए जाएंगे। जबकि, स्टेशन के बाहर फ्लाईओवर, मल्टीस्टोरी पार्किंग, रिंग रोड और चारों तरफ दीवार बनेगी।

डेढ़ किमी की परिधि में होगा स्टेशन

स्टेशन पर प्लेटफॉर्म की लंबाई भी बढ़ेगी। प्लेटफार्म नंबर एक से गार्ड क्रू लॉबी हटेगी।

सुभाषितम्

मनुष्य अपने जन्म से नहीं बल्कि अपने कर्म से महान बनता है।

- चाणक्य

बढ़ता कर्ज : भारत का आर्थिक संकट, बजट आम या खास के लिए?

भारत की आर्थिक स्थिति आज गंभीर चिंताओं के घेरे में है। विदेशी कर्ज 7,11,800 मिलियन डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच चुका है। सरकारी कर्ज का अनुपात जीडीपी का 83.1प्रतिशत हो गया है। डॉलर के मुकाबले रुपए का गिरना, आयात और निर्यात का बढता असंतुलन देश के वित्तीय प्रबंधन के संकट को उजागर कर रहे हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए चिंता को बढा रहे हैं। आर्थिक सुधार की दिशा में अभी भारत को लंबा सफर तय करना होगा। सरकार जो दावे कर रही है, उससे विपरीत आर्थिक स्थिति वर्तमान में है। 2014 तक भारत पर 54 लाख करोड़ रुपये का कर्ज था। पिछले एक दशक में कर्ज चार गुना बढ़ गया है। सरकारी योजनाओं और सरकारी खर्च की पूर्ति के लिए सरकार लगातार उधार ले रही है। सरकार खर्च को पूरा करने के लिए जनता पर टैक्स का बोझ साल दर साल बढ़ा रही है। जीएसटी ने गरीब और मध्यम वर्ग की परेशानियों को बढ़ा दिया है। हर वस्तु और सेवा पर टैक्स लगाने की नीति ने लोगों के खर्च को बढ़ा दिया है। वह अपनी रोजाना की जरूरतें भी पूरी नहीं कर पा रहे हैं। बचत के स्थान पर गरीब और मध्यम वर्ग कर्ज का शिकार होता चला जा रहा है। महंगाई और बेरोजगारी देश की अर्थव्यवस्था को कमजोर कर रही हैं। 45 वर्षों की सबसे ऊंची बेरोजगारी दर और गोल्ड लोन की बढ़ती मांग मध्य वर्ग के आर्थिक हालात को दिखा रही है। आम लोग आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। नोटबंदी और जीएसटी की नीतियों ने देश की आर्थिक संरचना को भारी नुकसान पहुंचाया है।

2025 के बजट से जनता को बड़ी उम्मीदें हैं। सस्ती आवासीय योजनाएं, रोजगार के अवसर, शिक्षा और स्वास्थ्य में सुधार, बजट की प्राथमिकता में होना चाहिए। क्या आगामी बजट इन उम्मीदों पर खरा उतर पाएगा? इसके संकेत आर्थिक सर्वेक्षण में सम्भव हैं। पिछले बजट का अनुभव कागजों में ही सीमित है। देश को एक ऐसी दूरदर्शी नीति की आवश्यकता है, जो चुनावी लक्ष्यों तक सीमित होकर ना रह जाये। सरकार को जनता के दीर्घकालिक हितों की रक्षा करने बजट को तैयार करना होगा। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में आर्थिक स्थिरता थी। वैसा ही दृष्टिकोण वर्तमान सरकार को अपनाना होगा। सही मायने में अर्थ विशेषज्ञ सरकार के बजट को तैयार नहीं कर रहे हैं। कारपोरेट जगत अपने फायदे के लिए अपने ही आदमियों से बजट को तैयार करवा रहा है। सरकार को उन्हीं के ऊपर विश्वास है, या सरकार की मजबूरी है। चिंता की यह सबसे बड़ी बात है। सरकार ने बजट तैयार करने वाले वित्तीय विशेषज्ञों को हटाकर उनके स्थान पर कॉरपोरेट जगत के लोगों को बजट बनाने की जिम्मेदारी सौंपी है। सरकार को चाहिए आर्थिक सुधारों में पारदर्शिता लाएं। सरकार वित्तीय पारदर्शिता को बढ़ाने और जिम्मेदारी तय करने का काम प्राथमिक्ता से करे। इस तरह के ठोस कदम उठाए, जो कर्ज के बोझ को कम करें। जनता को करों से राहत मिले। देश की श्रमशक्ति को प्रोत्साहित करने, बचत को बढ़ावा देने, गरीब मध्यम वर्ग और बुजुर्गों की सामाजिक सुरक्षा पर ध्यान देना बजट की सर्वोच्च प्राथमिकता में होना चाहिए। विकास और दिखावे के नाम पर जो अनाप-शनाप सरकारी खर्च किया जा रहा है, उस पर सरकार को कटौती करनी चाहिए। सरकारी खजाने का उपयोग महंगाई और बेरोजगारी को कम करने के लिए किया जाना चाहिए। भारत को आर्थिक संकट से उबारने का यही एकमात्र रास्ता हो सकता है। सरकार को वर्तमान की आर्थिक चुनौतियों के सत्य को स्वीकार करते हुए जनता को उससे अवगत कराना होगा। अच्छे दिन और विकास के नाम पर जो झूठे सपने दिखाए गए हैं। उससे सरकार को अब बचना होगा। तभी सरकार आर्थिक संकट से निपट पाएगी। आम आदमी को महंगाई और बेरोजगारी से राहत मिले। सरकार 2025 का बजट इस प्राथमिकता के साथ तैयार करे। इसके लिए अर्थ-शास्त्रियों की मदद ले। ब्यूरोक्रेट सरकार की मुसीबत बढ़ाने का काम करेंगे।

चिंतन-मनन

जीवन निर्भरता और आत्म -निर्भरता का संयोग है

जीवन में सम्पूर्ण आत्म निर्भरता जैसा कुछ नहीं है। इसे भूल जाओ। यदि आप सोचते हो कि मैं पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर हो जाऊं तो ऐसा नहीं होगा। 15, 16 या 17 साल की आयु तक आप आत्मनिर्भर नहीं थे। आप आश्रित ही पैदा हुए थे। आप अपने आप उठ भी नहीं सकते थे, और कोई और आपको उठाता था। कोई आपके डायपर बदलता था। कोई आपको नहलाता था। कोई खिलाता था। कोई सुलाता था। आप एक आश्रित ही पैदा हुए थे और अंत में भी आश्रित ही रहोगे। जब आपकी मृत्यु हो जाती है तो आप अपने शरीर को अपने आप नहीं जला या दफना सकते। जब आप बीमार होते हो किसी को आपका ध्यान रखना होता है। आप अपने डाक्टर नहीं बन सकते। 50-60 वर्ष की आयु के बाद यह बिलकुल स्पष्ट हो जाता है कि आप किसी पर निभर होते हो।

किसी हद तक आप नहीं कह सकते कि, मैं पूरी तरह से आत्म निर्भर हूँ। आपको किसी ना किसी की सहायता लेनी ही पड़ती है। अच्छा, फिर यह भी धारणा है कि आप पैसे से आत्मनिर्भर बनते हो। हमें अपनी जरुरत पूरा करने के लिए कुछ पैसा चाहिए, पर मान लो कोई भी आपके लिए कार्य करना न चाहे, तो आपका क्या होगा? आपकी धारणा गलत है कि पैसा आपको आत्मनिर्भर बनाता है। पर इसके साथ साथ आप अपने आप को आत्मनिर्भर मान सकते हो, आप अपने कार्यों के लिए स्वतंत्र हो, आप अपनी भावनायों को नियंत्रित करने के लिए मुक्त हो, यदि आप अच्छा महसूस करना चाहते हो तो यह आपके अपने हाथ में हैं। यदि आप अच्छा महसूस नहीं करना चाहते तो यह भी आपके अपने हाथों में हैं।

लोकतंत्र को मजबूती देने के लिये मतदाता को जागना होगा

ललित गर्ग

भारत में राष्ट्रीय मतदाता दिवस प्रत्येक वर्ष 25 जनवरी को मनाया जाता है। विश्व में भारत जैसे सबसे बड़े लोकतंत्र में मतदान को लेकर कम होते रुझान को देखते हुए इस दिवस को मनाने की आवश्यकता महसूस हुई और पहली बार इसे वर्ष 2011 में मनाया गया। इसके मनाए जाने के पीछे निर्वाचन आयोग का उद्देश्य था कि देश अधिकतम मतदान को प्रोत्साहन दिया जाये। मतदाता बनने पर गर्व है, मतदान को तैयार हैं जैसे नारों के साथ मतदान दिवस मनाने का मुख्य कारण है कि लोगों को मतदान का महत्व बताया जाए ताकि लोग इसके प्रति जागरूक हो और अपने मत का आवश्यकतरूप से उपयोग करते हुए सही उम्मीदवार को चुने। 15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस-2025 की थीम है वोट जैसा कुछ नहीं, वोट जरूर डालेंगे हम। ऐसा करके ही लोकतंत्र को मजबूती दी जा सकती है। पिछले कुछ वर्षों में इसने मतदान के अधिकार के बारे में जागरूकता बढ़ाने और लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विशेषतः युवा मतदाताओं को पंजीकृत करने, उन्हें मताधिकार का उपयोग करने के लिये अग्रसर और प्रेरित करने में इस दिवस की महत्वपूर्ण भूमिका बनी है। चुनाव आयोग इस मंच का उपयोग स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों में योगदान देने वाले अधिकारियों, हितधारकों और संगठनों के प्रयासों को मान्यता देने के लिए भी करता है। यह लोकतांत्रिक मील का पत्थर बना है और भारत के लोकतंत्र के 78 वर्षों की यात्रा और चुनावी अखंडता के प्रति इसकी प्रतिबद्धता के लिये इसे जश्न रूप में मनाया जाता है।

किसी भी राष्ट्र के जीवन में चुनाव सबसे महत्त्वपूर्ण घटना होती है। यह एक यज्ञ होता है। लोकतंत्र प्रणाली का सबसे मजबूत पैर होता है। राष्ट्र के प्रत्येक वयस्क के संविधान प्रदत्त पवित्र मताधिकार प्रयोग का एक दिन। इसलिये इस दिन भारत के प्रत्येक नागरिक को अपने राष्ट्र के प्रत्येक चुनाव में भागीदारी की शपथ लेनी चाहिए, क्योंकि भारत के प्रत्येक व्यक्ति का वोट ही देश के भावी भविष्य की नींव रखता है और उन्नत राष्ट्र के निर्माण में भागीदारी निभाता है। सत्ता के सिंहासन पर अब कोई राजपुरोहित या राजगुरु नहीं बैठता अपितु जनता अपने हाथों से तिलक लगाकर नायक चुनती है। लेकिन जनता तिलक किसको लगाये, इसके लिये सब तरह के साम-दाम-दंड अपनाये जा रहे हैं। हर राजनीतिक दल अपने लोकलुभावन वायदों एवं घोषणाओं को ही गीता का सार व नीम की पत्ती बता रहे हैं, जो सब समस्याएं मिटा देगी तथा सब रोगों की दवा है। लेकिन ऐसा होता तो आजादी के अमृतकाल तक पहुंच जाने के बाद भी देश गरीबी, महंगाई, भ्रष्टाचार, अफसरशाही, बेरोजगारी, अशिक्षा, स्वास्थ्य समस्याओं से नहीं जुझता दिखाई देता। ऐसी स्थिति में मतदाता अगर बिना विवेक के आंख मूंदकर मत देगा तो परिणाम उस उक्ति को चरितार्थ करेगा कि अगर अंधा अंधे

को नेतृत्व देगा तो दोनों खाई में गिरेंगे। इसलिये यह दिवस मतदाता को जागरूक करने के साथ प्रशिक्षित भी करता है। भारतीय लोकतंत्र दुनिया का विशालतम लोकतंत्र है और समय के साथ परिपक्व भी हुआ है। बावजूद इसके लोकतंत्र अनेक विसंगतियों एवं विषमताओं का भी शिकार है। मुख्यतः चुनाव प्रक्रिया में अनेक छिद्र हैं, सबसे बड़े लोकतंत्र का सबसे बड़ा छिद्र चुनावों की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता को लेकर है। खरीद-फरोख्त, नशा एवं मतदाताओं को लुभाने एवं आकर्षित करने का आरोप भी लोकतंत्र पर बड़े दाग हैं। चुनाव सुधारों की तरफ हम चाह कर भी बहुत तेजी से नहीं चल पा रहे हैं। चुनाव आयोग जैसी बड़ी और मजबूत संस्था की उपस्थिति के बाद भी चुनाव में धनबल, बाहूबल एवं सत्ताबल का प्रभाव कम होने के बजाए बढ़ता ही जा रहा है। ये तीनों ही हमारे प्रजातंत्र के सामने सबसे बड़ा संकट है। इन सब संकटों से मुक्ति के लिये मतदाता की जागरूकता की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण पहलू चुनाव है, लोकतंत्र में स्वस्थ मूल्यों को बनाये रखने के साथ उसमें सभी मतदाताओं की सहभागिता को सुनिश्चित करना जरूरी है। इसके लिये चुनाव आयोग का आरईवीएम के प्रयोग का प्रस्ताव सैद्धांतिक तौर पर एक सराहनीय एवं जागरूक लोकतंत्र की निशानी है। क्योंकि आजादी के बाद से ही जितने भी चुनाव हुए है, उनमें लगभग आधे मतदाता अपने मत का उपयोग अनेक कारणों नहीं कर पा रहे हैं, ऐसा हर चुनाव में होता आया है। इसलिए लंबे समय से मांग उठती रही थी कि ऐसे लोगों के लिए मतदान का कोई व्यावहारिक एवं तकनीकी उपाय निकाला जाना चाहिए। उसी के मद्देनजर निर्वाचन आयोग के द्वारा घरेलू प्रवासियों के लिए आरवीएम का प्रस्ताव एक सूझबूझभरा एवं दूरगामी सोच एवं विवेक से जुड़ा उपक्रम है। जरूरत है राजनीतिक दल ऐसे अभिनव उपक्रम का विरोध करने या अवरोध खड़ा करने की बजाय उसका अच्छाइयों को स्वीकार करते हुए स्वागत करें।

इनदिनों दिल्ली विधानसभा चुनाव की सरगर्मियां उग्रता पर है और इसमें मुफ्त की रेवडियां बांटने की होड़-सी लगी है। लोकतन्त्र में यह मुफ्त बांटने की मानसिकता एक तरह का राजशाही का अन्दाज ही कहा जायेगा जो लोकतंत्र के मूल्यों के विपरीत है। लोकतंत्र में कोई भी सरकार आम जनता की सरकार ही होती है और सरकारी खजाने में जो भी धन जमा होता है वह जनता से वसूले गये शुल्क या टैक्स अथवा राजस्व का ही होता है। राजशाही के विपरीत लोकतन्त्र में जनता के पास ही उसके एक वोट की ताकत के भरोसे सरकार बनाने की चाबी रहती है। दरअसल, जनता के हाथ की इस चाबी को अपने पक्ष में घुमाने एवं जीत का ताला खोलने के लिये यह मुफ्त की संस्कृति एक राजनीतिक विकृति के रूप में विकसित हो रही है। वृद्धों को मुफ्त धार्मिक यात्रा-पेंशन, युवाओं को रोजगार देने का वायदा, महिलाओं को नगद राशि एवं मुफ्त बस सफर हो या बिजली-पानी या गैस सिलेंडर। हालात यह हो गए है कि इस मामले में लगभग सभी पार्टियों के बीच एक होड़ जैसी लग गई है कि मुफ्त के वादे पर कैसे मतदाताओं से अपने पक्ष में लुभा कर मतदान कराया जा सके। इससे राज्यों का आर्थिक संतुलन लड़खड़ाता है या वे कर्ज में डूबती है तो इसकी चिन्ता किसी भी दल की सरकार को नहीं है। इस बड़े संकट से उबारने का काम मतदाता ही कर सकता है, वह बिना प्रलोभन, लोभ एवं मुफ्त की सुविधाओं के निष्पक्ष मतदान के लिये आगे आये। राष्ट्रीय मतदाता दिवस से जुड़ा एक और महत्वपूर्ण विमर्शनीय विषय है लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने का सुझाव, इसको लेकर एक सार्थक बहस छिड़ी हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोनों चुनावों को एक साथ कराने का सुझाव दिया था। चुनाव एक साथ कराने का विचार बहुत नया हो, ऐसा भी नहीं है। पिछली सरकारों में भी समय-समय पर इस पर चचाएं होती रही हैं। लेकिन इस व्यवस्था को लागू करने को लेकर अनेक संवैधानिक समस्याएं भी और कुछ बुनियादी सवाल भी है। इन सबका समाधान करते हुए यदि हम यह व्यवस्था लागू कर सके तो यह सोने में सुहागा होगा। जनता की गाढी कमाई की बबार्दी को रोकने, बार-बार चुनाव प्रक्रिया के होने जनता को होने वाली परेशानी और प्रशासनिक कार्य में होने वाली असुविधाओं को रोकने के लिए चुनाव एक साथ कराने की व्यवस्था निश्चित रूप से लोकतंत्र को एक नई उष्मा एवं नया परिवेश देगी। यदि इसके लिये कोई सर्वमान्य रास्ता निकलता है तो सचमुच यह देश, समाज और लोकतंत्र के हित में होगा। जैसाकि हम जानते हैं कि लोग शीघ्र ही अच्छा देखने के लिए बेताब हैं, उनके सब्र का प्याला भर चुका है। लोकतंत्र को दागदार बनानेवाले अपराध और अपराधियों की संख्या बढ़ रही है। जो कोई सुधार की चुनौती स्वीकार कर सामने आता है, उसे रास्ते से हटा दिया जाता है।

पर्यटन की अनंत संभावनाओं का देश है भारत

ललित गर्ग

जीवन में पर्यटन के सर्वाधिक महत्व के कारण ही हर साल 25 जनवरी को भारतीय पर्यटन दिवस मनाया जाता है। भारत की विविधता और बहुसंस्कृतिवाद के कारण, यह दिन देश की अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव, जीवन में खुशियां एवं मुस्कान देने वाले पर्यटन के महत्व को उजागर करने के लिए है। इस दिवस की शुरूआत 1948 के बाद आर्थिक विकास और सांस्कृतिक कूटनीति को बेहतर बनाने के लिए पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने की पहल से हुई। अतुल्य भारत जैसे आयोजनों को बढ़ावा दिया गया है ताकि वैश्विक स्तर पर भारतीय विरासत, पर्यटन सुंदरता एवं समृद्धता को प्रदर्शित किया जा सके। बदलते समय के साथ राष्ट्रीय पर्यटन दिवस नई पहलों, नीतिगत सुधारों और क्षेत्र की उपलब्धियों का जश्न मनाने पर ध्यान केंद्रित करने वाले दिन के रूप में विकसित हुआ है। राष्ट्रीय पर्यटन दिवस 2025 की थीम समावेशी विकास के लिए पर्यटन है, जो आर्थिक विकास को प्रेरित करने में पर्यटन के महत्व पर प्रकाश डालता है, साथ ही यह सुनिश्चित करता है कि इसका लाभ भारत में समाज के सभी वर्गों तक पहुंचे। इसका उद्देश्य रोजगार सृजन और पर्यटन परम्पराओं को बढ़ावा देने, विविध भारतीय सांस्कृतिक विरासत और डिजिटल परिवर्तन को बढ़ावा देकर स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाना है। भारत विश्व स्तर पर पांचवां सबसे बड़ा यात्रा और पर्यटन बाजार बनने के लिए तैयार है। भारत में पर्यटन क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है और 2027 तक तीसरा सबसे बड़ा घरेलू बाजार बनने की उम्मीद है। 2023 में, भारत में पर्यटन पर होने वाला खर्च 2019 के 127 बिलियन डॉलर से बढ़कर 174 बिलियन डॉलर तक पहुँच गया। सबसे ज्यादा पर्यटक तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र सहित 5 राज्यों में गए, जहाँ कुल मिलाकर 65 प्रतिशत पर्यटक आए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता से धार्मिक पर्यटन को नये पंख लगे हैं, अयोध्या में बना भगवान श्रीराम का मन्दिर एवं इनदिनों प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ ने धार्मिक पर्यटन के नये कीर्तिमान स्थापित किये हैं। धार्मिक पर्यटन आर्थिक उन्नति और सांस्कृतिक आदान-प्रदान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। धार्मिक पर्यटन की संभावनाओं का अधिकतम लाभ लेने के लिए ऐसी सभी जगहों को बेहतरीन बुनियादी सुविधाओं, सड़क और एयर कनेक्टिविटी, आने वालों की सुरक्षा और सेवा दी जा रही है। धार्मिक पर्यटन से देश की संस्कृति को बढ़ावा मिलता है और लोगों में आस्था बढ़ती है, साथ ही, इससे अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिलता है। उत्तर प्रदेश देश ही नहीं दुनिया का सर्वाधिक महत्वपूर्ण धार्मिक पर्यटन प्रांत है। देश और दुनिया के हर हिंदू के आस्था के केंद्र भगवान श्रीराम की अयोध्या, राधा-श्रीकृष्ण ने जिस ब्रज भूमि पर रास रचाए थे, श्रीकृष्ण ग्वालबालों के साथ जहां खेले-कूदे, गोपियों के माखन चुराए वह मथुरा, बरसाना, नंदगांव, गोवर्धन भी उत्तर प्रदेश में ही है। वनवास के दौरान भगवान श्रीराम ने पत्नी सीता और अनुज लक्ष्मण के साथ जहां सर्वाधिक समय गुजारा था वह चित्रकूट भी उत्तर प्रदेश में है। इसके अलावा भी प्रदेश के हर जिले या यूं कह लें हर विधानसभा क्षेत्र में ऐसे धार्मिक स्थल हैं जहां प्रतिदिन हजारों लोग जाते हैं। विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन प्रयागराज का महाकुंभ तो इसका चरमोत्कर्ष है। इस चरम के सुखद, सुरक्षित और सफल समापन के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद कटिबद्ध हैं। अयोध्या सप्तपुरियों जैसी हो गयी है, इसी क्रम में भोलेनाथ की काशी में श्री काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के निर्माण के बाद वहां सालाना आने वाले पर्यटकों की संख्या 10 करोड़ के करीब हो गई है। राष्ट्रीय पर्यटन दिवस का महत्व बेहद सीधा और सरल है - देश में पर्यटन की प्रमुखता को उजागर करना और यह भारत की आर्थिक संभावनाओं को प्रभावित करता है। पर्यटन सिर्फ हमारे जीवन में खुशियों के पलों को वापस लाने में ही मदद नहीं कर रहा है बल्कि यह देश के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका का माध्यम भी बन रहा है। भारत की अर्थव्यवस्था पर्यटन-उद्योग के इर्द-गिर्द घूमती रही है। भारतीय पर्यटन दिवस वैश्विक पर्यटक को बढ़ावा देने के प्रयास हेतु मील के पत्थर के रूप में देखा जाता है एवं इस दिवस को मनाने का उद्देश्य विश्व में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, धार्मिक एवं सामाजिक विरासत को जीवंतता देना एवं उसके प्रति जन जागरूकता फैलाना है। देश की पुरातात्विक विरासत या सांस्कृतिक धरोहर केवल दार्शनिक, धार्मिक, सांस्कृतिक स्थल के लिए नहीं है बल्कि यह राजस्व प्राप्ति का भी स्रोत है। पर्यटन क्षेत्रों से कई लोगों की रोजी-रोटी भी जुड़ी है। आज भारत जैसे देशों को देखकर ही विश्व के लगभग सभी देशों में पुरानी और ऐतिहासिक इमारतों का संरक्षण, संवर्द्धन किया जाने लगा है। भारत असंख्य पर्यटन अनुभवों और मोहक स्थलों का देश है। चाहे भव्य स्मारक हों, प्राचीन मंदिर या मकबरे हों, नदी-झरने, प्राकृतिक मनोरम स्थल हो, इसके चमकीले रंगों और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रौद्योगिकी से चलने वाले इसके वर्तमान से अटूट संबंध है। केरल, शिमला, गोवा, आगरा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, मथुरा, काशी जैसी जगहें तो अपने विदेशी पर्यटकों के लिए हमेशा चर्चा में रहती हैं। हालही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अयोध्या एवं काशी की कायाकल्प करके दुनियाभर के पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित किया है। भारत में अपने लोगों के साथ लाखों विदेशी लोग प्रतिवर्ष भारत घूमने आते हैं। भारत में पर्यटन की उपयुक्त क्षमता है। यहां सभी प्रकार के पर्यटकों को चाहे वे साहसिक यात्रा पर हों, सांस्कृतिक यात्रा पर या वह तीर्थयात्रा करने आए हों या खूबसूरत समुद्री-तटों की यात्रा पर निकले हों, सबके लिए खूबसूरत जगहें हैं। दिल्ली, मुंबई, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, दक्षिण भारत के अनेक राज्यों में तो लोगों को घूमते-घूमते महीना बीत जाते हैं।

भाजपा सबसे धनवान, जो सत्ता में वहीं सिकन्दर !

ओमप्रकाश मेहता

भारत के दो प्रमुख राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच उम्र व अनुभव के हिसाब से भले ही दादा और परपौते सा रिश्ता हो, क्योंकि कांग्रेस डेढ़ सौ वर्ष से भी अधिक उम्रदराज है और भारतीय जनता पार्टी महज पैंतालीस साल की, कांग्रेस का जन्म 1885 के करीब एक विदेशी ए.ओ.ॖम दादा माने जाते है, जब पूर्व जनसंघ की कोंख से भाजपा का जन्म 1980 में हुआ, इस प्रकार इन दोनों प्रमुख दलों में उम्र के हिसाब से एक सौ साल से भी अधिक साल का अंतर है, कांग्रेस ने देश की आजादी के बाद अर्धशताब्दी से भी अधिक समय तक राज किया और इस नई सदी के साथ ही भाजपा का सितारा चमक पाया, किंतु कांग्रेस का नेहरूवंश साथ ही उतार-चढ़ाव में रहा और आज जब नेहरू खानदान (सोनिया-राहुल) राजनीति में उन्नीसे सिद्ध हो रहे है, तब कांग्रेस भी अस्तांचल की ओर जाती नजर आ रही है। आज वह जहां देश में दूसरे क्रम की पार्टी मानी जाती है, वही कुशल व अनुभवी नेतृत्व के अभाव में अस्तांचल की ओर जाती नजर आ रही है। अर्थात आज भारतीय राजनीतिक परिवार का मुखिया (परदादा) कांग्रेस नही बल्कि (परपौता) भाजपा है और परदादाजी धीरे-धीरे मृत्यु शैय्या की ओर कदम बढ़ाते नजर आ रहे है। वैसे भारतीय राजनीति का अब तक का उसूल ही ऐसा रहा है, कि- जो जीता वही सिकन्दर और यहां कांग्रेस ने चाहे पचास साल से भी अधिक राज किया हो, किंतु पिछली एक चैथाई शताब्दी से तो भाजपा का ही बोल बाला है, वह भी देश के विशेषकर हिन्दी भाषी राज्यों व केन्द्र में। ....और चूंकि भाजपा व उसके सहयोगी देश के एक दर्जन से अधिक राज्यों पर अपना प्रभुत्व जमाए हुए है, इसलिए आज भाजपा सिर्फ सियासी हिसाब से नही बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी अपने परदादा से काफी आगे है। यदि आर्थिक दृष्टि से ही देखा जाए तो आज जितना धन भाजपा के पास है, उसका दसवां हिस्सा भी कांग्रेस के पास नही है। भाजपा के पास दो हजार दो सौ चवालीस (2244) करोड की राशि सिर्फ चन्दे के रूप में उपलब्ध है, तो कांग्रेस के पास 289 करोड़ रूपए और भारतीय राजनीतिक दलों के बीच आर्थिक दृष्टि से तीसरे क्रम पर बी.आर.एस. है, जिसके पास 580 करोड़ है, देश में सबसे गरीब राजनीतिक दल तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) है, जिसके पास मात्र 6 करोड़ रूपए है। राजनीतिक दलों के ये आर्थिक आंकड़े हाल ही में चुनाव आयोग ने जारी किए है। अर्थात देश की सबसे धनवान पार्टी भाजपा है, जिसकों चन्दें में अन्य दलों से 212 प्रतिशत से अधिक धन चंदे के रूप में प्राप्त हुआ है। वैसे सरसरी तौर पर देखा जाए तो आर्थिक वर्ष 2023-24 में कांग्रेस व भाजपा दोनों ही दलों के ही कोष में बढ़ौत्तरी देखी गई, भाजपा को पूर्व के मुकाबलें तीन गुना अधिक राशि की आमद हुई, वहीं कांग्रेस को भी पूर्व वर्ष के मुकाबलें अधिक धनराशि मिली।

आज का राशिफल

राशि	फल
मेष	दिन लाभदायक रहेगा। हर काम में सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में आपके प्रयास रंग लाएंगे।
वृषभ	आज दिन शुभ है और भाग्य आपका साथ देगा और दिन सफलता से भरा रहेगा।
मिथुन	भाग्य का साथ मिलेगा और आपको रुका हुआ पैसा मिल सकता है। धन और ऐश्वर्य में वृद्धि होगी।
कर्क	दिन शुभ है और आपको करियर या व्यवसाय से जुड़ी कोई अच्छी खबर मिल सकती है।
सिंह	आज भाग्य साथ देगा और आपके धन सम्मान में वृद्धि होगी। हर काम में सफलता मिलेगी।
कन्या	दिन उलझनों भरा रहेगा। काम में मन नहीं लगेगा, लेकिन आर्थिक रूप से आपको सफलता मिलेगी।
तुला	दिन लाभदायक है। मेहनत रंग लाएगी। बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है।
वृश्चिक	आज आर्थिक लाभ होगा। आप काफी समय से चढ़ा हुआ कोई बड़ा कर्ज चुका पाएंगे।
धनु	हर मामले में सावधान रहना चाहिए। लेन-देन न करें। सहकर्मियों से सावधान रहें।
मकर	आज लाभ होगा। धन और सम्मान में वृद्धि होगी। नौकरी में सफलता मिलेगी।
कुंभ	आज धन में वृद्धि होगी। व्यापार में सफलता मिलेगी। राजनीति से जुड़े प्रयास सफल होंगे।
मीन	आज धन में वृद्धि होगी। आज का दिन लाभदायक रहेगा। पुराने झगड़ों से छुटकारा मिलेगा।

विशेष

सेवा विस्तार पर भड़के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़

देश के उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ इस समय भड़के हुए हैं। उन्होंने सेवा विस्तार के मामले में सरकार पर निशाना साधा है। सेवा विस्तार के नियमों और सिद्धांतों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा, प्रतिभाओं का असम्मान किया जा रहा है। लोक सेवा आयोग की भूमिका पर भी उन्होंने सवाल उठा दिए। उन्होंने यह भी कह दिया कि जिस तरह से एक ही विचारधारा से जुड़े लोगों की नियुक्ति की जा रही है। वह संविधान और उसकी मूल भावनाओं के लिए सही नहीं है। इसे संविधान कमजोर होगा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने यह कहा है। इसलिए यह चर्चा का विषय बन गया है। धनखड़ विद्रोही मुद्रा में तो नहीं आ गए। यदि ऐसा है, तो वह किसी भी सीमा तक जा सकते हैं। इसकी चचाएं शुरू हो गई हैं। कई राजनीतिक दलों में रहते हुए वह भाजपा में पहुंचे हैं। हवा चलने के पहले ही उसके रुख कौ भांप लेते हैं। यही धनखड़ साहब की विशेषता है।

दिल्ली चुनाव से भाजपा को झटका

दिल्ली के आगामी विधानसभा चुनावों से पहले नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट पर चर्चा के लिए दिल्ली विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने का निर्देश देने से इनकार कर दिया है। हालांकि, न्यायमूर्ति सचिन दत्ता की एकल पीठ का कहना था कि रिपोर्ट पेश करने में दिल्ली सरकार की ओर से अत्यधिक विलंब किया गया। गौरतलब है कि विपक्ष के नेता विजेंद्र गुप्ता सहित अन्य विधायकों ने याचिका दायर की थी। इसकी सुनवाई करते हुए अदालत ने अपने फैसले में कहा, कि अदालत विधानसभा की विशेष बैठक बुलाने की याचिकाकर्ता की प्रार्थना को स्वीकार करने के लिए इच्छुक नहीं है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1565 तेल्लीकोटा की लड़ाई में विजय नगर का साम्राज्य नष्ट हुआ. 1579 डच गणराज्य की स्थापना हुई. 1834 पोलैंड की संसद ने स्वतंत्रता की घोषणा की. 1824 बंगला भाषा के कवि माइकल मधुसूदन दत्त का जन्म. 1874 ब्रिटिश साहित्यकार समरसेट माम का जन्म. 1882 वर्जीनिया वुल्फा का जन्म हुआ. 1952 सार के प्रशासन को लेकर फ्रांस और जर्मनी के बीच विवाद हुआ. 1954 मानवेन्द्र नाथ राय का निधन. 1959 ब्रिटेन ने पूर्वी जर्मनी से व्यापार समझौता किया. 1971 हिमाचल प्रदेश पूर्ण राज्य बना. 1975 शेख मुजीबुर्रमान बांगलादेश के राष्ट्रपति बने. 1980 मदर टेरेसा को भारत रत्न से सम्मानित किया गया. 1983 आचार्य भावे को भारतरत्न से सम्मानित करने की घोषणा. 1991 यूगोस्लाविया में तनाव दूर करने के लिए सर्बिया और क्रोएशिया के नेताओं की बैठक हुई. 1992 रूस के राष्ट्रपति बोरिस येल्तसिन ने अमरीकी शहरों को लक्ष्य कर तैनात परमाणु प्रक्षेपासत्रों को हटाने की घोषणा की.

दैनिक पंचांग

25 जनवरी 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	मकर में
चंद्र	वृश्चिक में
मंगल	मिथुन में
बुध	धनु में
गुरु	वृष में
शुक्र	कुंभ में
शनि	कुंभ में
राहु	मीन में
केतु	कन्या में

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
कुंभ	07.51 बजे से
मीन	09.24 बजे से
मेष	10.54 बजे से
वृष	12.34 बजे से
मिथुन	14.33 बजे से
कर्क	16.46 बजे से
सिंह	19.02 बजे से
कन्या	21.14 बजे से
तुला	23.25 बजे से
वृश्चिक	01.39 ब.से
धनु	03.55 बजे से
मकर	06.01 बजे से

शनिवार 2025 वर्ष का 25 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास माघ (दक्षिण भारत में पौष)
पक्ष कृष्ण
तिथि एकादशी 20.32 बजे को समाप्त।
नक्षत्र अनुराधा 07.08 बजे को समाप्त।
योग ध्रुव 04.38 बजे प्रातः को समाप्त।
करण बव 08.04 बजे तदनन्तर बालव 20.32 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.1 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 18° 57'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872235
जूलियन दिन 2460700.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रज्जब **तारीख** 24
विशेष षटतिला एकादशी।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

मौनी अमावस्या के दिन दक्षिणावर्ती शंख की पूजा से मिलेगा लक्ष्मी नारायण का आशीर्वाद

हिंदू पंचांग के अनुसार, मौनी अमावस्या माघ मास के कृष्ण पक्ष की अंतिम तिथि को मनाया जाता है। इसे माघी अमावस्या भी कहा जाता है। इस वर्ष यह पर्व 29 जनवरी को पड़ रहा है। मौनी अमावस्या के दिन गंगा नदी में स्नान करने का विशेष महत्व है। मान्यता है कि इस दिन गंगा स्नान करने से सभी पाप धुल जाते हैं और मां गंगा की कृपा प्राप्त होती है। इसके अलावा, कुंडली में स्थित अशुभ ग्रहों का प्रभाव भी कम होता है। इतना ही नहीं, मौनी अमावस्या ते के दिन दक्षिणावर्ती शंख की पूजा विधान है। अब ऐसे में इसकी पूजा किस विधि से करने से लाभ हो सकता है।

दक्षिणावर्ती शंख की पूजा के लिए सामग्री
दक्षिणावर्ती शंख को हिंदू धर्म में बेहद पवित्र माना जाता है और इसे माता लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है। इसकी पूजा करने से घर में धन-धान्य की वृद्धि होती है।
गंगाजल, दूध, दही, घी, अगरबत्ती
कुमकुम, चावल, फूल, लाल कपड़ा
दीपक, पूजा की थाली

दक्षिणावर्ती शंख की पूजा किस विधि से करें?

- दक्षिणावर्ती शंख को हिंदू धर्म में सौभाग्यशाली माना जाता है। इसे माता लक्ष्मी का प्रतीक मानते हैं और यह धन-धान्य और समृद्धि का प्रतीक भी है। इसकी पूजा करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और सुख-समृद्धि आती है।
- सबसे पहले शंख को गंगाजल से धोकर शुद्ध करें।
- शंख को लाल रंग के साफ कपड़े में लपेटें। लाल रंग माता लक्ष्मी का प्रिय रंग होता है।
- शंख में गंगाजल भरें और ऊं श्री लक्ष्मी सहोदराय नमः मंत्र का जाप करें। आप अपनी सुविधा के अनुसार इस मंत्र का एक माला जाप कर सकते हैं।
- शंख को पूजा स्थल पर या घर के मंदिर में स्थापित करें।
- शंख के सामने घी का दीपक जलाएं।
- आप रोजाना शंख की पूजा कर सकते हैं।
- शंख को बजाते समय मुंह दक्षिण दिशा की ओर होना चाहिए।
- दक्षिणावर्ती शंख की पूजा करने के दौरान श्रीहरि और माता लक्ष्मी का ध्यान जरूर करें।

दक्षिणावर्ती शंख की पूजा का महत्व

दक्षिणावर्ती शंख भगवान विष्णु से जुड़ा हुआ माना जाता है। मान्यता है कि भगवान विष्णु अपने हाथ में दक्षिणावर्ती शंख धारण करते हैं। शंख को पवित्रता का प्रतीक माना जाता है। इसे पूजा-पाठ में उपयोग किया जाता है। शंख की ध्वनि को शक्ति का प्रतीक माना जाता है। शंख की ध्वनि नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने और सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करने में मदद करती है। मौनी अमावस्या के दिन दक्षिणावर्ती शंख बजाने से पापों का नाश होता है। मान्यता है कि इस दिन शंख की पूजा करने से धन लाभ होता है। शंख की ध्वनि मन को शांत करती है और सुख-शांति प्रदान करती है।

कब से शुरु होगी माघ गुप्त नवरात्रि तिथि और महत्व

माघ गुप्त नवरात्रि एक महत्वपूर्ण हिंदू त्योहार है जो माघ महीने के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से शुरू होता है। साल में कुल चार नवरात्रि मनाई जाती हैं, जिनमें दो गुप्त नवरात्रि पहला माघ और दूसरा आषाढ़ में,एक चैत्र नवरात्रि और एक शारदीय नवरात्रि शामिल हैं। गुप्त नवरात्रि में विशेष रूप से 10 महाविद्याओं की पूजा की जाती है। ये महाविद्याएं तंत्र साधना में उच्च स्थान रखती हैं। तंत्र साधक गुप्त नवरात्रि के दौरान विशेष साधना करते हैं ताकि वे तंत्र-मंत्र की सिद्धि प्राप्त कर सकें। बता दें, सभी नवरात्रि की शुरुआत कलश स्थापना के साथ होती है। कलश स्थापना का मुहूर्त बहुत महत्वपूर्ण होता है और इसे पंचांग के अनुसार निकाला जाता है। अब ऐसे में माघ गुप्त नवरात्रि का आरंभ कब से हो रहा है और इसका शुभ मुहूर्त और पूजा का महत्व क्या है।
पंचांग के अनुसार, माघ गुप्त नवरात्रि की शुरुआत 30 जनवरी गुरुवार के दिन से होगी। यह तिथि माघ शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा पर पड़ रही है, जो 29 जनवरी की शाम से शुरू होती है। माघ गुप्त नवरात्रि का शुभारंभ 30 जनवरी को होगा। यह तिथि उदयातिथि के आधार पर निर्धारित की गई है, जो माघ शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा पर पड़ती है।

माघ गुप्त नवरात्रि के दिन कलश स्थापना का मुहूर्त

30 जनवरी को माघ गुप्त नवरात्रि की कलश स्थापना के लिए आप सुबह 9 बजकर 25 मिनट से लेकर सुबह 10 बजकर 46 मिनट तक का शुभ मुहूर्त चुन सकते हैं। यह मुहूर्त कुल 1 घंटा 21 मिनट का है। यदि आप दोपहर में कलश स्थापना करना चाहते हैं, तो दोपहर 12 बजकर 13 मिनट से दोपहर 12 बजकर 56 मिनट तक का मुहूर्त आपके लिए उपयुक्त होगा। यह मुहूर्त 43 मिनट का है।

माघ गुप्त नवरात्रि पूजा का महत्व

यह नवरात्रि अन्य नवरात्रियों की तुलना में अधिक गुप्त तरीके से मनाई जाती है। इस दौरान देवी दुर्गा की विभिन्न शक्तियों की पूजा की जाती है। इस नवरात्रि में देवी दुर्गा के विभिन्न रूपों, विशेषकर दस महाविद्याओं की पूजा की जाती है। ये महाविद्याएं हैं- काली, तारा, त्रिपुर सुंदरी, भुवनेश्वरी, छिन्नमस्ता, त्रिपुर भैरवी, धूमावती, बगलामुखी, मातंगी और कमला। माघ गुप्त नवरात्रि तंत्र साधना के लिए भी महत्वपूर्ण मानी जाती है। इस दौरान साधक देवी दुर्गा की विशेष पूजा करते हैं और सिद्धियां प्राप्त करने का प्रयास करते हैं। माघ गुप्त नवरात्रि में देवी दुर्गा की शक्ति का जागरण होता है। मान्यता है कि इस दौरान की गई पूजा से व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आते हैं।

माघ गुप्त नवरात्रि के दिन करें इन 3 चीजों का दान

हिंदू पंचांग के अनुसार माघ माह में पड़ने वाली गुप्त नवरात्रि का विशेष महत्व है। यह नवरात्रि गुप्त रखी जाती है। साथ ही यह नवरात्रि सिद्धि और तंत्र साधना की विद्या के लिए जाना जाता है। अब ऐसे में इस दिन किन चीजों का दान करने से उत्तम परिणाम मिल सकते है।
करें अन्न दान – हिंदू धर्म में माना जाता है कि अन्न दान करने से मां दुर्गा प्रसन्न होती हैं और भक्तों पर अपनी कृपा बरसाती हैं। अन्न दान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है और इससे व्यक्ति के पापों का नाश होता है। अन्न दान करने से घर में सुख-समृद्धि आती है और मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है। अन्न दान करने से रोगों से मुक्ति मिलती है और स्वास्थ्य अच्छा रहता है।
करें कुमकुम दान – कुमकुम को देवी दुर्गा का प्रतीक माना जाता है। इसे माथे पर तिलक के रूप में लगाया जाता है और यह शक्ति और सौंदर्य का प्रतीक है। कुमकुम का दान करके देवी दुर्गा को प्रसन्न करते हैं और उनके आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।
करें जौ का दान – माघ गुप्त नवरात्रि के दिन जौ का दान करने से व्यक्ति को मनोवांछित फलों की प्राप्ति हो सकती है। बता दें, माघ गुप्त नवरात्रि के दिन जौ का दान भी गुप्त तरह से करना चाहिए। इससे व्यक्ति को मनोवांछित फलों की प्राप्ति हो सकती है और जीवन में आने वाली समस्याओं से भी छुटकारा मिल जाता है।

माघ गुप्त नवरात्रि के दौरान करें इस गुप्त कवच का पाठ

हिंदू धर्म में नवरात्रि का विशेष महत्व है। यह त्योहार देवी माँ के विभिन्न रूपों की पूजा करने के लिए मनाया जाता है। ये वे नवरात्रि हैं जो आम तौर पर सभी लोग जानते हैं और मनाते हैं। इनमें से दो प्रमुख नवरात्रि होती हैं – चैत्र नवरात्रि और शारदीय नवरात्रि। इन नवरात्रियों में देवी मां के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है। माघी नवरात्रि गृहस्थ लोगों के लिए नहीं होती है, लेकिन आप मां दुर्गा की पूजा कर सकते हैं। माघ गुप्त नवरात्र के दिन गुप्त कवच का पाठ करने का विशेष महत्व है।
माघ गुप्त नवरात्रि के दिन गुप्त कवच का पाठ करने से व्यक्ति को मनोवांछित फलों की प्राप्ति हो सकती है और शुभ परिणाम मिल सकते हैं।

शृणु देवि प्रवक्ष्यामि कवचं सर्वसिद्धिदम।
पठित्वा पाठयित्वा च नरो मुच्येत सङ्कटात् ॥
उमा देवी शिरः पातु ललाटं शूलधारिणी।
चक्षुषी खेचरी पातु वदनं सर्वधारिणी ॥
जिह्वां च चण्डिका देवी ग्रीवां सौभद्रिका तथा।
अशोकवासिनी चेतो द्वौ बाहू वज्रधारिणी ॥
हृदयं ललिता देवी उदरं सिंहवाहिनी।
कटिं भगवती देवी द्वावूरू विन्ध्यवासिनी ॥
महाबाला च जङ्घे द्वे पादौ भूतलवासिनी
एवं स्थिताऽसि देवि त्वं त्रैलोक्यरक्षणात्मिके।
रक्ष मां सर्वगात्रेषु दुर्गे दवि नमोऽस्तु ते ॥

गुप्त कवच का पाठ करने का महत्व
गुप्त कवच एक अत्यंत शक्तिशाली और रहस्यमय मंत्र है जो माता दुर्गा को समर्पित है। इसका पाठ करने से व्यक्ति को कई प्रकार के लाभ प्राप्त होते हैं। यह कवच एक सुरक्षा कवच की तरह काम करता है जो व्यक्ति को बुरी नजर, नकारात्मक ऊर्जाओं और दुर्भाग्य से बचाता है। गुप्त कवच का नियमित पाठ करने से व्यक्ति का धार्मिक ज्ञान बढ़ता है और उसे आध्यात्मिक शक्ति प्राप्त होती है।

मौनी अमावस्या के दिन मनोकामना पूर्ति के लिए क्या करें और क्या करने से बचें?

मौनी अमावस्या 2025 साल की पहली अमावस्या है और इस बार महाकुंभ के तीसरे अमृत स्नान का भी इसी दिन संयोग बन रहा है। यह एक अत्यंत शुभ संयोग है और इस दिन की गई पूजा-अर्चना का फल कई गुना बढ़ जाता है। अब ऐसे में इस तिथि के दिन क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए। इसके बारे में इस लेख में विस्तार से जानते हैं।
हिंदू पंचांग के अनुसार, मौनी अमावस्या माघ मास की अमावस्या तिथि को मनाया जाता है। यह दिन तपस्या, ध्यान और आत्मशुद्धि के लिए समर्पित होता है। इस दिन श्रद्धालु पवित्र नदियों में स्नान करते हैं, दान करते हैं और उपवास रखते हैं। इस साल मौनी अमावस्या 29 जनवरी को मनाई जाएगी। बता दें, इस दिन सिद्धि योग बनने जा रहा है। इसलिए इस दिन का महत्व और भी अधिक बढ़ गया है। इस दिन स्नान-दान का विशेष महत्व है। अब ऐसे में मौनी अमावस्या के दिन क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए।

मौनी अमावस्या के दिन क्या करना चाहिए?

- मौनी अमावस्या का मुख्य उद्देश्य मौन रखना है। इस दिन व्यक्ति अपने वचन और विचारों पर नियंत्रण रखता है। मौन व्रत से आत्मनियंत्रण, मन की शांति और मानसिक दृढ़ता प्राप्त होती है।
- इस दिन गंगा, यमुना, या अन्य पवित्र नदियों में स्नान करना बहुत शुभ माना जाता है। इतना ही नहीं, मौनी अमावस्या के दिन अमृत स्नान भी किया जाएगा। इसलिए यह दिन विशेष संयोग लेकर आया है।
- मौनी अमावस्या के दिन ध्यान और साधना का विशेष महत्व है। इस दिन अपने मन को शांत और नियंत्रित रखने के लिए ध्यान किया जाता है।
- मौनी अमावस्या के दिन भगवान शिव की पूजा विधिवत रूप से करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी हो सकती है।
- मौनी अमावस्या के दिन पुण्य प्राप्ति के लिए धार्मिक ग्रंथों को जरूर पढ़ना चाहिए।
- मौनी अमावस्या के दिन भगवान शिव और मां गंगा के मंत्रों का जाप विशेष रूप से करें।

मौनी अमावस्या के दिन क्या नहीं करना चाहिए?

- मौनी अमावस्या के दिन किसी भी व्यक्ति को अपशब्द न कहें।
- इस दिन किसी लड़ाई-झगड़ा करने से बचना चाहिए।
- मौनी अमावस्या के दिन मौन रहने का विधान है। इसलिए इस दिन जितना हो सके, मौन रहें।
- मौनी अमावस्या के दिन मांस-मदिरा का सेवन नहीं करना चाहिए।
- मौनी अमावस्या के दिन क्रोध करने से बचें। क्योंकि इस दिन क्रोध करने से पुण्य कम होते हैं।
- इस दिन मन में कोई भी नकारात्मक विचार न रखें।
- मौनी अमावस्या के दिन सात्विक भोजन ही ग्रहण करना चाहिए।

मौनी अमावस्या के दिन राशि अनुसार करें कुछ विशेष उपाय

मौनी अमावस्या हिंदू धर्म में एक अत्यंत महत्वपूर्ण तिथि मानी जाती है, जो विशेष रूप से पूजा-पाठ, दान-पुण्य और ज्योतिषीय उपायों के लिए महत्वपूर्ण है। ज्योतिष के अनुसार, मौनी अमावस्या के दिन विशेष ध्यान और साधना से जीवन में सकारात्मक बदलाव आ सकते हैं। इस दिन किए गए व्रत और दान से व्यक्ति के जीवन में सुख-शांति और समृद्धि का वास होता है। इस साल मौनी अमावस्या 29 जनवरी को मनाई जाएगी और इस साल महाकुंभ की वजह से इस दिन का महत्व और ज्यादा बढ़ जाता है। यदि आप इस साल मौनी अमावस्या के दिन अपनी राशि को ध्यान में रखते हुए कुछ विशेष उपाय आजमाएंगे तो आपके जीवन में समृद्धि आएगी।
मेष राशि – मेष राशि के लोग यदि मौनी अमावस्या के दिन हनुमान जी की पूजा करें और उन्हें नारंगी सिंदूर अर्पित करें तो उनके लिए शुभ फलदायी हो सकता है। इसके साथ ही इस दिन यदि आप गुड़ और चने का दान करें या किसी मंदिर में हनुमान जी को अर्पित करें तो ये भी लाभदायक होगा । यह उपाय आपके जीवन से बाधाओं को दूर करेगा और आपकी आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाएगा।
वृषभ राशि – मौनी अमावस्या के दिन यदि आप माता लक्ष्मी की पूजा करेंगे और उन्हें कमल का फूल अर्पित करेंगे तो आपके जीवन में आने वाले कई बाधाएं दूर हो सकती हैं। इसके साथ ही आप इस दिन जरूरतमंदों को वस्त्र और धन का दान करें। इस दिन माता लक्ष्मी की पूजा करना आपके लिए शुभ हो सकता है।
मिथुन राशि – यदि आप मौनी अमावस्या के दिन भगवान विष्णु की पूजा करें और उन्हें प्रसाद के साथ तुलसी के पत्ते अर्पित करें, तो आपकी सभी मनोकामनाओं की पूर्ति हो सकती है। इस दिन यदि आप गरीबों को भोजन और वस्त्र दान करें तो आपके जीवन में इसके लाभ हो सकते हैं। इस उपाय से न केवल आर्थिक लाभ होगा बल्कि आपको कार्यक्षेत्र में भी सफलता मिलेगी।
कर्क राशि – मौनी अमावस्या के दिन यदि आप शिवलिंग पर जल और दूध अर्पित करेंगे तो आपके जीवन में खुशहाली बनी रहेगी। इस दिन आप जरूरतमंदों को चावल और चीनी का दान दें। आप सफ़ेद वस्त्रों का दान भी दे सकते हैं। इस उपाय से आपको मानसिक शांति मिलने के साथ धन लाभ के योग भी बनते हैं।
सिंह राशि – सिंह राशि के लोग यदि मौनी अमावस्या के दिन सूर्य को अर्घ्य देते समय उसमें थोड़ा गुड़ मिलेंगे और और जरूरतमंदों को गुड़ और गेहूं का दान करेंगे तो उन्हें इसका लाभ मिल सकता है। यदि आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है तो इस उपाय से धन के मार्ग खुल सकते हैं। आपको सूर्य को अर्घ्य देते समय आदित्य हृदय स्त्रोत का पाठ भी करना चाहिए।
कन्या राशि – कन्या राशि के लोग यदि मौनी अमावस्या के दिन भगवान गणेश की पूजा करेंगे और उन्हें दूर्वा चढ़ाएंगे तो इसके लाभ मिलेंगे। इस दिन आपको हरी चीजों का दान करने की सलाह दी जाती है। यही नहीं यदि आप इस दिन गाय को हरा चारा खिलाती हैं तो इसके पूर्ण लाभ मिल सकते हैं। कन्या राशि के लोगों को मौनी अमावस्या के दिन हरे वस्त्र पहनने की सलाह दी जाती है।
तुला राशि – तुला राशि के लोग यदि मौनी अमावस्या के दिन माता दुर्गा की पूजा करेंगे और दुर्गा सप्तशती का पाठ करेंगे तो उन्हें कई समस्याओं का समाधान खोजने में मदद मिल सकती है। आप माता दुर्गा को लाल चुनरी चढ़ाएं और जरूरतमंदों को वस्त्रों का दान करें। यह उपाय आपके जीवन में समृद्धि और शांति लाएगा।
वृश्चिक राशि – वृश्चिक राशि के लोगों को मौनी अमावस्या के दिन शनि देव की पूजा करने की सलाह दी जाती है और यदि आप इस दिन शनि मंदिर में सरसों के तेल का दीपक जलाएं तो आपको इसके दोगुने लाभ मिल सकते हैं।
धनु राशि – मौनी अमावस्या के दिन यदि आप भगवान विष्णु के साथ माता लक्ष्मी का पूजन भी करेंगे तो आपको इसके लाभ मिल सकते हैं। आप इस दिन विष्णु पूजन के समय पीले वस्त्र धारण करें और जरूरतमंदों को पीले वस्त्र ही दान में दें। इन उपायों से आपके जीवन में खुशहाली बनी रहेगी।
मकर राशि – मौनी अमावस्या के दिन मकर राशि के लोग यदि शिवलिंग पर काले तिल और जल अर्पित करें तो इसके बहुत से लाभ हो सकते हैं। इस दिन आपको उड़द दाल का दान करने की सलाह दी जाती है। यह उपाय आपके जीवन से नकारात्मक ऊर्जा को दूर करेगा और आर्थिक समृद्धि लाने में मदद करेगा।
कुंभ राशि – मौनी अमावस्या के दिन विधि पूर्वक भगवान कृष्ण की पूजा करें और उन्हें माखन मिश्री का भोग लगाएं। यदि आप इस दिन जरूरतमंदों को अन्न और वस्त्रों का दान करेंगे तो आपके जीवन में खुशहाली बनी रहेगी। इन उपायों से आपकी आर्थिक स्थिति भी अच्छी बनी रहेगी।
मीन राशि – मौनी अमावस्या के दिन यदि आप सफ़ेद चीजों का दान करें जैसे चावल और दूध का दान, तो आपको इसके पूर्ण लाभ मिल सकते हैं। यह उपाय आपके जीवन में शांति और सुख-समृद्धि लाने में भी सहायक हो सकता है।

मुकेश अंबानी बनाएंगे दुनिया का सबसे बड़ा डेटा सेंटर

गौतम अडानी पहले ही कर चुके इस फील्ड में एंट्री

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी दुनिया का सबसे बड़ा डेटा सेंटर बनाने की तैयारी में हैं। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार रिलायंस इंडस्ट्रीज का यह महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट गुजरात के जामनगर में बनाया जाएगा। इसी के साथ रिलायंस एआई सेक्टर में एंट्री मारने जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक अंबानी एआई तकनीक में दुनिया की अग्रणी कंपनी एनवीडिया से सेमीकंडक्टर खरीद रहे हैं। अडानी ग्रुप पहले ही इस सेक्टर में कूद चुका है। अडानी एंटरप्राइज ने अमेरिका की कंपनी एजकनेक्स के बीच जॉइंट वेंचर बनाया है। इसे अडानीकॉनेक्स नाम दिया गया है जो भारत में हाइपरस्केल डेटा सेंटर का नेटवर्क बनाने की योजना बना रहा है।
पिछले साल अक्टूबर एनवीडिया एआई समिट के दौरान रिलायंस और एनवीडिया ने भारत में एआई इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाने के लिए मिलकर काम करने की घोषणा की थी। एनवीडिया ने तब कहा था कि वह रिलायंस द्वारा बनाए जा

रहे एक गीगावाट डेटा सेंटर के लिए अपने ब्लैकवेल एआई प्रोसेसर की सप्लाई करेगी। हुआंग ने तब अंबानी के साथ बातचीत में कहा था कि भारत को अपना एआई खुद बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि की भारत को इंटेलीजेंस आयात करने के लिए डेटा निर्यात नहीं करना चाहिए। भारत को रोटी आयात करने के लिए आटा निर्यात नहीं करना चाहिए।

अंबानी ने क्या कहा था

तब अंबानी ने भारत में इंटेलीजेंस कैपेसिटी पर बोलते हुए कहा था, हम वास्तव में सभी लोगों के लिए समृद्धि लाने और दुनिया में समानता लाने के लिए इंटेलीजेंस का उपयोग कर सकते हैं। अमेरिका और चीन के अलावा भारत में सबसे अच्छा डिजिटल कनेक्टिविटी इन्फ्रास्ट्रक्चर है। पिछले साल सितंबर में, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एनवीडिया ने भारत में एआई सुपरकंप्यूटर विकसित करने और देश की अलग-अलग भाषाओं पर बड़े भाषा मॉडल बनाने के लिए साझेदारी की घोषणा की। बाद में एनवीडिया ने टाटा ग्रुप के साथ भी इसी तरह की पार्टनरशिप की थी।

भारत में एआई

भारत सरकार ने भी स्टार्टअप, एआई प्रोजेक्ट्स और एलएलएम के विकास के लिए 10,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश का वादा किया है। हालांकि इनमें कई चुनौतियां हैं। भारत की चिपमेकिंग इंडस्ट्री अभी शुरुआती चरण में है। सेमीकंडक्टर निर्माण सुविधाओं (फैब्स) की स्थापना में काफी पूंजी की जरूरत होती है और इसे साकार होने में लंबा समय लगता है। इन फैब को चलाने के लिए एक्सपर्ट कर्मचारियों की जरूरत होती है। भारत अभी इस प्रक्रिया को विकसित करने में लगा है। अभी तक देश में घरेलू स्तर पर पहली चिप का उत्पादन नहीं हुआ है।

रियल एस्टेट क्षेत्र को बजट में आवश्यक सुधारों की उम्मीद

रेपो दर और स्टांप ड्यूटी कम करने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। बजट आने में अब कुछ ही दिन बाकी हैं और विभिन्न उद्योग अपनी मांग को पेश कर रहे हैं। इस कड़ी में रियल एस्टेट क्षेत्र ने अपनी किफायती आवास क्षेत्र में आ रही चुनौतियां को कम करने और ऐसी नीतियों की घोषणाओं पर विचार करने की मांग है, साथ ही बुनियादी ढांचागत विकास को आगे बढ़ाने, किफायती आवास को आसानी से ऋण उपलब्ध करवाने की मांग की है। 2024 में रियल एस्टेट क्षेत्र में एक मजबूत सुधार देखा गया, जिसमें आवासीय मांग 11 साल के उच्च स्तर पर पहुंच गई और ऑफिस पट्टा रिकॉर्ड 53.3 मिलियन वर्ग फुट तक पहुंच गया।

शापुरजी पाल्लोनजी रियल एस्टेट के निदेशक समूह प्रमोटर वेंकटेश गोपालकृष्णन कहते हैं, बजट में मध्यम आय वर्ग के लिए टैक्स स्लैब में संशोधन करने और कच्चे माल की बढ़ती कीमतों को स्थिर करने की जरूरत है। इससे निर्माण लागत में कम होगी और किफायती आवास की मांग को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा क्षेत्रीय जरुरतों

को देखते हुए ग्रीन हाउस को प्रोत्साहित करना और आवास नीति को और अधिक समावेशी बनाया जाए, वहीं कारोबार को आसान करने के लिए सिंगल विंडो क्लीयरेंस को प्रोत्साहित करने से इस ओर निवेश आकर्षित होगा। साथ ही रेपो दर और स्टांप ड्यूटी को यदि कम किया जाता है तो आवास की मांग में और वृद्धि होने की संभावना है।

पार्टनर पल्लाडियन पार्टनर्स लिमिटेड पीयूष रामभिया कहते हैं पिछले कुछ समय से किफायती आवास कैटेगरी को चुनौतियों का सामना करना पड़ा है, बिक्री में इसकी हिस्सेदारी 2019 में 38 प्रतिशत से गिरकर 18 प्रतिशत पर पहुंच गई है। 2025 के लिए हमें उम्मीद है केंद्रीय बजट आवास के लिए बुनियादी ढांचे की स्थिति, किफायती और आसानी से लोन मिलने और क्रेडिंग लिंक्ड सब्सिडी योजना को फिर से शुरू किया जाना चाहिए और बाजार की वास्तविकताओं को देखते हुए सुधारों के जरिए किफायती आवास कैटेगरी को पुनर्जीवित करने जैसे उपायो पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

एनएआर इंडिया इंडिया के अध्यक्ष अमिल चोपड़ा कहते हैं, रियल एस्टेट क्षेत्र बजट में आवश्यक सुधारों की उम्मीद कर रहा है, एक बड़ी उम्मीद ब्रोकरेज सेवाओं पर जीएसटी को इनपुट क्रेडिट के साथ 18 प्रतिशत से घटाकर इनपुट क्रेडिट के बिना 5 प्रतिशत किया जाए, इससे खरीदारों और ब्रोकरर्स दोनों वित्तीय बोझ कम होगा। होमलोन पर उच्च कर छूट के साथ किफायती आवास के लिए बेहतर प्रोत्साहन देने की जरूरत बजट में है। इन उपायों से घरों को किफायती बनाने में मदद मिलेगी और अधिक नेवेश आकर्षित हो सकेगा।

सोना 82900 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंचा

11 महीने में 32 प्रतिशत से ज्यादा की मजबूती

नई दिल्ली, एजेंसी। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार सकारात्मक वैश्विक रुख के बीच दिल्ली में गुरुवार को सोने का भाव 170 रुपये मजबूत होकर 82,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के नये सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। बुधवार को यह बहुमूल्य धातु 82,730 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। 23 फरवरी, 2024 के बाद लगभग एक साल सोने की कीमतें 62,720 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव से 20,180 रुपये या 32.17 प्रतिशत मजबूत होकर 82,900 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई है।

लगातार सातवें करोबारी सत्र में सोने के भाव चढ़े- लगातार सातवें कारोबारी सत्र में सोने में बढ़त जारी रही। इस दौरान, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 170 रुपये की तेजी के साथ 82,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 82,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। पिछले सात कारोबारी सत्रों में 99.9 और 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत में 2,320-2,320 रुपये का इजाफा हुआ। हालांकि, गुरुवार को चांदी की

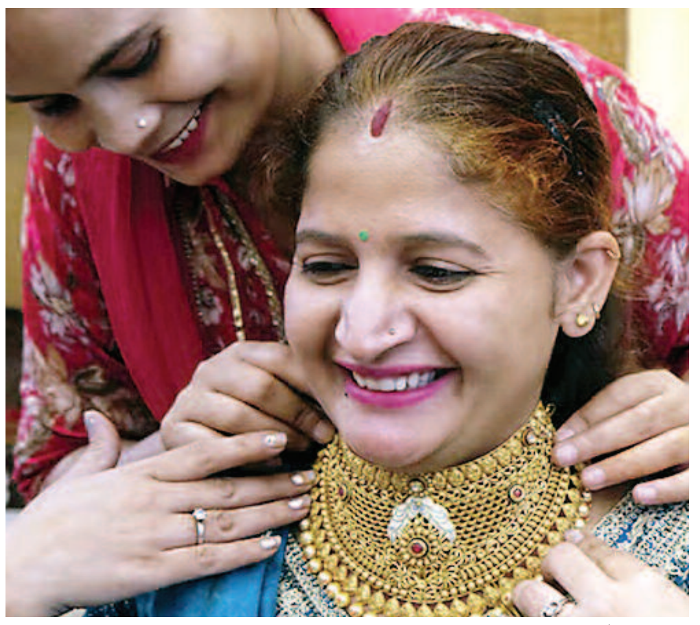

कीमत 500 रुपए घटकर 93,500 रुपए प्रति किलोग्राम रह गई। बुधवार को इसका भाव 94,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुआ था।

आभूषण और खुदरा विक्रेताओं की बढ़ती मांग के कारण बाजार में तेजी- सर्राफा कारोबारियों के अनुसार, बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में तेजी का कारण आभूषण विक्रेताओं और खुदरा विक्रेताओं की बढ़ती मांग और अंतरराष्ट्रीय बाजारों का मजबूत रुख है। वायदा कारोबार में गुरुवार को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर फरवरी डिलीवरी वाले सोने के अनुबंध की कीमत 19 रुपये या 0.02 प्रतिशत की तेजी के साथ 79,583 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। हालांकि, चांदी वायदा का भाव 422 रुपये या 0.46 प्रतिशत घटकर 91,522 रुपये प्रति किलोग्राम रह गया, जबकि बुधवार को यह 91,944 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर बंद हुआ था। विदेशी बाजारों में कॉमेक्स सोना वायदा 13.20 डॉलर प्रति औंस या 0.48 प्रतिशत गिरकर 2,757.70 डॉलर प्रति औंस पर आ गया।

वैश्विक बाजार में सोने की कीमतों में नरमी

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (कमोडिटीज) सौमिल गांधी ने कहा, अमेरिकी डॉलर और ट्रेजरी यील्ड में सुधार के कारण गुरुवार को सोने की कीमतें स्थिर से नकारात्मक स्तर पर कारोबार कर रही थीं। एशियाई बाजार में चांदी कॉमेक्स वायदा 1.03 प्रतिशत की गिरावट के साथ 31.10 डॉलर प्रति औंस पर बोला गया। इसके अलावा, चैनानी ने कहा, ट्रम्प ने घोषणा की कि उनकी सरकार कनाडा और मैक्सिको पर 25 प्रतिशत कर लगाने पर विचार कर रही है।

80 फीसदी भारतीय कंपनियों को नहीं मिल रहे कौशल वाले कर्मचारी

आईटी में सर्वाधिक संकट

नई दिल्ली, एजेंसी। मांग होने के बावजूद देश के 80 फीसदी नियोक्ता कौशल वाले कर्मचारियों को ढूंढने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। यह प्रवृत्ति 2022 से बनी हुई है और 2024 तक 74 फीसदी के वैश्विक औसत से ऊपर रही है। मैनपावरग्रुप टैलेंट शॉर्टेज सर्वे में दावा किया गया है कि भारतीय नियोक्ता 2025 की पहली तिमाही में कौशल वाले कर्मचारियों की भर्ती को लेकर सावधानी बरत रहे हैं, क्योंकि प्रतिभा की कमी के कारण नियुक्ति प्रयासों में बाधा उत्पन्न होने की आशंका है।

सर्वे के मुताबिक, कोई भी क्षेत्र प्रतिभा से लैस कर्मचारियों के अभाव से अछूता नहीं है और यह कमी वैश्विक श्रम बाजार की प्रमुख चिंता बनी हुई है। आईटी, ऊर्जा और यूटिलिटी जैसे उद्योग सबसे अधिक दबाव महसूस कर रहे हैं, क्योंकि डाटा एवं आईटी जैसे विशेष कौशल की मांग लगातार बढ़ रही है। इसमें आगे कहा गया है कि सिर्फ 22 फीसदी नियोक्ता ही अस्थायी भर्ती बढ़ाने के पक्ष में हैं। दक्षिण भारत सबसे अधिक 85 फीसदी प्रतिभा की कमी से जूझ रहा है।

11 अरब डॉलर के साथ भारत आ रही दुनिया की सबसे बड़ी एसेट मैनेजर

● ब्लैकस्टोन की भारत में 11 अरब निवेश की योजना ● महाराष्ट्र में यह रकम निवेश करेगी अमेरिकी कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में सबसे ज्यादा जीडीपी वाले राज्य महाराष्ट्र के लिए गुड न्यूज है। दुनिया की सबसे बड़े ऑल्टरनेटिव एसेट मैनेजमेट कंपनी ब्लैकस्टोन अगले तीन से पांच साल में महाराष्ट्र में 11 अरब डॉलर के निवेश की योजना बनाई है। इस रकम को राज्य के प्रमुख शहरों में डेटा सेंटर, रियल एस्टेट और इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी एसेट्स में इनवेस्ट किया जाएगा। अमेरिका के इस इंस्टीट्यूशनल इनेवस्टर ने भारत के तेजी से बढ़ रहे प्रॉपर्टी और डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने की व्यापक रणनीति बनाई है। इसके तहत कंपनी ने स्विट्जरलैंड के दावोस में राज्य सरकार के साथ तीन अलग-अलग समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस इस साल वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम में राज्य के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक ब्लैकस्टोन के कुल निवेश का लगभग 5 अरब डॉलर मुंबई 3.0 में जाएगा। मुंबई 3.0 राज्य सरकार का एक अहम प्रोजेक्ट है। इससे तहत मुंबई और नवी मुंबई की क्षमता का विस्तार करने के लिए एक तीसरे शहर को विकसित किया जाएगा। मुंबई 3.0 को कर्नाला-साई-चिरनेर न्यू टाउन के नाम से भी जाना जाता है। इसके मुंबई के करीब स्थापित किया जाएगा। इससे मुंबई में जगह की कमी दूर होगी।

कहां-कहां होगा निवेश

एक सूत्र ने कहा कि ब्लैकस्टोन पहला वैश्विक संस्थागत निवेशक होगा जो इस नए उभरते शहर में कार्यालय परिसरों, आतिथ्य संपत्तियों, खुदरा मॉल और वेयरहाउसिंग संपत्तियों के विकास को सपोर्ट करेगा। ब्लैकस्टोन ने अपने जॉइंट वेंचर पार्टनर पंचशील रियल्टी के साथ मिलकर राज्य में डेटा केंद्रों के विकास के लिए 3 अरब डॉलर तक का निवेश करने के लिए महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम के साथ एक समझौता किया है। साथ ही उसने मुंबई महानगर क्षेत्र में डेटा केंद्रों सहित बुनियादी ढांचे की संपत्तियों के लिए अतिरिक्त 3 अरब का निवेश करने के लिए महाराष्ट्र एक समझौता किया है। ब्लैकस्टोन वर्तमान में नवी मुंबई में दो डेटा सेंटर बनाने की प्रक्रिया में है और इनमें से प्रत्येक में 30 करोड़ डॉलर से अधिक का निवेश किया है। लुमिना क्लाउडइंफ्रा नाम से ये डेटा सेंटर भी पंचशील रियल्टी के साथ साझेदारी में विकसित किए जा रहे हैं। नया डेटा सेंटर निवेश इसके अतिरिक्त होगा। कंपनी मुंबई महानगर क्षेत्र में रियल एस्टेट एसेट्स के विकास के लिए 5 अरब से अधिक का निवेश करेगी। इस तरह कंपनी की महाराष्ट्र में 11 अरब डॉलर के निवेश की योजना है। ब्लैकस्टोन ने इस बारे में टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

अदाणी समूह ने मुंद्रा स्थित एसईजेड की अधिसूचना बदलने की मांग की

नई दिल्ली, एजेंसी। अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड ने गुजरात के मुंद्रा में अपने बहु-उत्पाद एसईजेड की अधिसूचना आंशिक रूप से रद्द करने के लिए केंद्र से संपर्क किया है। खबर है कि वाणिज्य मंत्रालय शुक्रवार को इस प्रस्ताव पर विचार करेगा। इस प्रस्ताव पर विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) के लिए सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था अनुमोदन बोर्ड की बैठक में चर्चा की जाएगी। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल की अध्यक्षता में बोर्ड की बैठक कल यहां होगी।

बैठक के एजेंडे के अनुसार, अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एपीएसईजेड) लिमिटेड ने 8282.7670 हेक्टेयर में से 333.7396 हेक्टेयर की आंशिक अधिसूचना रद्द करने का अनुरोध किया है। कारण बताते हुए डेवलपर ने कहा है कि सौर बाजार में कड़ी प्रतिस्पर्धा और भारत में सौर उपकरणों की भारी डंपिंग के कारण, ईएमसी (इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्लस्टर) की इकाइयां एसईजेड के भीतर आर्थिक रूप से अव्यवहारिक हो रही हैं। समूह की ओर से कहा गया है कि इस कठिन बाजार में खुद को बचाए रखने के लिए रहने के लिए इन इकाइयों के लिए एसईजेड से बाहर निकलना जरूरी हो गया है। प्रस्ताव में कहा गया है, ईएमसी क्षेत्र में घटक इकाइयों ने एसईजेड प्रारूप में अपना परिचालन जारी नहीं रखने की इच्छा जताई है। इसलिए सह-डेवलपर मुंद्रा सोलर टेक्नोपार्क ने डेवलपर से अनुरोध किया है कि वह ईएमसी क्षेत्र को जहां है, वहीं के आधार पर एसईजेड से अलग कर दे। गुजरात सरकार ने प्रस्ताव पर कोई आपत्ति नहीं जताई है और आंशिक अधिसूचना रद्द करने के आवेदन पर कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। एपीएसईजेड के विकास आयुक्त ने भी बोर्ड से इस प्रस्ताव पर विचार करने का अनुरोध किया है।

एसईजेड नियम, 2006 के अनुसार, यदि केंद्र सरकार संतुष्ट हो तो वह डेवलपर की ओर से किए गए आवेदन पर बोर्ड की सिफारिश के बाद एसईजेड की अधिसूचना को संशोधित कर सकती है, या इसे वापस ले सकती है या उसे निरस्त कर सकती है। इसके अलावा, अंतर-मंत्रालयी बोर्ड मुंद्रा पेट्रोकेम लिमिटेड, एपीएसईजेड, मुंद्रा के एक वर्ष के लिए एलओए (अनुमोदन पत्र) विस्तार के प्रस्ताव पर भी विचार करेगा। बैठक के एजेंडा में कहा गया है कि हालांकि एलओए दिसंबर 2021 में जारी किया गया था, लेकिन कोविड महामारी और अन्य मुद्दों के कारण परियोजना की शुरुआत और कमीशनिंग को पुनर्निर्धारित किया गया था। अब परियोजना की गतिविधियां पूरे जोरों पर चल रही हैं।

रूसी तेल आयात पर पाबंदी का भारतीय आपूर्ति पर दिखने लगा असर, बीपीसीएल बोली- मार्च के लिए पर्याप्त कार्गो नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। रूस के तेल क्षेत्र पर लगाए गए व्यापक अमेरिकी प्रतिबंधों ने भारत में कच्चे तेल के प्रवाह को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. (बीपीसीएल) ने कहा, मार्च की आपूर्ति के लिए पर्याप्त कार्गो उपलब्ध नहीं हैं।?अमेरिका ने 10 जनवरी को रूसी ऊर्जा क्षेत्र को निशाना बनाते हुए व्यापक प्रतिबंध लगाने की घोषणा की थी। इन प्रतिबंधों की घोषणा ऐसे समय में की गई, जब भारत की तेल रिफाइनिंग कंपनियां मार्च के कार्गो के लिए बातचीत शुरू कर रही थीं। बीपीसीएल के निदेशक (वित्त) वी रामकृष्ण गुप्ता ने बृहस्पतिवार को विश्लेषकों से बातचीत में कहा, पिछले दो महीनों में जनवरी और फरवरी के लिए रूसी तेल की बुकिंग की गई थी, लेकिन मार्च की आपूर्ति के लिए पर्याप्त कार्गो नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा, क्रूड आपूर्ति में रूसी तेल की हिस्सेदारी अक्तूबर-दिसंबर तिमाही के 31 फीसदी से घटकर मार्च तिमाही में 20 फीसदी पर आ सकती है। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद रूस पर प्रतिबंध के बीच भारतीय कंपनियों ने सस्ते दाम पर उपलब्ध रूसी तेल का बड़े पैमाने पर आयात शुरू कर दिया था।

ऑस्ट्रेलियाई ओपनः

नोवाक जोकोविच चोटिल, पहला सेट हारने के बाद सेमीफाइनल से हटे

मेलबर्न, एजेंसी। नोवाक जोकोविच चोटिल होने के कारण शुक्रवार को यहां अलेक्जेंडर ज्वेरेव के खिलाफ ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के सेमीफाइनल का पहला सेट हारने के बाद मैच से हट गए।
जोकोविच ने पहला सेट टाईब्रेकर में 7-6 (5) से गंवा दिया था। इसके बाद उन्होंने नेट के चारों ओर चक्कर लगाया और मैच से हटने का फैसला किया। इस तरह से ज्वेरेव फाइनल में जगह बनाने में सफल

रहे। कार्लोस अल्कराज के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मैच के दौरान जोकोविच की पांव की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था। उन्होंने प्रशंसकों का आभार व्यक्त किया और उसके बाद कोर्ट से बाहर चले गए। जोकोविच ने बाद में संवाददाता सम्मेलन में अपने पैर में दर्द का जिक्र करते हुए कहा, 'यह और भी बदतर होता जा रहा था। मैं अगर पहलाा सेट जीत भी लेता तब भी मेरे लिए आगे खेलना मुश्किल होता। जोकोविच ऑस्ट्रेलियाई ओपन में 11वां और कुल 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कवायद में थे। उनके और ज्वेरेव के बीच एकमात्र सेट एक घंटे 20 मिनट तक चला।

भारत की निगाह शमी की फिटनेस और विजय अभियान जारी रखने पर, ये हो सकती है प्लेइंग 11

दूसरा टी-20 आज, भारत की नजर बढ़त पर

चेन्नई, एजेंसी। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की फिटनेस को चल रही चिताओं के बीच भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ शनिवार को यहां होने वाले दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में पहले मैच का प्रदर्शन दोहरा कर विजय अभियान जारी रखने के उद्देश्य के साथ मैदान पर उतरेगी। भारत ने बुधवार को कोलकाता में पहला मैच सात क्रिकेट से जीत कर पांच मैच की श्रृंखला में शुरुआती बढ़त हासिल की थी। भारतीय टीम निश्चित तौर पर शमी को मैदान पर उतारना चाहेगी लेकिन यह सब कुछ उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा। भारत को हालांकि पहले मैच में इस 34 वर्षीय तेज गेंदबाज की कमी नहीं खली। इस मैच में तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने शानदार प्रदर्शन करके भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। ईडन गार्डंस की पिच से तेज और स्पिन गेंदबाजों को पर्याप्त मदद मिल रही थी लेकिन यहां चेपक स्टेडियम की पिच से स्पिनरों को और अधिक मदद मिलने की संभावना है। ऐसी परिस्थितियों में वरुण, उप कप्तान अक्षर पटेल और रवि बिश्नोई का अंतिम एकादश में बने रहना तय है।

इंग्लैंड की तरफ से अनुभवी स्पिनर आदिल रशीद और लियम लिविंगस्टोन भारतीय बल्लेबाजों के सामने चुनौती पेश करेंगे। जहां तक उसके तेज गेंदबाजों का सवाल है तो पहले मैच में अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन के सामने जोफ्रा आर्चर को छोड़कर उसका कोई भी गेंदबाज नहीं

चल पाया था। अभिषेक और सैमसन ने पहले मैच में भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई थी तथा यह दोनों एक बार फिर से उसे दोहराना चाहेंगे। पिछले छह मैच में तीन शतक बनाने वाले सैमसन लंबी पारी नहीं खेल पाए थे लेकिन अभिषेक ने 34 गेंद पर 79 रन की तूफानी पारी खेली थी।

सैमसन यहां पहले मैच की भरपाई करना चाहेंगे। अभिषेक और सैमसन की सलामी जोड़ी को अगर अगले साल भारत में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अपना दावा मजबूत रखना है तो उन्हें अपने प्रदर्शन में निरंतरता लानी होगी। इंग्लैंड भी अपने सलामी बल्लेबाजों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद करेगा। पहले मैच में फिल साल्ट और बेन डकेट दोनों ने मिलकर कुल सात गेंद का सामना करके चार रन बनाए थे। भारत को कप्तान सूर्यकुमार यादव से भी बड़ी पारी की उम्मीद होगी जो पिछले मैच में जल्दी आउट हो गए थे।

संभावित प्लेइंग 11:

- **इंग्लैंड :** फिल साल्ट (विकेट कीपर), बेन डकेट, जोस बटलर (कप्तान), हैरी ब्रुक, लियाम लिविंगस्टोन, जैकब बेथेल, जेमी ओवरटन, रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद, मार्क वुड
- **भारत:** अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेट कीपर), तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), हार्दिक पांड्या, रिंकू सिंह, नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती

समयः मैच शाम 7 बजे शुरू होगा।

विराट कोहली फिर से बनेंगआरसीबी के कप्तान?

ये नाम भी रेस में है शामिल

नईदिल्ली, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु अब तक एक भी बार आईपीएल का खिताब नहीं जीत पाई है। टीम को पहले खिताब की तलाश है। विराट कोहली के बाद टीम को अब तक कोई स्थायी कप्तान नहीं मिला है। आईपीएल 2025 में टीम का कप्तान कौन होगा यह अब तक तय नहीं है। हालांकि रेस में विराट कोहली से लेकर युवा बल्लेबाज रजत पाटीदार जैसे नाम है।

विराट कोहली

विराट कोहली लंबे समय तक आरसीबी के कप्तान रहे हैं। वह टीम के सबसे पुराने खिलाड़ी हैं जो कि पहले सीजन से इस फ्रैंचाइजी के साथ थे।

आईपीएल में कोहली ने 143 मैचों में ऋष्क्की कप्तानी की, जिनमें से टीम 66 मौकों पर विजयी रही। ऋष्क्के कप्तान के रूप में उनका जीत प्रतिशत 46.15 है।. विराट कोहली ने आईपीएल 2022 की शुरुआत से पहले ही ऋष्क्की कप्तानी छोड़ने कि पुष्टि कर दी थी। विराट कोहली ने अपनी मर्जी से कप्तानी छोड़ने का फैसला किया था। हालांकि मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि खिलाड़ी फिर से कप्तानी करना चाहता है।
रजत पाटीदार– आरसीबी अगर एक युवा खिलाड़ी पर भरोसा दिखाना चाहती है तो रजत पाटीदार के अच्छे दावेदार हैं। पाटीदार को आरसीबी की टीम ने 11 करोड़ रुपये में रिटेन किया है जो कि दिखाता है कि फ्रैंचाइजी को खिलाड़ी पर कितना भरोसा है। रजत पाटीदार को कप्तानी का भी अनुभव है। उनकी कप्तानी में मध्य प्रदेश की टीम 13 साल बाद सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के फाइनल में पहुंची थी। पाटीदार ने बतौर कप्तान 15 टी20 मैच खेला है। जहां 12 मैचों में उन्हें जीत हासिल हुई है।
भुवनेश्वर कुमार– आरसीबी की कप्तानी की रेस में तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार भी बड़े दावेदार है। 11 साल तक हैदराबाद के लिए खेलने वाले भुवनेश्वर को इस बार रिटेन नहीं किया गया। आईपीएल मेगा नीलामी में आरसीबी ने 10.75 करोड़ रुपये में खरीदा।

रोहित रणजी ट्रॉफी में वापसी के दूसरे प्रयास में भी फेल, मुश्किल से बना पाए 28 रन

मुंबई, एजेंसी। रोहित शर्मा की रणजी ट्रॉफी में वापसी कुछ खास नहीं रही और दूसरी पारी में भी वह कमाल नहीं दिखा पाए। भारतीय कप्तान ने उमर नजीर की गेंद पर छक्का लगाया और फिर औकीब नबी तथा युद्धवीर सिंह की गेंदों पर आसानी से दो और शॉट लगाकर अपनी सर्वश्रेष्ठ पारी की झलक दिखाई। लेकिन आखिरकार 28 रन पर उनकी पारी का अंत हुआ। इस दौरान उन्होंने 35 गेंदें खेली जिसमें 2 चौके और 3 छक्के शामिल थे। दशक में मुंबई के लिए घरेलू रेड-बॉल क्रिकेट में अपना पहला मैच खेल रहे रोहित का पहला दिन बहुत खराब रहा, जब 37 वर्षीय यह खिलाड़ी जम्मू कश्मीर के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मुकाबले के शुरुआती घंटे में 19 गेंदों पर 3 रन बनाकर आउट हो गए। शुक्रवार को रोहित ने खुद को बेहतर साबित करते हुए 28 रन की शानदार पारी खेली जो पिछले साल न्यूजीलैंड के खिलाफ बेंगलुरु टेस्ट की दूसरी पारी में 52 रन बनाने के बाद प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। रोहित ने न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार मैचों में 0, 8, 18, 11, 3, 6, 3 और 9 रन बनाए हैं। अक्टूबर के मध्य में भारत विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप अंक तालिका में शीर्ष पर था और राष्ट्रीय टीम के लिए घर पूरी तरह से व्यवस्थित था। लेकिन न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया से हार के बाद यह सब बिखर गया जिसने भारतीय सुपरस्टार्स को घरेलू क्रिकेट खेलने के लिए मजबूर कर दिया। शुक्रवार को, वह एक बड़ी पारी की तलाश में थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। रोहित की 28 रनों की पारी में शुरुआती दौर में हिट और मिस दोनों शामिल थे जो चौथे ओवर में नजीर द्वारा छोड़े गए एक मुश्किल मौके से शुरू हुआ, जब वह अपने फॉलो थ्रू पर रिटर्न कैच नहीं पकड़ सके।

ऑस्ट्रेलियन ओपनः दूसरा ग्रैंडस्लैम फाइनल खेल रहीं मेडिसन कीज से भिड़ेंगी

तीसरे खिताब से एक कदम दूर सबालेंका

मेलबर्न, एजेंसी। कीज का यह दूसरा ग्रैंडस्लैम फाइनल होगा। 2017 के यूएस ओपन के फाइनल में खेलने वाली कीज इससे पहले दो बार इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच चुकी हैं। कीज ने बड़ा उलटफेर किया। इगा ने इस हार से पहले टूर्नामेंट में एक भी सेट नहीं गंवाया था। शीर्ष वरीय बेलारूस की आर्यना सबालेंका लगातार तीसरे ऑस्ट्रेलियाई ओपन खिताब से सिर्फ एक कदम दूर कर खड़ी हैं। उन्होंने सेमीफाइनल में स्पेन की अपनी गहरी दोस्त पाउला बदोसा को सीधे सेटों में 6-4, 6-2 से हराया। अगर सबालेंका फाइनल जीतने में सफल रहती हैं तो तीन लगातार ऑस्ट्रेलियाई ओपन जीतने वाली इस सदी की पहली महिला टेनिस खिलाड़ी होंगी। अंतिम बार स्विट्जरलैंड की मार्टिना हिंगिस ने 1997 से 1999 तक यह टूर्नामेंट जीता था।

...तो दिग्गजों की श्रेणी में हो जाएंगी शामिल

26 वर्षीय सबालेंका अगर फाइनल जीतने में सफल हो जाती हैं तो वह लगातार तीन बार यह खिताब जीतने वाले मार्गरेट कोर्ट स्मिथ (1969-71), इवाना गुलागोंग (1974-1976), स्टेफी ग्राफ (1988-1990), मोनिका सेलेस (1991-1993) जैसे दिग्गजों की श्रेणी में शामिल हो जाएंगी। सबालेंका और बदोसा अच्छी दोस्त हैं। सबालेंका ने कहा, वह एक या दो दिन मुझसे गुस्से में रहेगी, लेकिन उसके बाद हम फिर दोस्त हो जाएंगे और साथ में खरीदारी करने जाएंगे। मैं वायदा करती हूं कि वह कुछ भी मांगेगी, मैं उसका भुगतान करूंगी। बदोसा ने कहा, सबालेंका आज ऐसा खेली कि कुछ भी छूती वह चीज सोने की हो जाती। सबालेंका ने पूरे मैच मे 32 विनर्स लगाए।

तीसरे खिताब के लिए कुछ भी छोड़ने को तैयार

सबालेंका ने मैच की शुरुआत धीमी की। वह शुरुआत में ही 0-2 से पिछड़ गईं, लेकिन उन्होंने जबरदस्त वापसी करते हुए बदोसा को फिर कोई मौका नहीं दिया। सबालेंका ने कहा, वह लगातार तीसरा ऑस्ट्रेलियाई ओपन जीतने के लिए कुछ भी छोड़ने को तैयार हैं। ईमानदारी से कहूं तो मैंने यह सपना भी नहीं देखा था। मैंने कम से कम एक ग्रैंडस्लैम जीतने का सपना देखा था, लेकिन मेरे सामने अब लगातार तीन ग्रैंडस्लैम जीतने का मौका है। यह अविश्वसनीय है। मैं इसके लिए कुछ भी छोड़ने को तैयार हूं।

राष्ट्रीय रिकॉर्ड दोबारा तोड़ना और राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक है प्रवीण का लक्ष्य

विजयनगर (कर्नाटक), एजेंसी। राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक और एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता ट्रिपल जम्प खिलाड़ी प्रवीण चित्रावेल महाद्वीपीय खेलों में एक बार फिर पदक जीतने को लेकर आश्वस्त हैं लेकिन उनका लक्ष्य अगले साल स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतना है। प्रवीण बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल 2022 की त्रिकूद स्पर्धा में कांस्य पदक विजेता से सिर्फ तीन सेंटीमीटर पीछे रहे थे। तमिलनाडु का यह खिलाड़ी 16.89 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ इन खेलों में चौथे स्थान पर रहा था जबकि बरमूडा के जाह-एनहाई पेरिनचीफ ने 16.92 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता था। भारत के ही एलधोस पॉल (17.03 मीटर) और अब्दुल्ला अबुबाकर (17.02 मीटर) ने इस

स्पर्धा में क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीता था। प्रवीण का लक्ष्य इस साल 17.37 मीटर के अपने निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन और राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार करने का है जबकि वह ग्लास्गो 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में पोडियम में शीर्ष स्थान हासिल करना चाहते हैं।

यहां इंस्पायर इंस्टीट्यूफ ऑफ स्पोर्ट्स (आईआईएस) में ट्रेनिंग कर रहे प्रवीण ने विशेष साक्षात्कार में कहा, 'मैं अब भी और अधिक उपलब्धियां हासिल करने के लिए प्रयास कर रहा हूं, जैसे ओलंपिक, विश्व कप, विश्व चैंपियनशिप, एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेल, सब कुछ। मैं एशियाई खेलों का पदक विजेता हूं, मैंने राष्ट्रमंडल खेलों में दो सेंटीमीटर (तीन सेंटीमीटर) से पदक गंवा दिया था। मेरे पास एशियाई इंडोर चैंपियनशिप का पदक, और युवा ओलंपिक का पदक है। उन्होंने कहा, 'मुझे यकीन है कि मैं एशियाई खेल (आइची-नागोया 2026) में पदक जीतूंगा लेकिन मैं राष्ट्रमंडल खेलों (2026 में) में स्वर्ण पदक जीतना चाहता हूं, निश्चित रूप से राष्ट्रमंडल खेलों की वजह से मैं अब भी ठीक से सो नहीं सकता। राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में 23 जुलाई से दो अगस्त 2026 तक किया जाएगा जबकि आइची-नागोया 2026 एशियाई खेल जापान में 17 सितंबर से चार अक्टूबर क होंगे। तेइस साल के प्रवीण ने कहा कि इस वह 2025 में अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार करना चाहते हैं।

पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी का खुलासा...

'गौतम गंभीर मुझे बिना वजह डांटते थे, गाली भी देते थे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के मौजूदा हेड कोच गौतम गंभीर और पूर्व भारतीय खिलाड़ी मनोज तिवारी के बीच पहले भी कई बार विवाद हो चुका है। साल 2015 में दिल्ली और बंगाल के बीच रणजी ट्रॉफी मैच के दौरान दोनों के बीच काफी कहासुनी हो गई थी। मनोज तिवारी ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि यह कोई अकेली घटना नहीं थी। जब वह और गौतम गंभीर कोलकाता नाइट राइडर्स का हिस्सा थे, उस दौरान भी कई बार ऐसी घटनाएं हुई थीं, जिसकी परिणति 2015 में हुई थी।

मनोज तिवारी ने बात करते हुए कहा, 'मुझे बिना किसी कारण के डांटा जाता था। मुझे समझ में नहीं आता था कि वह मुझे क्यों निशाना बनाते हैं। जब मैं 2010 में केकेआर (कोलकाता नाइट राइडर्स) में आया तब वह और मैं अच्छे से घुलमिल गए थे। लेकिन फिर वह अचानक मुझ पर अपना आपा खो देते थे। वह बहुत ही आहत करने वाले शब्दों का इस्तेमाल करते थे। मां-बहन की गाली देते थे। फिर, जब मैंने इसके बारे में सोचना शुरू किया, तो मुझे अहसास हुआ कि केकेआर के सभी स्थानीय लड़कों में से मैं ही एक ऐसा था जो लगातार अच्छा प्रदर्शन करता था। चूंकि मैं एक होनहार युवा था, इसलिए मीडिया मुझे तवज्जो दे रहा था।

वीरेंद्र सहवाग की शादी भी टूटने की कगार पर?

पत्नी से अलग रह रहे विस्फोटक बल्लेबाज

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेटरों के लिए पिछले कुछ महीने निजी तौर पर अच्छे नहीं गुजर रहे हैं. पिछले साल हार्दिक पंड्या का तलाक हुआ था. वहीं पिछले कुछ दिनों से लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल और उनकी पत्नी धनश्री वर्मा के भी अलग होने की खबरें लगातार आ रही हैं. अब ऐसा ही बड़ा दावा पूर्व दिग्गज बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग को लेकर भी किया जा रहा है. एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सहवाग और उनकी पत्नी आरती का करीब 21 साल लंबा रिश्ता टूटने की कगार पर है और दोनों ही एक-दूसरे से अलग रह रहे हैं. वीरेंद्र सहवाग और आरती की शादी 2004 में हुई थी लेकिन अब करीब 21 साल के बाद दोनों का रिश्ता टूटता हुआ दिख रहा है. दोनों ने ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को अनफॉलो भी कर लिया है. यहां तक कि सहवाग की हालिया पोस्ट और अपडेट्स में भी पत्नी के साथ कोई तस्वीर नहीं आई है. यहां तक कि दीवाली में भी उन्होंने सिर्फ बच्चों और मां के साथ फोटो पोस्ट की थीं, जबकि उनकी पत्नी नहीं दिखी थी.

परिवार नहीं था राजी, फिर ऐसे हुई शादी

टीम इंडिया के लिए 1999 में अपना इंटरनेशनल करियर शुरू करने वाले वीरेंद्र सहवाग ने अप्रैल 2004 में आरती अहलावत से शादी की थी. दोनों की ये लव मैरिज थी, जिसको लेकर परिवारों में सहमति नहीं थी. इसकी वजह दोनों परिवारों में दूर की रिश्तेदारी थी. हालांकि किसी तरह दोनों ने अपने-अपने परिवारों को शादी के लिए राजी किया और फिर तत्कालीन केंद्रीय मंत्री रहे अरुण जेटली के आवास पर दोनों की शानदार अंदाज में शादी हुई थी. इस शादी ने खूब चर्चा बटोरी थी. उनकी शादी मुल्तान में पाकिस्तान के खिलाफ लगाए तिहरे शतक के एक महीने के अंदर हुई थी, जिसके चलते हर किसी की ओर इसका ध्यान ज्यादा था.

आयुष्मान खुराना को बनाया गया फिक्की फ्रेम्स का एंबेसडर

फिक्की फ्रेम्स ने इस साल अपनी 25वीं वर्षगांठ के मौके पर बॉलीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना को ब्रांड एंबेसडर घोषित किया है। इस बार सम्मेलन की थीम 'राइज- इनोवेशन, सस्टेनेबिलिटी और एक्सीलेंस को फिर से परिभाषित करना' है, जो कहानियों को आकार देने, रचनात्मकता को बढ़ावा देने और मीडिया और मनोरंजन उद्योग के विकास को आगे बढ़ाने में फिक्की फ्रेम्स के परिवर्तनकारी प्रभाव पर प्रकाश डालता है।

यह कार्यक्रम मुंबई में प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है, और इसमें दुनिया भर के प्रभावशाली व्यक्तित्व, रचनात्मक पेशेवर और नीति निर्माता उभरते रुझानों, नए तकनीकों और मनोरंजन परिदृश्य में प्रमुख चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए एकत्रित होते हैं। इसमें मुख्य भाषण, बी2बी मीटिंग, मास्टर क्लास, पॉलिसी राउंड टेबल, सर्वश्रेष्ठ एनिमेटेड फ्रेम पुरस्कार (बीएएफ), वैश्विक सामग्री बाजार, प्रदर्शनियां और वाइब्रेंट कल्चरल इवनिंग जैसे कई फॉर्मेट शामिल हैं। उल्लेखनीय वैश्विक हस्तियों ने अतीत में एफआईसीसीआई फ्रेम की शोभा बढ़ाई है, जिसमें हॉलीवुड के सितारे जैसे प्रशंसित एक्टर और मानवतावादी ह्यूग जैकमैन; 21वीं सदी के फॉक्स के सीईओ जेम्स मर्डोक; मोशन पिक्चर एसोसिएशन ऑफ अमेरिका (एमपीएए) के अध्यक्ष चार्ल्स एच. रिवकिन; और नेशनल जियोग्राफिक पार्टनर्स के अध्यक्ष गैरी नेल शामिल हैं।

अन्य दिग्गजों में पूर्व संघीय संचार आयोग आयुक्त अजीत पई, बीबीसी ग्लोबल न्यूज के सीईओ जिम एगन और डिस्कवरी नेटवर्क इंटरनेशनल के अध्यक्ष जेबी पेरेट शामिल हैं। फिक्की फ्रेम्स के साथ अपने जुड़ाव के बारे में बात करते हुए आयुष्मान ने कहा, फिक्की फ्रेम्स के रजत जयंती वर्ष में इसके पहले ब्रांड एंबेसडर के रूप में घोषित होना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान है। मैं चंडीगढ़ से मुंबई आया था और मेरी आंखों में सिर्फ सपने थे, इसलिए मैंने कभी इस अविश्वसनीय यात्रा की कल्पना नहीं की थी, जहां मेरे काम ने न केवल लोगों के जीवन को छुआ है, बल्कि यह भारत की समृद्ध पॉप संस्कृति का भी हिस्सा बन गया है। अपनी नई भूमिका में, मैं असाधारण फिक्की टीम के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हूं, ताकि व्यवधान को बढ़ावा दिया जा सके, नवाचार का जश्न मनाया जा सके और हमारे उद्योग द्वारा लगातार पेश की जाने वाली उत्कृष्टता को उजागर किया जा सके। फिक्की मीडिया और मनोरंजन समिति के अध्यक्ष और जियो स्टार एंटरटेनमेंट के सीईओ केविन वाज ने कहा, फिक्की फ्रेम्स का रजत जयंती संस्करण उत्कृष्टता के 25 वर्षों का उत्सव है और भारत के मीडिया और मनोरंजन उद्योग को आकार देने में हमने जो विरासत बनाई है, उसके लिए एक श्रद्धांजलि है। आयुष्मान खुराना, रचनात्मकता, नवाचार और दर्शकों के साथ जुड़ाव की अपनी अविश्वसनीय यात्रा के साथ, फिक्की फ्रेम्स के मूल सिद्धांतों का प्रतिनिधित्व करते हैं। उनका जुड़ाव इस मील के पत्थर के आयोजन को और ऊंचा उठाएगा और कहानीकारों और रचनाकारों की भावी पीढ़ियों को प्रेरित करेगा।

बिना शादी के अकेले जिंदगी बिताना चाहती हैं शिल्पा शिंदे

बिग बॉस सीजन 11 की विनर रह चुकीं शिल्पा शिंदे ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान खुलासा किया वो शादी नहीं करना चाहती और पूरी जिंदगी अकेले बिताना पसंद करेंगी। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अगर कोई सही इंसान मिला, तो जरूर शादी कर लेंगी। एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे ने टेली टॉक को दिए इंटरव्यू के दौरान अपने मैरिज प्लान को लेकर बातचीत की है। एक्ट्रेस ने कहा- मैंने अपने आप को कभी ब्लॉक नहीं किया कि मुझे अकेला ही रहना है। मैंने ये भी नहीं सोचा कि मुझे किसी से शादी ही करनी है।

अगर मुझे लगता है कि कोई सही इंसान मिला, तो मैं जरूर शादी कर लूंगी। शिल्पा शिंदे ने आगे बताया- मैं उस तरह की लड़की नहीं हूं जो लिविंग रिलेशनशिप में रहने के बाद भी उसे रिलेशनशिप का नाम ना दे। अगर ऐसा कोई रिश्ता है तो उसे एक नाम देना चाहिए, लेकिन यह नहीं मानती कि शादी सबकुछ है। आज कल लोग शादी का मतलब ही नहीं समझते। पति-पत्नी के बीच काम्पिटिशन शुरू हो गया है।

बता दें कि शिल्पा शिंदे की टीवी एक्टर रोमित राज संग सगाई हुई थी, हालांकि कुछ समय बाद दोनों ने अपने-अपने रास्ते अलग कर लिए। शिल्पा और रोमित राज की मुलाकात सीरियल मायका (2007-2009) के दौरान हुई थी। रोमित उम्र में शिल्पा से तीन साल छोटे थे। दोनों में प्यार हुआ और फिर 2009 में दोनों ने शादी करने का फैसला लिया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों ने 29 नवंबर 2009 को गोवा में शादी करने का फैसला किया था, लेकिन शादी से दो दिन पहले ही शिल्पा ने शादी न करने का फैसला किया था।

राहिल आजम के साथ भी जुड़ा था नाम

इससे पहले शिल्पा शिंदे का नाम राहिल आजम के साथ जुड़ा था। राहिल और शिल्पा ने सबसे पहले सीरियल भाभी (2002-2008) में साथ काम किया था। इसके बाद दोनों सीरियल हातिम (2003) में भी नजर आए थे। कुछ दिन साथ रहने के बाद दोनों आपसी सहमति से अलग हो गए थे।

एक्ट्रेस तापसी पन्नू ने किया खुलासा

बताया कैसे 'बेबी' में सात मिनट के रोल ने बदल दिया उनका करियर

बॉलीवुड एक्ट्रेस तापसी पन्नू ने हाल ही में अपने करियर के उस महत्वपूर्ण पल को याद किया, जब 2015 की फिल्म बेबी में एक छोटी लेकिन प्रभावशाली भूमिका ने इंडस्ट्री में उनकी राह को आकार देने में मदद की थी। फिल्म के 10 साल पूरे होने के अवसर पर, एक्ट्रेस ने शेयर किया कि फिल्म में 7 मिनट का सीन एक महत्वपूर्ण मोड़ था, जिसने एक स्थायी प्रभाव छोड़ा और उनके करियर को एक बेहतर आकार दिया। अपने प्रतिष्ठित सात मिनट की उपस्थिति पर विचार करते हुए,तापसी ने शेयर किया, ÷प्रिय अभिनेताओं, मिनटों की संख्या मायने नहीं रखती है, आप उन मिनटों में जो करते हैं, उससे जो प्रभाव छोड़ते हैं, वह मायने रखता है। सात मिनट, जिसने मेरे लिए करियर की दिशा को हमेशा के लिए बदल दिया। आपका सच्चा, नाम शबाना। बेबी में शबाना के रूप में अपनी शानदार भूमिका के बाद, तापसी ने 2017 में रिलीज हुई फिल्म नाम शबाना में चरित्र को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया, जहां उनके एक्शन से भरपूर प्रदर्शन की बहुत तारीफ हुई। 37 वर्षीय एक्ट्रेस अमिताभ बच्चन के साथ पिंक और अक्षय कुमार के साथ मिशन मंगल जैसी फिल्मों में अपनी भूमिकाओं के लिए भी जानी जाती हैं। तापसी पन्नू अगली बार आगामी एक्शन-थ्रिलर फिल्म गांधारी में दिखाई देंगी, जहां वह अपने अपहरण हुए बच्चे को बचाने के लिए मिशन पर एक मां की भूमिका निभा रही हैं। इस भूमिका के लिए अभिनेत्री ने कथित तौर पर फिल्म में उच्च-ऑक्टेन एक्शन दृश्यों को करने के लिए एरियल योग और स्ट्रेंथ कंडीशनिंग की ट्रेनिंग भी ली है। पिछले महीने, पन्नू ने कई फोटो शेयर करके फिल्म की शूटिंग शुरू करने की घोषणा की थी। फोटो में वह कलाकारों और क्रू के साथ क्लैपबोर्ड के साथ पोज देती हुई दिखाई दे रही थीं। उन्होंने पोस्ट को कैप्शन दिया,भगवान, मेरी प्रार्थना स्वीकार करें ताकि मैं अच्छे कर्म करने से कभी विचलित न हो पाऊं। जब मैं युद्ध में जाऊं तो मुझे दुश्मन का कोई डर न हो और दृढ़ संकल्प के साथ मैं विजयी हो जाऊं। मैं अपने मन को केवल आपकी स्तुति गाना सिखाऊं और जब समय आए, तो युद्ध के मैदान में मैं वीरता पूर्वक लड़ते हुए मरूं। गांधारी।

एक साथ फिल्माई जाएंगी मिर्जापुर फिल्म और सीरीज

इस दिन से शूटिंग शुरू करेंगे पंकज त्रिपाठी-अली फजल

पिछले साल अक्तूबर में निर्माताओं ने मिर्जापुर- द फिल्म की घोषणा की, जिससे लोकप्रिय क्राइम ड्रामा पहली ओटीटी सीरीज बन गई, जिसे एक फिल्म के रूप में भी बनाया जाएगा। वहीं, अब इस सीरीज की शूटिंग को लेकर नई जानकारियां सामने आई हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, गुरमीत सिंह द्वारा निर्देशित फिल्म के साथ-साथ पंकज त्रिपाठी, अली फजल और श्वेता त्रिपाठी शर्मा अभिनीत सीरीज के चौथे सीजन की शूटिंग सितंबर 2025 से एक साथ की जाएगी।

एक फिल्म और एक सीरीज को एक साथ शूट करना मुश्किल हो सकता है, लेकिन रिपोर्ट में दावा किया गया है कि निर्माताओं ने यह मानते हुए योजना बनाई कि कथात्मक में निरंतरता होगी। साथ ही तारीखों का भी अच्छी तरह से इस्तेमाल किया जाएगा। दिव्येंदु, अभिषेक बनर्जी, रसिका दुग्गल और विजय वर्मा सहित अभिनेताओं से पहले ही बल्क डेट्स ले ली गई हैं। टीम उनकी तारीखों को सही तरीके से इस्तेमाल करने की योजना बनाने में कामयाब रही है, चूंकि उनसे बार-बार तारीखें लेना समझदारी नहीं है, इसलिए निर्माताओं ने दोनों प्रोजेक्ट्स को एक साथ शूट करने का फैसला किया है।

उत्तर प्रदेश में होगी शूटिंग

अगर सबकुछ योजना के मुताबिक हुआ तो शूटिंग उत्तर प्रदेश में शुरू होगी। इसका एक हिस्सा मुंबई में भी फिल्माया जाएगा। कलाकारों और क्रू के लिए एक ही समय में दो अलग-अलग प्रारूपों पर काम करना एक रोमांचक चुनौती होगी। गुरमीत इस फिल्म का निर्देशन करेंगे, जिसे पुनीत कृष्णा ने लिखा है, जो शो के निर्माता के रूप में काम करते हैं।

सैफ अली खान को ट्रोल करने वालों को पूजा भट्ट का करारा जवाब

बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान को मंगलवार को अस्पताल से छुट्टी मिल गई। डिस्चार्ज होने के बाद खुद चलकर अपने घर आए। अभिनेता ने व्हील चेयर पर न आकर खुद चलकर आए। इसे लेकर लोग उन्हें ट्रोल भी कर रहे हैं। इस पर अब पूजा भट्ट ने ट्रोलर्स को करारा जवाब दिया है। साथ ही उनके धैर्य की सराहना भी की है।

सैफ अली खान को किया ट्रोल

पूजा भट्ट ने कहा कि सैफ अली खान को छुट्टी मिलने के बाद उन्हें लगातार ट्रोल किया जा रहा है। अभिनेत्री ने इस बात पर जोर दिया कि कमजोर स्थिति में मदद मांगने के लिए कितनी ताकत की जरूरत होती है और ठीक होने के लिए उनके दृढ़ संकल्प की प्रशंसा की।

दिया साहस का परिचय

पूजा भट्ट ने कहा, लेकिन क्या ये लोग यह नहीं भूलते कि उन्होंने अस्पताल में खुद चलकर जाने के लिए भी उनकी प्रशंसा की थी? एक व्यक्ति जो घायल, दर्दनाक स्थिति में खुद को अस्पताल में भर्ती कराता है, निश्चित रूप से उसके पास खुद अस्पताल से बाहर निकलने का साहस होता है। हमें साजिश रचने वालों का सहारा लेने के बजाय इसकी सराहना करनी चाहिए।

वीर पहाड़िया ने स्काईफोर्स के लिए ली जान्हवी कपूर से सलाह, बोले मैं ऐसा कोई मौका नहीं छोड़ता

अक्षय कुमार की अपकमिंग फिल्म स्काईफोर्स में वीर पहाड़िया बॉलीवुड में अपना डेब्यू करने जा रहे हैं। वीर अपने इंडस्ट्री के दोस्तों और करीब परिवार जान्हवी कपूर से टिप्स लेते रहते हैं। उन्होंने इस बारे में अब खुलकर बात की है। उभरते हुए अभिनेता ने अपने भाई की गर्लफ्रेंड से टिप्स लेने की बात स्वीकार की और कहा मैं उनसे कोई भी सलाह मांगने का मौका नहीं छोड़ता। उन्होंने कहा, मेरे सभी दोस्त अभिनेता हैं, मैं उनसे कोई भी सलाह लेने का मौका नहीं छोड़ता। और वह काफी अनुभवी हैं। तो हां, मैंने तो कई सारी चीजों को लेकर बात की है।

दोस्तों से सलाह लेते हैं अभिनेता

अपनी आगामी फिल्म स्काईफोर्स को लेकर वीर पहाड़िया ने बात की है। उन्होंने कहा कि फिल्म गुंजन सक्सेना में भी जान्हवी ने एक कारगिल गर्ल का किरदार निभाया है, ठीक वैसे ही आगामी एक्शन फिल्म निभाने जा रहे हैं। इसके लिए उन्होंने जान्हवी कपूर से सलाह ली थी।

शेयर किया फिल्म का किस्सा

वीर पहाड़िया कहते हैं, 'मैं फाइटर प्लेन के कॉकपिट में बैठा था, मेरा चेहरा पूरी तरह से कवर था। उस वक्त मुझे अज्जामद बोपय्या देवय्या जी के साहस, जुनून का अहसास हुआ। मैंने जैसे ही फिल्म का यह आखिरी सीन शूट किया, मैं डायरेक्टर को पकड़ कर खूब रोया। अज्जामद बोपय्या देवय्या ने देश के लिए जो बलिदान दिया, मुझे उस भावना के कारण रोना आया।'

किरदार निभाने में लगा डर

वीर पहाड़िया आगे कहते हैं, 'स्क्वाड्रन लीडर अज्जामद बोपय्या देवय्या का किरदार निभाने को लेकर मैं डर हुआ था। उनकी शख्सियत बहुत बड़ी है, उनके बारे में काफी कुछ कहा और लिखा गया। ऐसे में उनके किरदार को पर्दे पर निभाना मेरे लिए किसी चैलेंज से कम नहीं रहा।'

हॉलीडे से लेकर बेबी तक

स्काई फोर्स ने पहले भी अक्षय कई बार दिखा चुके हैं देशभक्ति का जज्बा

अक्षय कुमार ने अपने करियर की शुरुआत एक एक्शन स्टार के रूप में की थी। इसके बाद उन्होंने कॉमेडी में भी अपनी छाप छोड़ी और अब वह देशभक्ति से भरपूर फिल्मों के लिए सबसे प्रमुख अभिनेता बन गए हैं। समय के साथ उन्होंने उन किरदारों को भी निभाया है जो या तो सेना के अधिकारी होते हैं या फिर समाज के प्रति जिम्मेदार नागरिक। उनकी आगामी फिल्म स्काई फोर्स से पहले आज हम अक्षय की उन फिल्मों के बारे में बताने जा रहे हैं जो देशभक्ति की भावना पर आधारित हैं।

हॉलीडे: अक्षय कुमार की यह फिल्म उनके देशभक्ति यात्रा के शुरुआती दिनों में आई थी। फिल्म में वह एक भारतीय सेना के सैनिक के रूप में आतंकवादियों से अपने शहर को बचाते नजर आते हैं। ए आर मुरुगदास के निर्देशन में बनी यह फिल्म लोगों को खूब पसंद आई थी।

केसरी: केसरी फिल्म सारागढ़ी की ऐतिहासिक लड़ाई पर आधारित है, जिसमें अक्षय कुमार हवलदार ईशर सिंह के किरदार में नजर आए थे। इस फिल्म में अक्षय का किरदार को एक ऐसे नायक के रूप में चित्रित किया गया है, जो न केवल बहादुर है, बल्कि उसके पास मजबूत नैतिक मूल्य और ईमानदारी भी है।

मिशन मंगल: इस फिल्म में अक्षय कुमार ने इसरो के वैज्ञानिक राकेश धवन का किरदार निभाया है। फिल्म देशभक्ति की भावना से भरपूर है। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कारोबार किया था। लोगों ने भी फिल्म की कहानी और इसके कलाकारों के अभिनय को काफी ज्यादा सराहा था।

गोल्ड: यह फिल्म 1948 के ओलंपिक में भारत की हॉकी टीम को लेकर बुनी गई कहानी पर आधारित है। अक्षय कुमार ने एक बंगाली कोच की भूमिका निभाई थी। फिल्म में मौनी रॉय भी नजर आई थीं।

एयरलिफ्ट: अक्षय कुमार की फिल्म एयरलिफ्ट में वह एक भारतीय व्यापारी में नजर आए थे, जो युद्धग्रस्त कुवैत से अपने देशवासियों को सुरक्षित निकालने की कोशिश करता है। इस फिल्म को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला था। बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म सुपरहिट रही थी।

बेबी: इस फिल्म में अक्षय कुमार आतंकवाद से लड़ते नजर आते हैं। फिल्म में उनके किरदार को काफी सरहाना मिली थी। नीरज पांडे के निर्देशन में बनी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी ठीक-ठाक कारोबार करने में सफल रही थी।

अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो: अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों में अक्षय कुमार सैनिक के रूप में नजर आए थे। इस फिल्म में उनकी अदाकारी के साथ उनके संवाद भी काफी ज्यादा लोकप्रिय हुए थे। फिल्म में बॉबी देओल और अमिताभ बच्चन भी अहम भूमिकाओं में थे।

-साभार एजेंसी